कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 03.12.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
विश्व दिव्यांग दिवस पर किया सम्मान

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि यह दिवस पूर्ण सहभागिता और समानता को प्रदर्शित करता है। दिव्यांग व्यक्तियों को समाज में विकास के बराबर अवसर मिले तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए अवसर मिलता है।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि अर्न्तराष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीयस्तर और क्षेत्रीय स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए पुनरूद्धार, रोकथाम और बराबरी के अवसर पर जोर देने हम सभी कृत–संकल्पित है। इसके साथ ही हमारे महाविद्यालय में कुछ छात्राएँ विगत वर्षों से अध्ययनरत् है, जो कि न सिर्फ सफलतापूर्वक अध्ययन कर रही है बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़–चढ़कर भाग लेकर पुरस्कार भी प्राप्त करती है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय में कार्यरत् कमलेश कुमार साहू का शॉल–श्रीफल से सम्मान किया गया। महाविद्यालय में अध्ययनरत् श्रवण बाधित एवं अस्थि बाधित छात्राओं का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर नृत्य विभाग की प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर ने दिव्यांग छात्राओं को नृत्य विधा सिखाने के अपने अनुभव बताए तो वहीं चित्रकला विभाग के डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने श्रवण बाधित छात्रा के राष्ट्रीय स्तर पर चित्रकला स्पर्धा में प्रतिभागिता एवं पुरस्कृत होने पर इसे उल्लेखनीय बताया। सम्मान पाकर अभिभूत कु. आस्था पाण्डे, फरहीन शेख, अंजना एवं टीनल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

सम्मान समारोह के अंत में डॉ. ज्योति भरणे ने आभार व्यक्त किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

विश्व दिव्यांग दिवस पर किया सम्मान

PRINCIPAL
Govt Dr. Ww. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

रेड रिबन क्लब पुरस्कृत

दुर्ग. शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब को एड्स जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए रविवार को नई दिल्ली में पुरस्कृत किया गया.

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एड्स दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में सक्रिय भागीदारी एवं उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया.

महाविद्यालय की रेड रिबन क्लब प्रभारी डॉ. रेशमा लाकश ने समारोह में पुरस्कार प्राप्त किया. महाप्रबंधक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं केन्द्रीय विशेष सचिव संजीव कुमार ने डॉ. रेशमा लाकेश को सम्मानित किया. उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय की रेड रिबन क्लब एवं यूथ रेडक्रास इकाई निरंतर स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित करती है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने बधाई दी है.

गर्ल्स कॉलेज को रेडरिबन बेस्ट क्लब का पुरस्कार

भिलाई| एड्स जागरूकता एवं नियंत्रक अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में दुर्ग के गर्ल्स कॉलेज को बेस्ट रेड रिबन क्लब का पुरस्कार दिया गया। नई दिल्ली में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज की रेड रिबन क्लब प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन थे। इस उपलब्धि पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने इसकी सराहना की।

एड्स जागरुकता के लिए गर्ल्स कॉलेज को दिल्ली में मिला सम्मान

भिलाई ◆ शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग के रेड-रिबन को एड्स जागरुकता और नियंत्रण अभियान में भागीदारी के लिए रविवार को नई दिल्ली में पुरस्कृत किया गया। एड्स दिवस के मौके पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ए परिवार कल्याण मंत्रालय ने दिल्ली में समारोह कराया था, जिसमें कन्या महाविद्यालय को प्रशस्ती पत्र दिया गया। इस महाविद्यालय की रेड-रिबन क्लब प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने समारोह में पुरस्कार लिया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के महाप्रबंधक व केंद्रीय विशेष सचिव संजीव कुमार ने डॉ. लाकेश को सम्मानित किया।

पत्रिका . भिलाई, सोमवार, 02 दिसंबर, 2019
patrika.com

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 29.11.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
एड्स जागरूकता अभियान
रैली निकाल कर दिया संदेश बचाव ही उपचार

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान में एड्स जागरूकता अभियान के तहत ''एड्स मुक्त विश्व की ओर'' का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

यूथ रेडक्रॉस इकाई की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विभिन्न आयोजनों में नारा लेखन, भाषण, पोस्टर, निबंध स्पर्धाएं आयोजित की गयी।

एड्स जागरूकता पर बनाये गये पोस्टर की प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी जिसमें निर्णायक मंडल ने चार श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन पुरस्कार हेतु किया गया।

जनजागरूकता अभियान के क्रम में रैली निकाली गयी जो शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई विभिन्न स्लोगन बनर व पोस्टर तथा नारे के माध्यम से एड्स से बचाव ही उपचार का संदेश दिया।

इस अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एचआईवी से ग्रसित लोगों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है हमारा कर्त्तव्य है कि समाज में जागरूकता फैलाये और इसकी रोकथाम के लिए जानकारी का प्रचार–प्रसार करें जिससे हमारा समाज सुरक्षित एवं संरक्षित हो सकेगा। उन्होनें कहा कि एड्स वर्तमान युग की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह अभियान एड्स की रोकथाम, उपचार और देखभाल को बढ़ावा देता है।

बी.एससी. प्रथम वर्ष की कु. प्रगति राजपूत ने छत्तीसगढ़ी भाषा में अपना वक्तव्य दिया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर रेड रिबन प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि एड्स छूने, हाथ मिलाने और बातचीत करने से नहीं फैलता बल्कि इसके लिए बचाव व संयम ही सुरक्षित उपचार है। संक्रमित खून और असुरक्षित यौन संबंध एच.आईव्ही. संक्रमण का प्रमुख कारण है।

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विद्यार्थियों को रेड रिबन क्लब की ओर से पुरस्कृत किया गया।

छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जिसका प्रदर्शन विभिन्न इलाकों में किया गया जिसमें संदेश दिया गया कि जिम्मेदार नागरिक की तरह हम एड्स मुक्त समाज के लिए जागरूकता फैलाए।

इस अभियान में यूथरेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी तथा एक्वा क्लब की छात्राओं के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेवकों ने सक्रिय भागीदारी की।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr Ww. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में
एड्स जागरूकता अभियान
रैली निकाल कर दिया संदेश बचाव ही उपचार

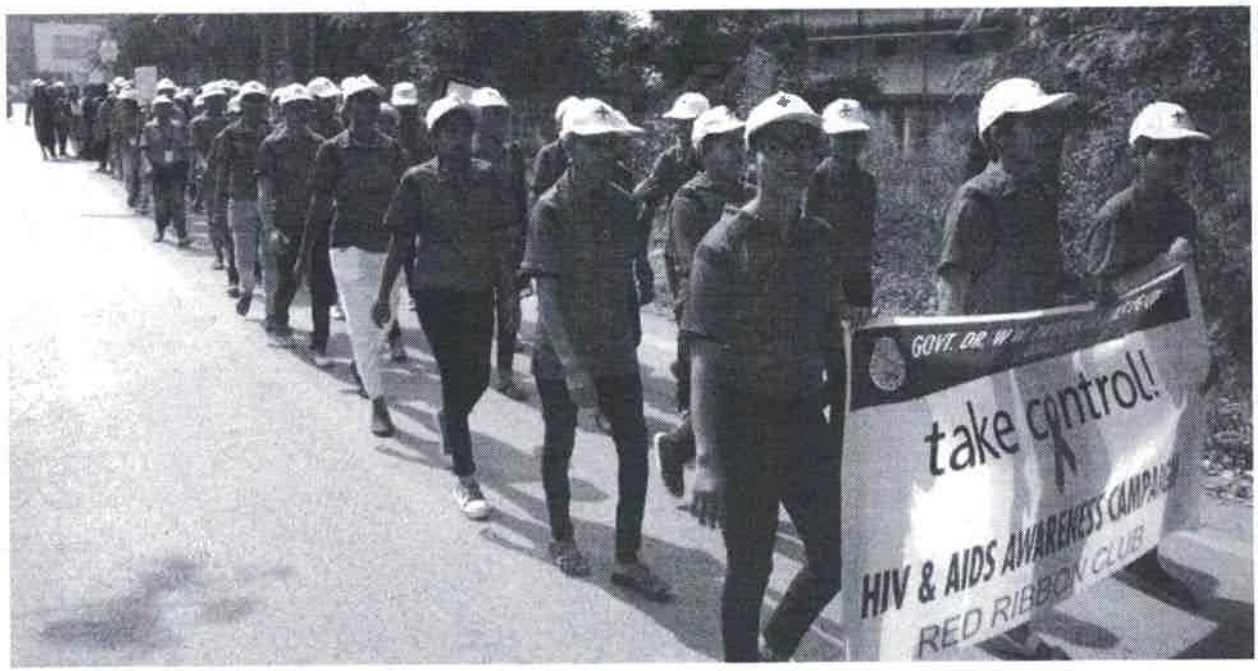

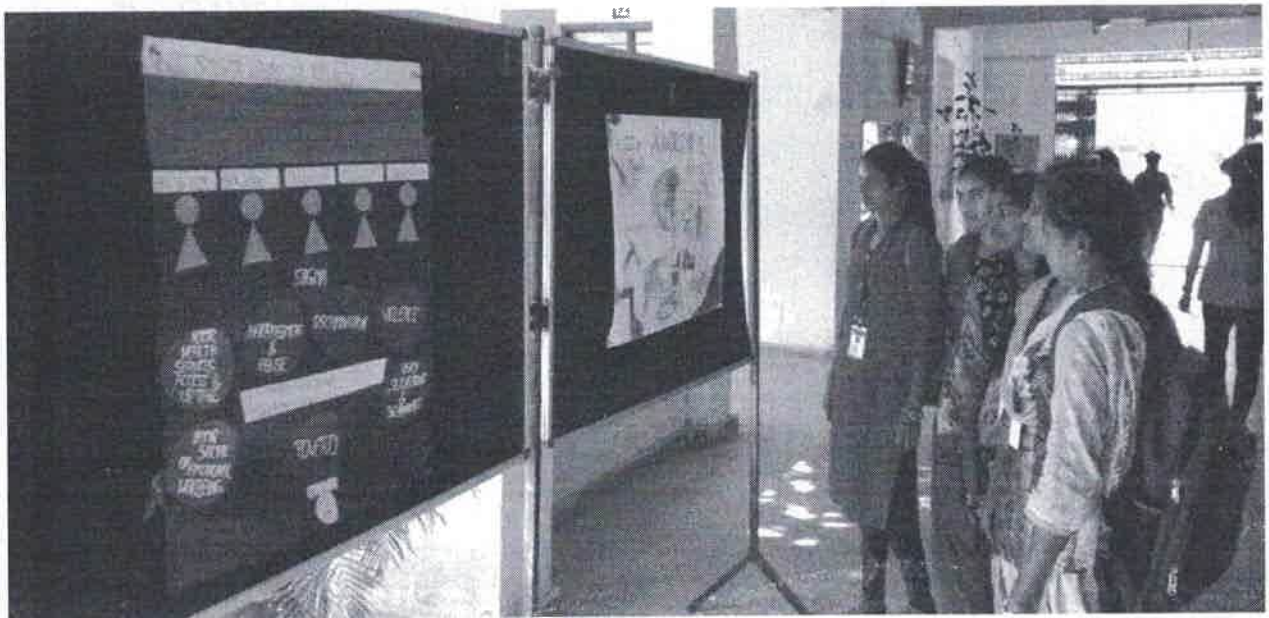

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 20.11.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"एड्स : सोशल इशुस"

रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में एड्स जागरूकता अभियान "एड्स मुक्त विश्व की ओर" कार्यक्रम के अन्तर्गत "एड्स : सोशल इशुस" पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया।

प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एच.आई.व्ही./एड्स विश्व का प्रमुख संक्रामक एवं जानलेवा रोग है, साथ ही यह एक सामाजिक समस्या भी है जो एक महामारी के रूप में लगातार बढ़ता जा रहा है। इस रोग और इसकी रोकथाम के अतिरिक्त इसका दुखदायी पक्ष है कि एड्स पीड़ित को अछुत समझा जाना एवं उससे सामाजिक भेदभाव करना जैसे स्कूल, कॉलेज, नौकरी से बेदखल और अनेक सामाजिक एवं मानसिक प्रताड़ना देना। इसलिए आवश्यक है कि समाज अपना दृष्टिकोण और मानसिकता बदले ताकि एड्स की रोकथाम में आने वाले सोशल इशुस को समझकर पीड़ितों से सामान्य एवं सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार किया जा सके।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि एड्स शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को इतना दुष्प्रभावित कर देता है कि इस गंभीर रोग की रोकथाम या इसका उपचार करना आवश्यक हो जाता है, साथ ही इस रोग को रोकने का एकमात्र उपाय है जागरूकता। दुर्भाग्यवश इस रोग के फैलने के बारे में पर्याप्त जानकारी साझा नहीं होने के कारण, अधिकांश लोग इसके बारे में बात करने में हिचकिचाते है। अतः इसके उपचार में कमी के कारण यह महामारी का रूप धारण कर चुका है। उन्होनें छात्राओं से आव्हान किया कि लोगों को इस रोग की उत्पत्ति एवं प्रसार के बारे में बताएं ताकि इसके दुष्प्रभाव से बचा जा सके।

विषय–विशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी ने एड्स प्रभावित लोगों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार, समेकित परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र, एच.आई.व्ही./एड्स के प्रति भ्रांतियां, यौन संक्रमित रोगों के उपचार, युवाओं के संक्रमित होने की अधिक आशंका, एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी एवं रक्त आदान–प्रदान संबंधी सुरक्षा इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की।

कु. आरती यादव ने एड्स के प्रसारण के कारण संक्रमित रक्त, निडल, सिंरिज, असुरक्षित यौन संबंध के अतिरिक्त गर्भवती माँ के द्वारा गर्भावस्था के समय, प्रसव के समय या स्तनपान के समय शिशु को संक्रमित कर सकता है।

कु. पायल साहू ने लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि लगातार वजन में कमी, खांसी, जुकाम, बुखार, सिरदर्द, थकान, शरीर पर फंगल इन्फेक्शन, भोजन से मन हटना, लसीकाओं में सुजन है।

कु. सीमा यादव ने बचाव के तरीके जैसे खून जांच कर ही चढ़ाना, उपयोग की हुई सुईयों एवं सिंरिज का प्रयोग ना करना, नई ब्लेड का प्रयोग एवं सुरक्षित यौन संबंध बताये।

कु. नम्रता देवांगन ने बताया कि भ्रंतियाँ जैसे एड्स पीड़ित के साथ खाने–पीने, उठने–बैठने, हाथ मिलाने, गले मिलने, बर्तन साझा करने, खांसी या छींकों या पशुओं या कीटों के काटने से एड्स नहीं होता है।

छात्राओं ने उक्त चर्चा के बाद एड्स मुक्त विश्व की ओर अपना सहयोग देने का संकल्प लिया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"एड्स : सोशल इशुस"

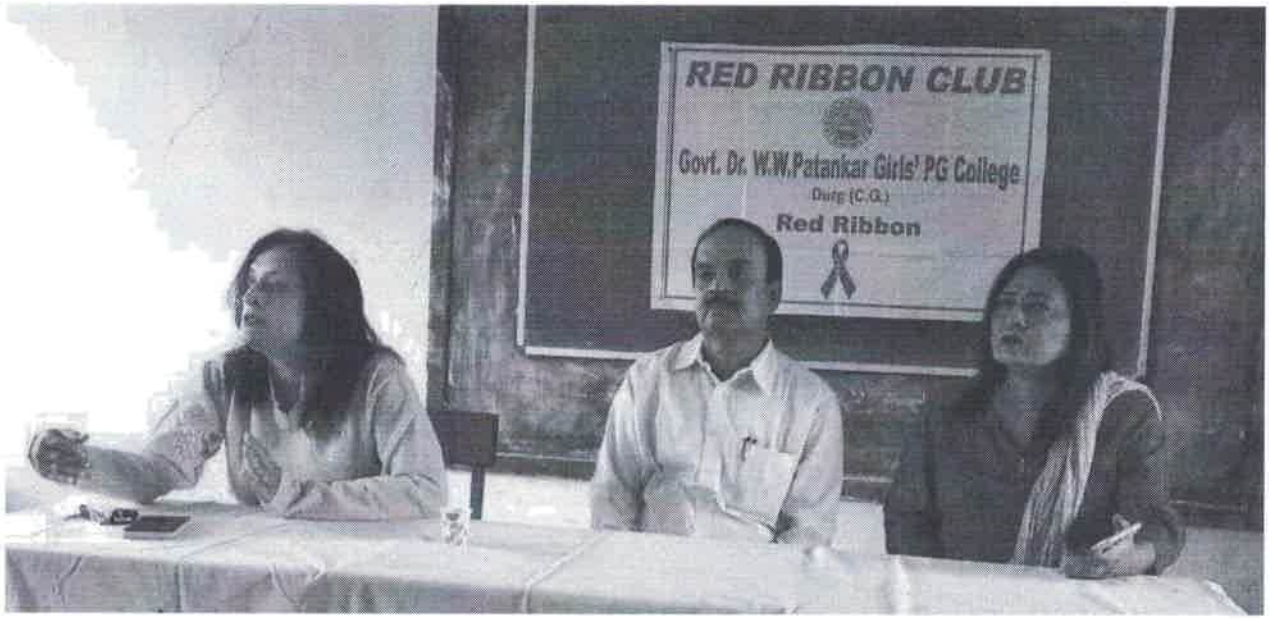

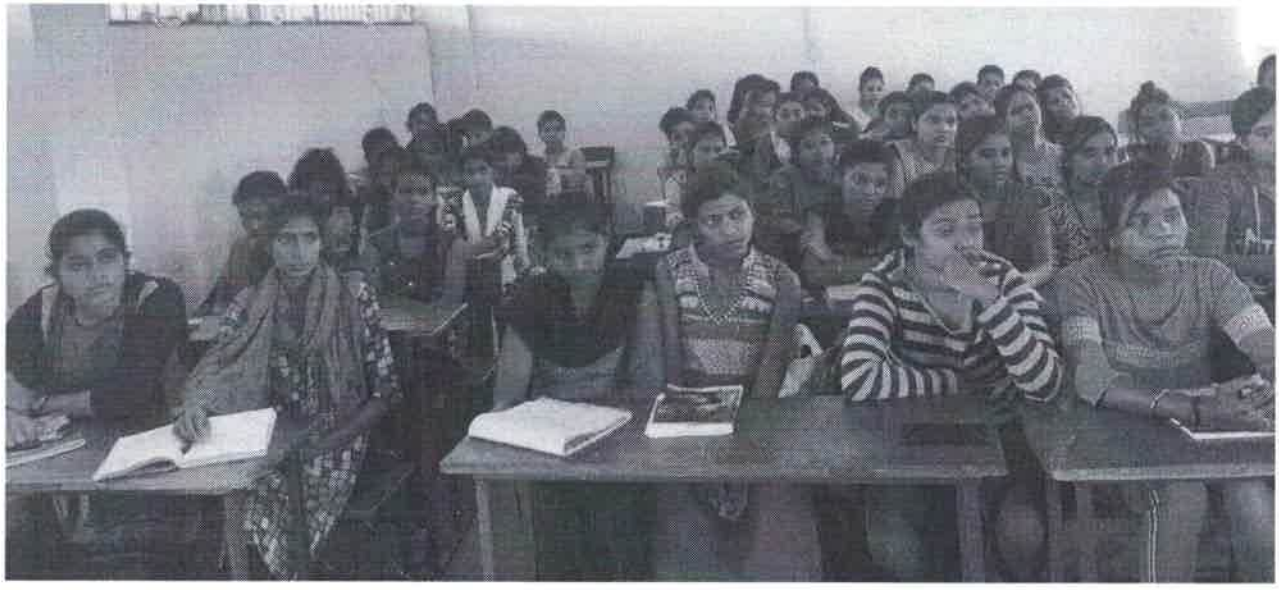

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 15.11.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में अवेरनेस कैम्पेन

"रक्तदान–महादान"

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में "रक्तदान–महादान" जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ श्री सुदीप श्रीवास्तव, प्रमुख सलाहकार, राज्य रेडक्रॉस सोसायटी, रायपुर छत्तीसगढ़, सुश्री नीतू मंडावी, प्रभारी राज्य एड्स कन्ट्रोल रायपुर छत्तीसगढ़ उपस्थित थे। संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर कर इस शुभ दान की ओर प्रेरित करने हेतु, यह आयोजन किया गया है क्योंकि आमतौर पर यह माना जाता है कि रक्तदान से शारीरिक कमजोरी आ जाती है परन्तु कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़ दे तो सभी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते है।

कार्यक्रम के मार्गदर्शक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि – रक्तदान ऐसा दान है जो हर कोई कर सकता है परंतु इसके लिए पहले स्वयं का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है, जिसके लिए उचित आहार लेना होता है। रक्तदान राज्य व केन्द्र सरकार की योजनाएं है जिन्हें छात्राओं तक पहुंचाना है क्योंकि रक्तदान करने से किसी का जीवन बचाया जा सकता है।

रेडक्रॉस वालेन्टियर कु. रानू टिकरिया ने कहा कि रक्तदान से किसी व्यक्ति की जान बच सकती है, युवा पीढ़ी भली–भांति जान ले कि रक्तदान के तुरन्त बाद ही शरीर में बोनमेरू नये टिशू बनाते है अतः जागरूक एवं सशक्त बनकर हमें रक्त दान करना चाहिए।

सुश्री नीतू मण्डावी ने कहा कि – एचआईव्ही फैलने के चार कारणों में से एक प्रमुख इनफेक्टेड ब्लड है साथ ही निडिल, सीरींज, इन्फेक्टेड माँ से बच्चे को एवं असुरक्षित यौन संबंध है।

श्री सुदीप श्रीवास्तव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिये क्योंकि रक्तदान करने से डर जागरूकता की कमी है। परन्तु रक्तदान करने से पहले जांच होती है ततपश्चात् ही रक्त लिया जाता है। उन्होनें छात्राओं को उत्साहित कर रक्तदान हेतु जोश दिलाया।

श्रीमती ज्योति भरणे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr WAV. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में अवेरनेस कैम्पेन

"रक्तदान–महादान"

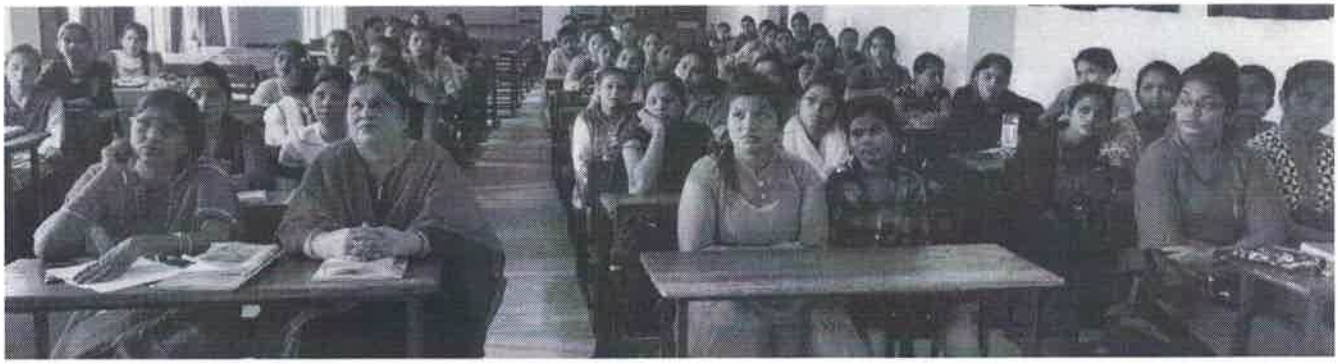

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

रक्तदान कर लोगों की जिंदगी बचाने में बनें भागीदार:डॉ.तिवारी

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में शुक्रवार को रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान-महादान जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि रक्तदान ऐसा दान है जो हर कोई कर सकता है परंतु इसके लिए पहले स्वयं का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। रक्तदान से जीवनदान दिया

जा सकता है। संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर कर इस शुभ दान की ओर प्रेरित करने हेतु, यह आयोजन किया गया है क्योंकि आमतौर पर यह माना जाता है कि रक्तदान से शारीरिक कमजोरी आ जाती है परन्तु कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़ दे तो सभी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ सुदीप श्रीवास्तव, प्रमुख सलाहकार राज्य रेडक्रॉस सोसायटी, रायपुर, नीतू मंडावी, प्रभारी राज्य एड्स कन्ट्रोल रायपुर उपस्थित थे।

लोगों की जान बचाना भी जिम्मेदारी : रेडक्रॉस वॉलेंटियर रानू टिकरिया ने कहा कि रक्तदान से किसी व्यक्ति की जान बचा सकती है। रक्तदान के तुरंत बाद ही शरीर में बोनमेरू नये टिशू बनाते है। अतः जागरूक एवं सशक्त बनकर हमें रक्त दान करना चाहिए। नीतू मंडावी ने कहा कि एचआईवी फैलने के चार कारणों में से एक प्रमुख इन्फेक्टेड ब्लड है।

स्वैच्छिक रक्तदान के लिए करें जागरूक

सुदीप श्रीवास्तव ने कहा कि लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। क्योंकि रक्तदान करने से अक्सर लोग डर जाते हैं। जागरूकता की कमी के कारण ऐसा होता है। उन्होंने छात्राओं को उत्साहित करते हुए रक्तदान हेतु प्रेरित किया। ज्योति भरणे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्राध्यापक, कर्मचारी व छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पत्रिका . भिलाई, शनिवार, 16 नवंबर, 2019

Weekend पत्रिका सिटीजन

ANCHOR रेडरिबन क्लब और यूथ रेडक्रास का आयोजन

गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं ने जाना रक्तदान के फायदे

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ एवं यूथ रेडक्रास ने मिलकर रक्तदान-महादान जागरुकता अभियान चलाया। इस अवसर पर कार्यक्रम विशेषज्ञ सुदीप श्रीवास्तव, राज्य प्रभारी एड्स नियंत्रण नीतू मंडावी, मौजूद थे। कार्यक्रम की संयोजक एवं यूथ रेडक्रास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने यह कार्यक्रम रखा गया है, क्योंकि आमतौर पर यह माना जाता है कि रक्तदान से शारीरिक कमजोरी आ जाती है परन्तु कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़ दे तो सभी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि रक्तदान ऐसा दान है जो हर कोई कर सकता है परंतु इसके लिए पहले स्वयं का स्वस्थ होना आवश्यक है। रक्तदान से हम किसी को जीवनदान दे सकते हैं।

बताए एचआईवी के कारण भी

वालेन्टियर रानू टिकरिया ने कहा कि युवा पीढ़ी को जानना चाहिए कि रक्तदान के तुरन्त बाद ही शरीर में बोनमेरू नये टिशू बनाते है अत: हमें रक्त दान करना चाहिए। नीतू मण्डावी ने एचआईवी फैलने के चार कारणों को बताया जिसमें से एक प्रमुख इनफेक्टेड ब्लड है साथ ही निडिल, सीरींज, इन्फेक्टेड मां से बच्चे को एवं असुरक्षित यौन संबंध है। सुदीप श्रीवास्तव ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए हमें सभी को प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में ज्योति भरणे ने आभार व्यक्त किया।

जिंदगी लाइव
रायपुर, शनिवार 16 नवंबर 2019
haribhoomi.com

रक्तदान अभियान के लिए गर्ल्स कॉलेज में चला अवेयरनेस कैम्पेन

रक्तदान करने से शरीर में नहीं आती कमजोरी

आमतौर पर यह माना जाता है कि रक्तदान से शारीरिक कमजोरी आ जाती है लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़ दें तो सभी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते है। यह बातें दुर्ग शासकीय महाविद्यालय में रक्तदान जागरुकता पर आयोजित कार्यक्रम में संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ रेशमा लाकेश ने कहीं। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर कर इस शुभ दान की ओर लोगों को प्रेरित करना था।

भिलाई। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं यूथ रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान-महादान जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ सुदीप श्रीवास्तव, प्रमुख सलाहकार, राज्य रेडक्रॉस सोसायटी रायपुर, नीतू मंडावी प्रभारी राज्य एड्स कंट्रोल रायपुर विशेष रूप से उपस्थित थे।

बच सकती है जान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मार्गदर्शक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि रक्तदान ऐसा दान है जो हर कोई कर सकता है। लेकिन इसके लिए स्वयं का स्वस्थ होना आवश्यक है। रक्तदान से जीवनदान दिया जा सकता है। रेडक्रॉस वालेन्टियर रानू टिकरिया ने कहा कि रक्तदान से किसी व्यक्ति की जान बच सकती है। युवा पीढ़ी भली-भांति जान ले कि रक्तदान के तुरन्त बाद ही शरीर में बोनमेरू नए टिशू बनाते है। हमें जागरूक एवं सशक्त बनकर रक्त दान करना चाहिए। नीतू मण्डावी ने कहा कि एचआईव्ही फैलने के चार कारणों में से एक प्रमुख इनफेक्टेड ब्लड है। साथ ही निडिल, सीरींज, इन्फेक्टेड मां से बच्चे को एवं असुरक्षित यौन संबंध इसका कारण है। सुदीप श्रीवास्तव ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। रक्तदान करने से डर, जागरूकता की कमी है। रक्तदान करने से पहले जांच होती है ततपश्चात ही रक्त लिया जाता है। उन्होंने छात्राओं को उत्साहित करते हुए रक्तदान के लिए प्रेरित किया। आभार प्रदर्शन ज्योति भरणे ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हरिभूमि

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 14.11.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया

हमारी दिनचर्या ही मधुमेह से बचाव का ईलाज है :– डॉ. शिवेन्द्र श्रीवास्तव

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में विश्व मधुमेह दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मधुमेह के संबंध में सारगर्भित जानकारी से अवगत कराने डॉ. शिवेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव का व्याख्यान आयोजित किया गया।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के संबंध में अपना उद्‌बोधन देते हुए डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में सर्वाधिक मधुमेह के पीड़ित है तथा प्रदेश में दुर्ग–भिलाई में सर्वाधिक मधुमेह के रोगी है। उन्होनें छात्राओं को मधुमेह के लक्षणों तथा उससे प्रभावित होने वाले अंगों के संबंध में वैज्ञानिक तथ्यों सहित महत्वपूर्ण जानकारी दी। शरीर के विभिन्न अंग हार्मोन्स के द्वारा प्रभावित होते है। मधुमेह में भी इसकी अधिकता आँख, किडनी, हृदय को सर्वाधिक प्रभावित करती है। इसके बचाव के लिये हमारी दिनचर्या का नियन्त्रण ही श्रेष्ठकर उपाय है। उन्होनें कहा कि मधुमेह की जानकारी बताते ही हमारे सलाहकारों की संख्या बढ़ जाती है। विभिन्न प्रकार के नुस्खों से हम दिगभ्रमित हो जाते है और बीमारी कम होने की बजाय बढ़ती जाती है। हमारा आलस्य और लापरवाही मधुमेह को जन्म देती है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि खाना मना नहीं है बल्कि खाने पर नियंत्रण जरूरी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि दिनचर्या के नियंत्रित होने से मधुमेह भी स्वभाविक तौर पर नियंत्रित हो जाता है।

स्पर्श हॉस्पिटल के अधिकारी अभिषेक जैन ने भी हॉस्पिटल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया

हमारी दिनचर्या ही मधुमेह से बचाव का ईलाज है :– डॉ. शिवेन्द्र श्रीवास्तव

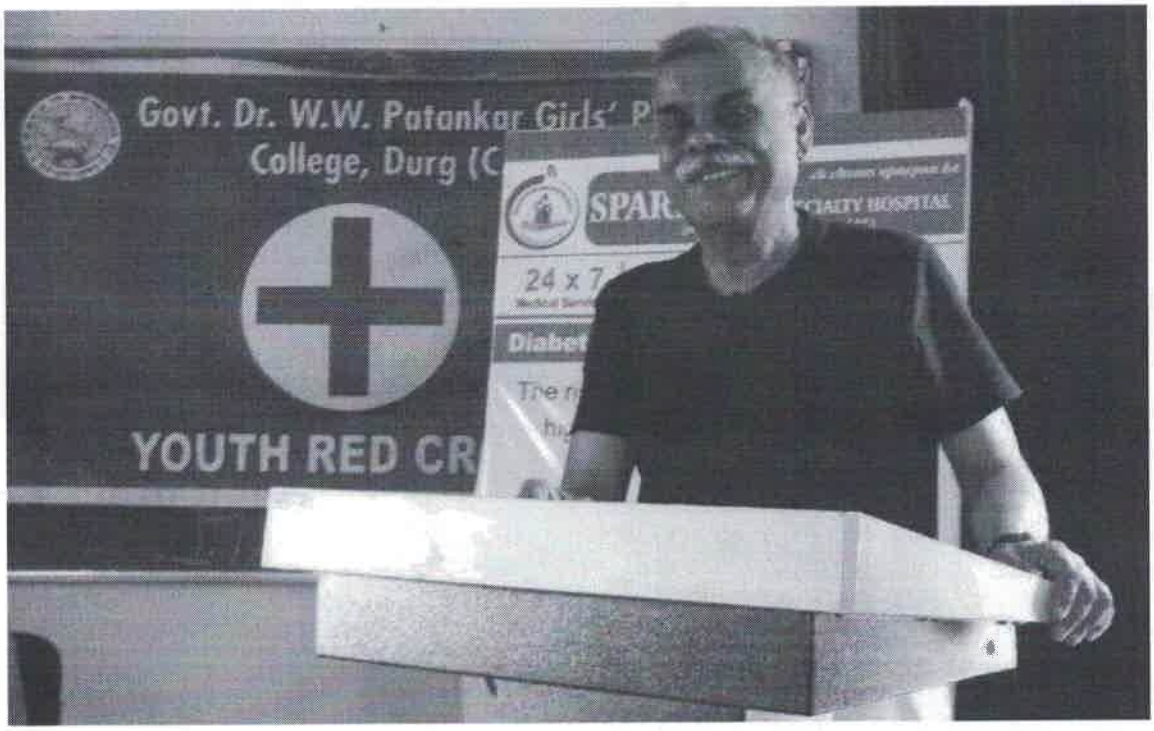

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

देशबन्धु 9

हमारी दिनचर्या ही मधुमेह से बचाव का ईलाज है : डॉ. शिवेन्द्र श्रीवास्तव

दुर्ग, 14 नवंबर (देशबन्धु)। शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में विश्व मधुमेह दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मधुमेह के संबंध में सारगर्भित जानकारी से अवगत कराने डॉ. शिवेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव का व्याख्यान आयोजित किया गया। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के संबंध में अपना उद्बोधन देते हुए डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में सर्वाधिक लोग मधुमेह के पीड़ित है तथा प्रदेश में दुर्ग-भिलाई में सर्वाधिक मधुमेह के रोगी है। उन्होंने छात्राओं को मधुमेह के लक्षणों तथा उससे प्रभावित होने वाले अंगों के संबंध में वैज्ञानिक तथ्यों सहित महत्वपूर्ण जानकारी दी। शरीर के विभिन्न अंग हार्मोन्स के द्वारा प्रभावित होते है। मधुमेह में भी इसकी अधिकता आँख, किडनी, हृदय को सर्वाधिक प्रभावित करती

है। इसके बचाव के लिये हमारी दिनचर्या का नियन्त्रण ही श्रेष्ठकर उपाय है। उन्होंने कहा कि मधुमेह की जानकारी बताते ही हमारे सलाहकारों की संख्या बढ़ जाती है। विभिन्न प्रकार के नुस्खों से हम दिगभ्रमित हो जाते है और बीमारी कम होने की बजाय बढ़ती जाती है। हमारा आलस्य और लापरवाही मधुमेह को जन्म देती है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि खाना मना नहीं है बल्कि खाने पर नियंत्रण जरूरी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि दिनचर्या के नियंत्रित होने से मधुमेह भी स्वभाविक तौर पर नियंत्रित हो जाता है। स्पर्श हॉस्पिटल के अधिकारी अभिषेक जैन ने भी हॉस्पिटल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया।

प्रादेशिकी
रायपुर शुक्रवार, 15 नवंबर 2019

विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया

हमारी दिनचर्या ही मधुमेह से बचाव का इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शास. डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वावधान में विश्व मधुमेह दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर

- दुर्ग-भिलाई में सर्वाधिक रोगी

डॉ शिवेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव का व्याख्यान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत में सर्वाधिक मधुमेह के पीड़ति है तथा प्रदेश में दुर्ग-भिलाई में सर्वाधिक मधुमेह के रोगी हैं। मधुमेह के लक्षणों तथा उससे प्रभावित होने वाले अंगों के संबंध में वैज्ञानिक तथ्यों सहित महत्वपूर्ण जानकारी दी। शरीर के विभिन्न अंग हार्मोन्स के द्वारा प्रभावित होते हैं। मधुमेह की अधिकता आंख, किडनी, हृदय को सर्वाधिक प्रभावित करती है। इसके बचाव के लिए हमारी दिनचर्या पर नियंत्रण ही श्रेष्ठकर उपाय है। उन्होंने कहा कि मधुमेह होने के बारे में बताते ही हमारे सलाहकारों की संख्या बढ़ जाती है। विभिन्न प्रकार के नुस्खों से हम दिगभ्रमित हो जाते हैं और बीमारी कम होने की बजाय बढ़ती जाती है। हमारा आलस्य और लापरवाही मधुमेह को जन्म देती है। डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि खाना मना नहीं है बल्कि खाने पर नियंत्रण जरूरी है। डॉ सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि दिनचर्या के नियंत्रित होने से मधुमेह भी स्वभाविक तौर पर नियंत्रित हो जाता है। स्पर्श हॉस्पिटल के अधिकारी अभिषेक जैन ने हॉस्पिटल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ रेशमा लाकेश ने किया।

रायपुर, शुक्रवार 15 नवंबर 2019
haribhoomi.com

The Hitavada
Friday November 15 2019

India tops chart in number of diabetes patients in world: Dr Shrivastava

Guest addressing the seminar organised on 'World Diabetes Day' at Government WWP Girls PG College, Durg.

Staff Reporter
DURG, Nov 14

A SEMINAR was organised on 'World Diabetes Day' under the aegis of the Youth Red Cross Society of Govternment WWP Girls PG College, Durg at the college campus. A lecture of Dr Shivendra Bhadur Shrivastava was organised on the topic.

Youth Red Cross In-charge Dr Reshma Lokesh detailed on the topic and welcomed the gathering. Talking on diabetes Dr Shrivastava informed that India tops the chart in number of diabetes patients in the world and in state Durg-Bhilai has the highest number of diabetes patients. He informed the students about the scientific facts along with important information regarding the symptoms of diabetes and the body parts that are affected due to diabetes. Dr Shrivastava said that diabetes mostly affects the heart, eye and kidney. He said that eating is not prohibited in diabetes instead control on it is necessary. Principal Dr Sushil Chandra Tiwari said that with control over our lifestyle and daily routine diabetes gets automatically controlled. The students also satisfied their queries through question and answer.

Dr Reshma Lokesh conducted the proceedings of the seminar. College, faculty, employees and students were present in large number.

पत्रिका PLUS

भिलाई, गुरुवार, 31.10.2019

PATRIKA.COM/ENTERTAINMENT

पिंक अक्टूबर कैंपेन में बताया कैसे खुद ही पहचाने ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण

शासकीय गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी का आयोजन

पत्रिकाPLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ अक्टूबर का महीना दुनियाभर में पिंक अक्टूबर के नाम से भी जाना जाता है। क्योंकि यह पूरा महीना ब्रेस्ट कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करने समर्पित है। इसी कड़ी में गर्ल्स कॉलेज की यूथ रेडक्रास सोसाइटी ने ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस कैंपेन चलाया। जिसमें रेडक्रास प्रभारी ने बताया कि कैसे छात्राएं घर पर ही नियमित रूप से ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण को जल्द पहचानकर अपना इलाज करा सकते हैं।

रेडक्रास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि शरीर के किसी अंग में होने वाली कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि कैन्सर का प्रमुख कारण होती हैं। शरीर में आवश्यकतानुसार यह कोशिकाएं बट जाती हैं, लेकिन जब यह लगातार वृद्धि करती है तो कैन्सर का रूप ले लेती हैं। इस प्रकार स्तन कोशिकाओं में होने वाली अनियंत्रित वृद्धि स्तन कैन्सर का प्रमुख कारण हैं। कोशिकाओं में होने वाली लगातार वृद्धि एकत्र होकर गांठ का रूप ले लेती है, जिसे कैन्सर ट्यूमर कहते हैं। इससे बचने हम अपनी लाइफ स्टाइल में शाकाहारी, रेशेदार खान-पान, फल- सब्जियां, व्यायाम को शामिल करें। साथ ही तेल युक्त मसालेदार भोजन, धूम्रपान, अतिरिक्त नमक, अधिक कैलोरी से परहेज इस रोग से बच सकते हैं।

खुद करें परीक्षण

रेडक्रास वालेन्टियर सोनम सेन ने कहा कि कैन्सर के बारे में बहुत बड़ी समस्या यह है कि ज्यादातर लोगों को लगता है, यह बीमारी हमें नहीं हो सकती है। सौम्या साहू ने बताया कि ब्रेस्ट कैन्सर के अधिकतर प्रकरणों में अनुवांशिकता, जीन, एन्वायरमेन्ट और लाइफ स्टाईल प्रमुख कारक है। शिखा शर्मा के अनुसार हर महिला स्वयं परीक्षण कर इस रोग का पता लगा सकती है। पर जरूरी है कि इसे पहचानने लोग जागरूक हो, अपनी जांच नियमित समय पर खुद करें तो मशीन जांचो से पहले ही बीमारी के होने की जानकारी मिल सकती है।

यह छूत की बीमारी नहीं

मानसी सेन ने बताया कि लोगों को गलत धारणा है कि ब्रेस्ट कैंसर छूत की बीमारी है जो कि खून, चोंट आदि से हो सकती है, पर सत्य यह है कि यह शरीर में अपने आप होने वाला रोग है जो कि बीस साल के बाद की किसी भी महिला को हो सकता है। दिव्या ने बताया कि खानपान और लाईफस्टाईल में सुधारकर इसके आशंका को कम किया जा सकता है। इस कैन्सर के सफल इलाज का एकमात्र सूत्र है जल्द पहचान अर्थात् जितनी शुरूआती अवस्था में कैन्सर की पहचान होगी उसका इलाज उतना ही सरल, सस्ता, छोटा और सफल होगा।

दुर्ग हरिभूमि 14

रायपुर, गुरुवार 31 अक्टूबर 2019
haribhoomi.com

ब्रेस्ट कैंसर अवेरनस कैम्पेन, पहले या दूसरे चरण में पता चलने पर इलाज संभव

कोशिकाओं में बढ़ोतरी ही कैंसर का कारणः डॉ रेशमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शास. डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा ब्रेस्ट कैन्सर अवेरनस कैम्पेन चलाया गया। जिसमें रेडक्रॉस प्रभारी डॉ रेशमा लाकेश ने बताया कि शरीर के किसी अंग में होने वाली कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि कैन्सर का प्रमुख कारण होती है। शरीर में आवश्यकतानुसार यह कोशिकायें बट जाती है, लेकिन जब यह लगातार वृद्धि करती है तो कैन्सर का रूप ले लेती है। इस प्रकार स्तन कोशिकाओं में होने वाली अनियंत्रित वृद्धि स्तन कैन्सर का प्रमुख कारण है। कोशिकाओं में होने वाली लगातार वृद्धि एकत्र होकर गांठ का रूप ले लेती है, जिसे कैन्सर ट्यूमर कहते हैं। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि आने वाले समय में यह रोग हमारे देश में महामारी का रूप ले लेगा, परन्तु शाकाहारी, रेशेदार खान-पान फल सब्जियां, व्यायाम एवं तेल युक्त मसालेदार भोजन, धुम्रपान, अतिरिक्त नमक, अधिक कैलोरी से परहेज इस रोग से बचाव में सहायक होते हैं।

■ यूथ रेडक्रास इकाई का आयोजन

स्तन कैन्सर होने पर पहले या दूसरे चरण में ही इसका पता चल जाने से सही समय पर इसका इलाज सम्भव है, लेकिन इसका पता चल जाना भी जागरुकता पर निर्भर है, इसी उद्देश्य से महाविद्यालयीन छात्राओं के लिये जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसमें स्तन कैन्सर से संबंधित समस्त जानकारियाँ जैस- लक्षण, बचाव आदि बताये गये।

कैंसर का इलाज जल्द पहचान

मानसी सेन ने कहा कि यह छूत की बिमारी नही है। जो कि खून, चोंट आदि से हो सकती है, अपितु सत्य यह है कि यह शरीर में अपने आप होने वाला रोग है जो कि बीस साल के बाद की किसी भी महिला को हो सकता है। दिव्या ने बताया कि खानपान और लाईफस्टाईल में सुधारकर इसके आशंका को कम किया जा सकता है, इस कैन्सर के सफल इलाज का एकमात्र सूत्र है जल्द पहचान अर्थात जितनी शुरूआती अवस्था में कैन्सर की पहचान होगी उतना ही सरल, सस्ता, छोटा और सफल होगा।

लाइफ स्टाइल से भी जन्म लेता है कैंसर

अक्टूबर को पिंकटोबर यानी गुलाबी अक्टूबर भी कहा जाता है क्योंकि यह माह दुनियाभर में ब्रेस्ट कैन्सर के प्रति जागरुकता फैलाने के लिये समर्पित है। रेडक्रॉस वालेन्टियर सोनम सेन ने कहा कि कैन्सर के बारे में बहुत बड़ी समस्या यह है कि ज्यादातर लोगों को लगता है, यह बीमारी हमें नहीं हो सकती है। सौम्या साहू ने बताया कि ब्रेस्ट कैन्सर के अधिकतर प्रकरणों में अनुवांशिकता, जीन, एन्वायरमेन्ट और लाइफस्टाईल प्रमुख कारक है। शिखा शर्मा के अनुसार हर महिला स्वयं परीक्षण कर इस रोग का पता लगा सकती है, इसके पहचान के बारे में लोग जागरूक हो, अपनी जांच नियमित समय पर खुद करें तो मशीन जांचो से पहले ही बिमारी के होने की जानकारी प्राप्त हो सकती है।

दैनिक भास्कर
भिलाई-रायपुर, गुरुवार 31 अक्टूबर, 2019 | 18

अवेयरनेस प्रोग्राम • गर्ल्स कॉलेज में रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेश्मा ने कहा...

लाइफस्टाइल को जरूरत से ज्यादा बदलना भी स्तन कैंसर का कारण

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

बदलते दौर में अपने लाइफस्टाइल को जरूरत से ज्यादा बदलना भी स्तन कैंसर का प्रमुख कारण है। शरीर के किसी अंग में होने वाली कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि कैंसर का प्रमुख कारण होती है। शरीर में आवश्यकतानुसार यह कोशिकाएं बट जाती हैं।

लेकिन जब यह लगातार वृद्धि करती है तो कैंसर का रूप ले लेती है। इस प्रकार स्तन कोशिकाओं में होने वाली अनियंत्रित वृद्धि स्तन कैंसर का प्रमुख कारण है। कोशिकाओं में होने वाली लगातार वृद्धि एकत्र होकर गांठ का रूप ले लेती है, जिसे कैंसर ट्यूमर कहते है। शाकाहारी, रेशेदार खान-पान, फल, सब्जियां, व्यायाम कर एवं तेल युक्त मसालेदार भोजन, धूम्रपान, अतिरिक्त नमक, अधिक कैलोरी से परहेज कर इस रोग से बचा जा सकता है। यह जानकारी गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में ब्रेस्ट अवेयरनेस कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए रेडक्रास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने कही।

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में ब्रेस्ट अवेयरनेस कार्यक्रम में छात्राओं को दी गई विषय के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां।

कॉलेज की छात्राओं ने भी विषय पर रखी अपनी बात

रेडक्रास वालंटियर सोनम सेन ने कहा कि कैंसर के बारे में बहुत बड़ी समस्या यह है कि ज्यादातर लोगों को लगता है, यह बिमारी हमें नहीं हो सकती है। सौम्या साहू ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर के अधिकतर प्रकरणों में अनुवांशिकता, जीन, एन्वायरनमेंट और लाइफस्टाईल प्रमुख कारक है। शिखा शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने सेहत के प्रति जागरूक करने का काम किया।

लाइफ स्टाइल में सुधारकर बच सकते हैं बीमारी से

कॉलेज की मानसी सेन ने बताया कि लोगों को गलत धारणा भी है कि यह छूत की बिमारी है जो कि खून, चोट आदि से हो सकती है। लेकिन सत्य यह है कि यह शरीर में अपने आप होने वाला रोग है जो कि बीस साल के बाद की किसी भी महिला को हो सकता है। दिव्या ने बताया कि खानपान और लाइफस्टाईल में सुधारकर इसके आशंका को कम किया जा सकता है। डॉक्टरों से भी सलाह लेते रहें।

कोलेस्ट्रॉल वाले भोजन से रहें दूर, बचेंगे बीमारी से

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में यूथ रेडक्रास इकाई द्वारा ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस कैंपेन चलाया गया। जहां डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि बदलते दौर में अपने लाइफस्टाइल को जरूरत से ज्यादा बदलना भी स्तन कैंसर का कारण बन सकता है। ज्यादा कोलेस्ट्रॉल वाले भोजन से दूर रहें और गर्भनिरोधक दवाइयों का सेवन ना करें। इसके अलावा 40 की उम्र के बाद साल में एक बार मेमोग्राफी जरूर करवाएं।

स्तन कैंसर का श...

दुर्ग, 30 अक्टूबर (देशबन्धु)। शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा ब्रेस्ट कैन्सर अवेरनस कै... चलाया गया जिसमें रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेश... लाकेश ने बताया कि शरीर के किसी अंग में होने वाली कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि कैन्सर का प्रमुख कारण होती है। शरीर में आवश्यकतानुसार यह कोशिकायें बट जाती हैं, लेकिन जब यह लगातार वृद्धि करती है तो कैन्सर का रूप ले लेती है। इस प्रकार स्तन कोशिकाओं में होने वाली अनियंत्रित वृद्धि स्तन कैन्सर का प्रमुख कारण है। कोशिकाओं में होने वाली लगातार वृद्धि एकत्र होकर गां... कैन्सर ट्यूमर कहते है...

■ स्तन कैंसर... शिविर में ...

... जा रही है कि आने ... देश में महामारी का ... रेशेदार खान-पान ... युक्त मसालेदार भोज... अधिक कैलोरी से ...

पर थाना प्रभारी प्रदीप मिंज के निर्देशन में जुआ के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए उक्त स्थानों पर अलग-अलग टीम भेजी गई, जहाँ पुलिस ने दबिश देकर घेराबंदी की और आरोपियों को गिरफ्तार किया.

आरोपियों से 19210 रूपए नगद किया बरामद

ग्राम जोनीपाली में ताराबीरा तालाब के पास स्ट्रीट लाईट के नीचे 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहें 10 लोगों ललित दास पिता अनूप दास उम्र 36 वर्ष, दशरथ दास पिता विश्राम दास मानिकपुरी 55 वर्ष, सुरीम दास पिता उदे दास मानिकपुरी 45 वर्ष, नारायण दास पिता भीष्म दास 24 वर्ष, नीलप्रसाद पिता दाँसरथी 34 वर्ष, हरीदास पिता दशरथ दास 27 वर्ष, सूरज दास पिता उत्तरा कुमार 25 वर्ष, गोपीचंद पिता सुरीत दास 22 वर्ष, नीलकंठ पिता देवार्चन सोना 27 वर्ष, विजय गिरी पिता चमरू लाल 38 वर्ष सभी निवासी ग्राम जोगनीपाली को गिरफ्तार किया. उनके पास से 4500 रूपये नगद जब्त किया गया। इसी तरह शहर के पतेरापाली में बर्फ फैक्टरी के पास ...

नगद जब्त किया गया. ग्राम लम्बर ... ताश से जुआ खेल रहे 4 लोगों नीलां... 35 वर्ष, सीताराम पिता धीरपाल याद... कुरसो चौ... 2250 रूप... में खुशीराम... खेल रहे 4... दुर्योधन क... पिता हरिशंकर निषाद 33 वर्ष, शोभार... वर्ष, मकरध्वज पिता दयानिधि साहू के... नगद सहित 52 पत्ती ताश जब्त कर उ... है. सभी आरोपियों के खिलाफ धारा ... कार्यवाही की गई. वहीं कोसमपाली में ... पट्टी से जुआ खेल रहे अयोध्या प्रसाद ... से 6 नग खुड़खुड़िया गोटी एवं 7270 रूप... गया. इसी प्रकार नगर के मंजीत ढाबा के ... जुआ खिला रहे देवेन्द्र नायक पिता मे...

देशबन्धु | रायपुर, गुरुवार, 31अक्टूबर, 2019 | 3
प्रादेशिकी
दुर्ग-भिलाई-बालोद-कवर्धा-बेमेतरा-राजनांदगांव

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 18.10.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में

विश्व रःजोनिवृत्ति दिवस

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में विश्व रःजोनिवृत्ति दिवस के अवसर पर छात्राओं को स्त्री की शारीरिक संरचना एवं समयानुसार होने वाले परिवर्तनों से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रःजोनिवृत्ति की जीवन में होने वाली एक प्राकृतिक व आवश्यक प्रक्रिया के रूप में देखे जो जीवन के एक निश्चित समय में सीमति अवधि के रूप में चलती है। यह कोई बीमारी नहीं है क्योंकि इस समय उत्पन्न होने वाले सभी लक्षण अस्थाई होते है।

डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने इस समय होने वाले शारीरिक परिवर्तनों और होने वाले प्रभाव से बचाव के लिए उचित पोषण एवं आहार की विस्तृत जानकारी दी तथ बताया कि व्यायाम एवं योग के द्वारा भी इस दौरान होने वाली समस्याओं का निराकरण संभव है। रःजोनिवृत्ति से उत्पन्न समस्याओं का एक विशेष निराकरण परामर्श है, जीवन के मध्य भाग में होने वाले इस उतार चढ़ाव में परामर्श का महत्व और अधिक हो जाता है। डॉ. ज्योति भरणे ने बताया कि स्त्रियों के व्यक्तिगत अनुभव व रःजोनिवृत्ति के समय धारित पारिवारिक सामाजिक परिस्थितियों का विशेष प्रभाव कई स्त्रियों में देखा जाता है या ऐसे परिवर्तन जो जीवन के इस सोपान पर *स्त्रियों को देखना पड़ता है अथवा सामना करना पड़ता हैं उसका संभावित प्रभाव रःजोनिवृत्ति* पर पड़ता है।

शोध छात्रा कु. नम्रता देवांगन ने मासिक धर्म में होने वाले हारमोनल, शारीरिक, मानसिक एवं समाजिक प्रभाव को बताया। समस्त छात्राओं ने अपनी जिज्ञासा एवं शंकाओं का परामर्श एवं समाधन प्राप्त किया। महाविद्यालय में समय–समय पर छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की जाती है।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr W.V. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका

भिलाई, शनिवार
26 अक्टूबर, 2019

छात्राओं को मिली उम्र के साथ शारीरिक बदलावों की जानकारी

भिलाई @ पत्रिका ◆ कन्या महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस ने छात्राओं को स्त्री की शारीरिक संरचना एवं समयानुसार होने वाले परिवर्तनों से संबंधित जानकारी दी।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रजोनिवृत्ति को जीवन में होने वाली एक प्राकृतिक व जरूरी प्रक्रिया के रूप में देखें। यह कोई बीमारी नहीं है, क्योंकि इस समय उत्पन्न होने वाले सभी लक्षण अस्थाई होते है। डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने इस समय होने वाले शारीरिक परिवर्तनों से बचाव के लिए उचित पोषण एवं आहार की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. ज्योति भरणे ने बताया कि स्त्रियों के व्यक्तिगत अनुभव व रजोनिवृत्ति के समय धारित पारिवारिक सामाजिक परिस्थितियों का विशेष प्रभाव कई स्त्रियों में देखा जाता है। शोध छात्रा नम्रता देवांगन ने मासिक धर्म में होने वाले हारमोनल, शारीरिक, मानसिक व सामाजिक प्रभाव को बताया।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 05.11.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

प्री–मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान से प्री–मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स का आयोजन किया गया।

संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि काउन्सलिंग के माध्यम से युवा छात्राओं को विवाह के पूर्व काउन्सलिंग कर सशक्त व स्वस्थ रिश्तों को आरम्भ कर स्थायी एवं संतुष्ट वैवाहिक जीवन प्रदान किया जाता है। इसके द्वारा स्वयं के कमजोर पक्षों का भी ज्ञान होता है, जो कि विवाह के बाद प्रायः समस्या उत्पन्न कर विवाह विच्छेद जैसे कारणों को जन्म देता है। वर्तमान में युवा पीढ़ी कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता दे रही है परन्तु विवाह भी महत्वपूर्ण एवं समाजिक आवश्यकता है। अतः छात्राओं को अपने वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित कर सफलता अर्जित करने हेतु यह आयोजन किया गया है।

डॉ. अल्का दुग्गल ने बताया कि प्री–मराइटल काउन्सलिंग में विभिन्न पक्षों जैसे– आर्थिक, मूल्यों, निर्णय, समय, आपसी सम्बन्धों, अपेक्षाओं आदि पर बात कर सकते है।

एक्सपर्ट एवं काउन्सलर डॉ. शमा हमदानी ने पूर्व विवाह परामर्श के महत्व को बताया कि किस तरह संवाद के माध्यम से वास्तविकता और अपेक्षाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है क्योंकि हर परिवार में कुछ न कुछ असमानताएं होती है जिस परिवार से हमारा सम्बन्ध होता है उसी के अनुसार अपने आपको ढालना चाहिये क्योंकि जितनी जल्दी सामंजस्य स्थापित होगा उतना ही सफल पारिवारिक जीवन होगा।

छात्राओं ने अपने विचार एवं प्रश्न रखें जैस– कु. सिमरन सिंह ने जानना चाहा कि विवाह की आवश्यकता और वधू से ही सारी अपेक्षाएं क्यों होती है? पायल साहू को वधू के वर के घर जाने पर आपत्ति थी? वर्षा ने विवाह हेतु क्या–क्या तैयारी करने के बारे में जानकारी चाही। कु. एकता कौमार्य ने पूछा कॅरियर एवं घर–परिवार के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित करें? आदि अनेक गंभीर प्रश्न एवं जिज्ञासायें सामने आयी।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र के मार्गदर्शन में लगातार छात्राहित में ऐसे आयोजन किये जाते है जिसमें रेगुलर कोर्स के साथ–साथ छात्राओं के लिये काउन्सलिंग की जाती है जिससे वे भविष्य में अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का उचित निर्वाह कर श्रेष्ठ नागरिक सिद्ध हो सके।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्री–मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स

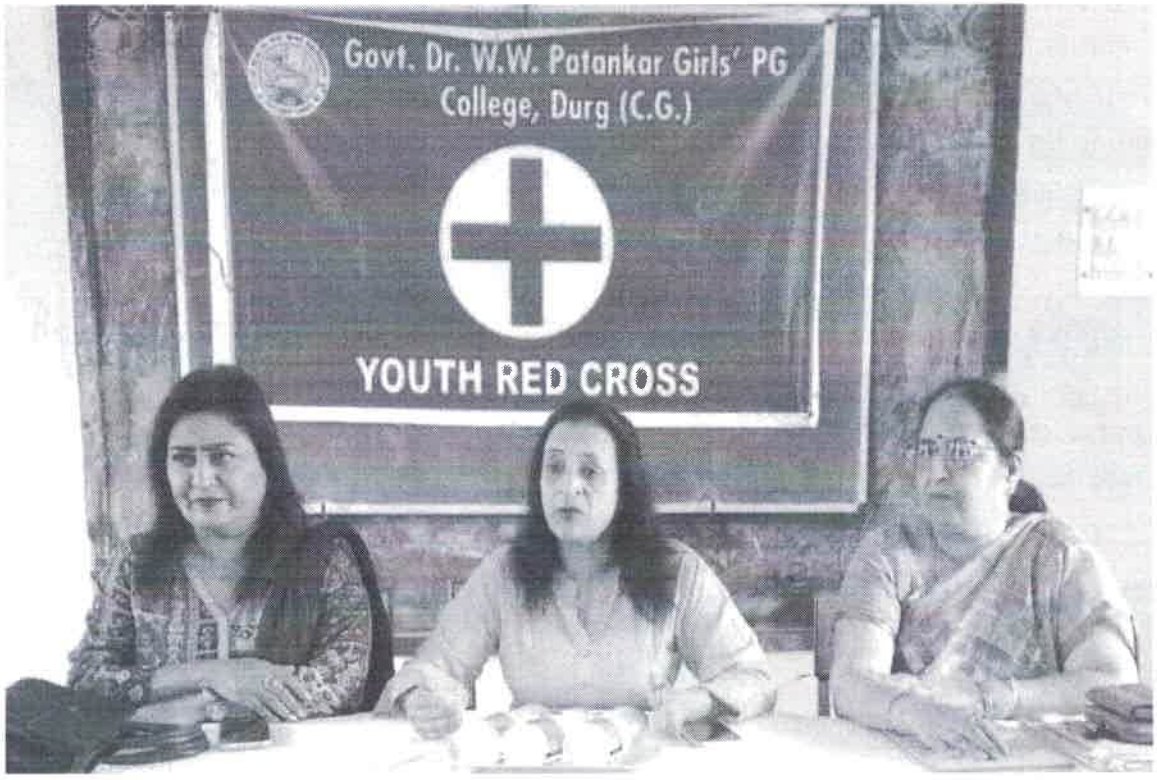

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar

14 नईदुनिया
रायपुर, बुधवार 06 नवंबर 2019

वर्कशॉप

डॉ. पाटणकर कन्या महाविद्यालय में आयोजन, छात्राओं ने विशेषज्ञों से पूछे कई सवाल

छात्राओं को वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित करने दिए टिप्स

दुर्ग (वि.)। डॉ. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई के तत्वावधान में प्री-मैराइटल काउंसलिंग फॉर गर्ल्स का आयोजन किया गया। काउंसलिंग में छात्राओं को वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित करने कई टिप्स दिए गए।

संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि काउंसलिंग के माध्यम से युवा छात्राओं को विवाह के पूर्व काउंसलिंग कर सशक्त व स्वस्थ रिश्तों को आरंभ कर स्थायी एवं संतुष्ट वैवाहिक जीवन प्रदान किया जाता है। इसके द्वारा स्वयं के कमजोर पक्षों का भी ज्ञान होता है, जो कि विवाह के बाद प्राय: समस्या उत्पन्न कर विवाह विच्छेद जैसे कारणों को जन्म देता है।

वर्तमान में युवा पीढ़ी कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता दे रही है। विवाह भी महत्वपूर्ण एवं सामाजिक आवश्यकता है। डॉ. अल्का दुग्गल ने बताया कि

डॉ. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा आयोजित वर्कशॉप में शामिल छात्राएं। ● नईदुनिया

प्री-मैराइटल काउंसलिंग में विभिन्न पक्षों जैसे- आर्थिक, मूल्यों, निर्णय, समय, आपसी संबंधों, अपेक्षाओं आदि पर बात कर सकते हैं। डॉ. शमा हमदानी ने पूर्व विवाह परामर्श के महत्व को बताया कि किस तरह संवाद के माध्यम से वास्तविकता और अपेक्षाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है क्योंकि हर परिवार में कुछ न कुछ असमानताएं होती है।

विषय विशेषज्ञों ने दी जानकारी। ● नईदुनिया

छात्राओं ने इस तरह के पूछे सवाल

छात्राओं ने अपने विचार एवं प्रश्न रखे। सिमरन सिंह ने पूछा कि विवाह की आवश्यकता और वधू से ही सारी अपेक्षाएं क्यों होती है। वर्षा ने विवाह के लिए क्या-क्या तैयारी चाहिए इस संबंध में जानकारी ली। एकता कौमार्य ने पूछा कॅरियर एवं घर-परिवार के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित करें आदि अनेक गंभीर प्रश्न एवं जिज्ञासाएं सामने आई। डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र के मार्गदर्शन में लगातार छात्राहित में ऐसे आयोजन किए जाते हैं। इसमें रेगुलर कोर्स के साथ-साथ छात्राओं के लिए काउंसलिंग की जाती है, जिससे वे भविष्य में अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का उचित निर्वाह कर श्रेष्ठ नागरिक सिद्ध हो सके।

नवभारत
रायपुर, बुधवार 6 नवंबर 2019
www.navabharat.org

गर्ल्स कॉलेज में हुई प्री-मैराइटल काउंसिलिंग फॉर गर्ल्स, विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

वैवाहिक जीवन पर पूछे रोचक सवाल

नवभारत रिपोर्टर | दुर्ग.
www.navbharat.org

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने वैवाहिक जीवन के संबंध में विशेषज्ञों से रोचक सवाल पूछे. जिसका जवाब वहां मौजूद काउंसलरों ने उन्हें बेबाकी से दिया. दरअसल मंगलवार को शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई के तत्वावधान से प्री-मैराइटल काउंसिलिंग फॉर गर्ल्स का आयोजन किया गया. जिसमें छात्राओं ने जिज्ञासावश सवाल पूछे. संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि काउंसिलिंग के माध्यम से युवा छात्राओं को विवाह के पूर्व काउंसिलिंग कर सशक्त व स्वस्थ रिश्तों को आरम्भ कर स्थायी एवं संतुष्ट वैवाहिक जीवन प्रदान किया जाता है. इसके द्वारा स्वयं के कमजोर पक्षों का भी ज्ञान होता है, जो कि विवाह के बाद प्रायः समस्या उत्पन्न कर विवाह

विच्छेद जैसे कारणों को जन्म देता है.

छात्राओं ने काउंसलरों के समक्ष अपने विचार एवं प्रश्न रखे. कु. सिमरन सिंह ने जानना चाहा कि विवाह की आवश्यकता और वधु से ही सारी अपेक्षाएं क्यों होती है? पायल साहू को वधु के वर के घर जाने पर आपत्ति थी? वर्षा ने विवाह हेतु क्या-क्या तैयारी करने के बारे में जानकारी चाही. कु. एकता कौमार्य ने पूछा कॅरियर एवं घर-परिवार के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित करें? अनेक गंभीर प्रश्न एवं जिज्ञासायें सामने आयी. डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र के मार्गदर्शन में लगातार छात्राहित में ऐसे आयोजन किये जाते है जिसमें रेगुलर कोर्स के साथ-साथ छात्राओं के लिये काउन्सलिंग की जाती है जिससे वे भविष्य में अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का उचित निर्वाह कर श्रेष्ठ नागरिक सिद्ध हो सके.

वैवाहिक जीवन में हो सामंजस्य

वर्तमान में युवा पीढ़ी कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता दे रही है परन्तु विवाह भी महत्वपूर्ण एवं सामाजिक आवश्यकता है. अतः छात्राओं को अपने वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित कर सफलता अर्जित करने हेतु यह आयोजन किया गया है.

सफल पारिवारिक जीवन के दिए टिप्स

डॉ. अल्का दुग्गल ने बताया कि प्री-मराइटल काउंसिलिंग में विभिन्न पक्षों जैसे- आर्थिक, मूल्यों, निर्णय, समय, आपसी सम्बन्धों, अपेक्षाओं आदि पर बात कर सकते है. एक्सपर्ट एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी ने पूर्व विवाह परामर्श के महत्व को बताया कि किस तरह संवाद के माध्यम से वास्तविकता और अपेक्षाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है क्योंकि हर परिवार में कुछ न कुछ असमानताएं होती है जिस परिवार से हमारा सम्बन्ध होता है उसी के अनुसार अपने आपको ढालना चाहिये क्योंकि जितनी जल्दी सामंजस्य स्थापित होगा उतना ही सफल पारिवारिक जीवन होगा.

रायपुर, बुधवार 6 नवंबर 2019
haribhoomi.com

दुर्ग हरिभूमि

कालेज में छात्राओं को दिए गए शादी के बाद सशक्त व स्वस्थ रिश्तों के टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शास. डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई के तत्वावधान में प्री-मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गल्स का आयोजन किया गया। संयोजक एवं

■ डा. वावा पाटणकर कालेज में हुआ आयोजन

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ रेशमा लाकेश ने बताया कि काउन्सलिंग के माध्यम से युवा छात्राओं को विवाह के पूर्व काउन्सलिंग कर सशक्त व स्वस्थ रिश्तों को आरंभ कर स्थायी एवं संतुष्ट वैवाहिक जीवन प्रदान किया जाता है। इसके द्वारा स्वयं के कमजोर पक्षों का भी ज्ञान होता है, जो कि विवाह के बाद प्रायः समस्या उत्पन्न कर विवाह विच्छेद जैसे कारणों को जन्म देता है। वर्तमान में युवा पीढ़ी कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता दे रही है, परन्तु विवाह भी महत्वपूर्ण एवं सामाजिक आवश्यकता है। छात्राओं को अपने वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित कर सफलता अर्जित करने के लिए यह आयोजन किया गया है।

डॉ अल्का दुग्गल ने बताया कि प्री-मराइटल काउन्सलिंग में विभिन्न पक्षों जैसे- आर्थिक, मूल्यों, निर्णय, समय, आपसी सम्बन्धों, अपेक्षाओं आदि पर बात कर सकते हैं। एक्सपर्ट एवं काउन्सलर डॉ शमा हमदानी ने पूर्व विवाह परामर्श के महत्व को बताया कि किस तरह संवाद के माध्यम से वास्तविकता और अपेक्षाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है, क्योंकि हर परिवार में कुछ न कुछ असमानताएं होती है। जिस परिवार से हमारा सम्बन्ध होता है, उसी के अनुसार अपने आपको ढालना चाहिये। छात्रा सिमरन सिंह ने जानना चाहा कि विवाह की आवश्यकता और वधू से ही सारी अपेक्षाएं क्यों होती है? पायल साहू को वधू के वर के घर जाने पर आपत्ति थी? वर्षा ने विवाह हेतु क्या-क्या तैयारी करने के बारे में जानकारी चाही। एकता कौमार्य ने पूछा कॅरियर एवं घर-परिवार के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित करे? आदि अनेक गंभीर प्रश्न एवं जिज्ञासाएं सामने आई।

पत्रिका PLUS
भिलाई, शुक्रवार, 08.11.2019 PATRIKA.COM

ANCHOR गर्ल्स कॉलेज में डॉ. शमा हमदानी ने की छात्राओं की काउंसिलिंग

शादी से पहले काउंसलिंग जरूरी ताकि समझ सकें एक-दुसरे के परिवार को

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • शादी के बाद हमेशा वधु को ही अपना घर छोड़कर क्यों जाना पड़ता है? वर क्यों नहीं आते अपना घर छोड़कर?.. ससुराल में जाकर घर-परिवार के बीच कैसे तालमेल बैठाया जाए... हमेशा बहू से ही सारी अपेक्षाएं क्यों होती हैं? विवाह के लिए हमें किस तरह खुद को तैयार करना होगा? कई ऐसे प्रश्न थे जो गर्ल्स कॉलेज दुर्ग की छात्राओं ने खुलकर पूछे। मौका था यूथ रेडक्रास इकाई के प्री मैराइटल काउंसलिंग का। इस अवसर पर यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ रेशमा लाकेश एवं काउंसलर डॉ शमा हमदानी ने विवाह के पूर्व परामर्श को जरूरी बताया। डॉ रेशमा लाकेश ने कहा कि काउंसलिंग के माध्यम से छात्राओं को शादी के पहले काउंसलिंग कर उन्हें सशक्त और स्वस्थ्य रिश्तों से आरंभ कर स्थाई और संतुष्ट वैवाहिक जीवन कैसे बनाते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में जानकारी का अभाव ही समस्या को जन्म देता है और यह समस्या बढ़कर तलाक तक पहुंच जाती हैं। आजकल युवा पीढ़ी कॅरियर को प्राथमिकता दे रही है, लेकिन विवाह भी सामाजिक आवश्यकता है।

कई पहलुओं को समझने में आसानी

कार्यक्रम में डॉ अलका दुग्गल ने बताया कि प्री मैराइटल काउंसलिंग के जरिए विवाह के पहले आर्थिक, मूल्यों, निर्णय, समय, आपसी संबंधों, अपेक्षाओं आदि पर बात की जा सकती है। एक्सपर्ट शमा अहमदानी ने पूर्व विवाह परामर्श के महत्व को बताया कि किस तरह संवाद के माध्मय से वास्तविकता और अपेक्षाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है।

छात्राओं ने पूछे प्रश्न

प्री मैरिज काउंसलिंग के इस कार्यक्रम में छात्राओं ने ओपन सेशन में कई प्रश्न पूछे, जिसका जवाब एक्सपर्ट ने दिया। उन्हें कई चीजों को समझाया। छात्राएं भी अपने सवाल के जवाब जानकर संतुष्ट हुई। उन्होंने इस कार्यक्रम को काफी उपयोगी बताया।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 24.10.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने "दादी–नानी संग दिन गुजारा"

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने दादी–नानी संग दिन गुजारा, उन्होनें सिर्फ न बातचीत की बल्कि गीत–संगीत एवं नृत्य भी किया।

नानी श्रीमती माधुरी विश्वास ने छात्राओं को पढ़ाई, कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता देने की समझाईश दी। सभी बुजुर्गों ने अपने जीवन के मधुर एवं कटु अनुभव सांझा किये। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेश्मा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय विगत कई वर्षों से पुलगांव स्थित वृद्धाश्रम से जुड़ा है और छात्रायें नियमित रूप से यहां आकर जन्मदिन एवं विभिन्न त्यौहार मनाती है। उन्होनें कहा कि मानव जीवन, विकास की एक सतत् एवं स्वभाविक प्रक्रिया है, जिसकी लम्बी श्रृंखला माता के गर्भ से प्रारंभ होकर वृद्धावस्था को पार करती हुई मृत्यु को प्राप्त करती है। इसमें वृद्धावस्था जीवन का आखरी एवं अंतिम पड़ाव है। परम्परागत सामाजिक व्यवस्था में वृद्धजनों को आदर एवं सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था, परन्तु वर्तमान में बदलती सामाजिक एवं पारिवारिक दशा के कारण अनेक समस्याओं ने जन्म लिया है।

डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने जानकारी दी कि वृद्धजनों की समस्याओं को देखते हुए बालकों तथा महिलाओं की तरह ही, इन्हें भी समाज की कमजोर कड़ी के रूप में प्रत्येक देश में मान्यता प्राप्त हो चुकी है, साथ ही वृद्धावस्था में अनेक समस्यायें संतान के साथ संबंध में तनाव, एकाकीपन, मान–सम्मान एवं सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी, आय का कम हो जाना, सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्ति, अधिकारों में कमी, खाली समय की उपयोग की समस्या, स्वास्थ्य संबंधी समस्या, क्रियाशीलता में कमी, मानसिक शक्ति क्षीण होना, मानसिक तनाव, अनिद्रा आदि।

डॉ. अल्का दुग्गल ने इन समस्याओं का समाधान बताया कि इस अवस्था में सामाजिक सुरक्षा, पेंशन व्यवस्था, वृद्धाश्रम की स्थापना, चिकित्सा सेवा, मनोरंजन, उचित सम्मान एवं सुखद पारिवारिक वातावरण आदि है।

यूथरेडक्रॉस वालेन्टियर – एकता, ऊषा, सिमरन, पायल साहू, ज्योति यादव, सीमा यादव, आरती, विनु सेन, यामिनी, चित्रलेखा ने अपनी सहभागिता की।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने "दादी–नानी संग दिन गुजारा"

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com
Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

कॉलेज कोड : 1602

दिनांक : 28.06.2019

// कार्यशाला सूचना //

यूथ रेडक्रॉस द्वारा एक सप्ताह की कार्यशाला **"Lets De-STRESS"** का आयोजन 1 जुलाई 2019 से 8 जुलाई 2019 तक किया जा रहा है।

कार्यशाला दोपहर 02:10 से 02:40 तक सेमीनार हॉल में होगी। प्रतिदिन विषय–विशेषज्ञ मार्गदर्शन देगें।

सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी इस अवसर पर अनिवार्यतः उपस्थित होकर तनाव मुक्त वातावरण के लिए अपना बहुमूल्य योगदान देवें।

प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.

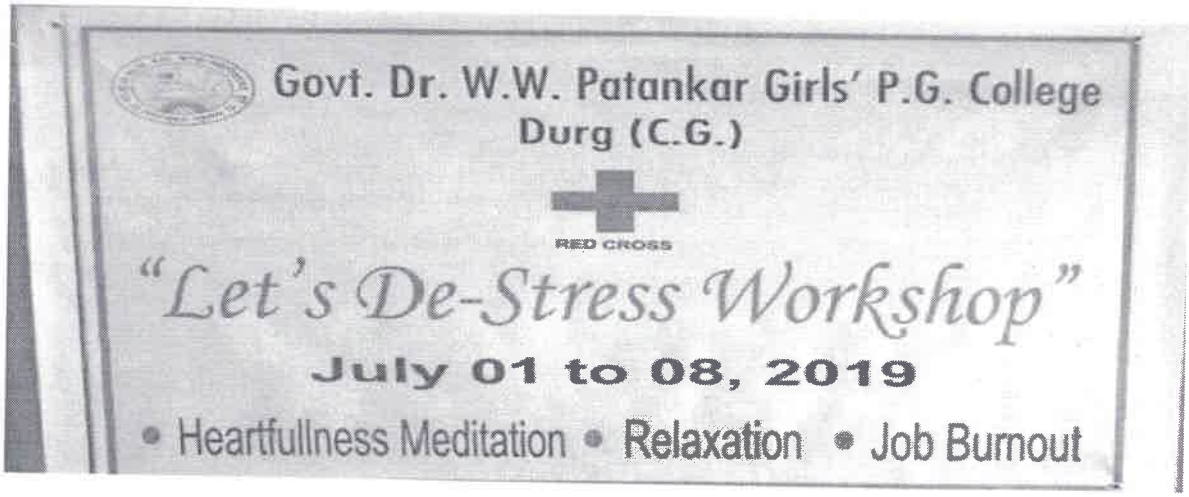

Report

A seven day workshop 01-08 July 2019 "Let's De-Stress" was organised by Red Cross Unit for the Teaching and Non-teaching staff.

The pressure and stress caused at workshop effects the working capacity. To get rid of this stress, Experts – Dr. S.D. Deshmukh, Ms. Seema Lamba and Dr. Shama Hamdani interacted by power point presentation, activities, animation shows and relaxation techniques.

A team of six members under supervision of Dr. S.D. Deshmukh, Head Geology Department, Govt. V.Y.T.PG. Autonomous College, Durg conducted program for first three days.

Day-1 Presentation and Activities related to Heartfulness meditation. Heart is seat of human character. By meditation, we bring about the real inner change. Activities related to meditation.

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

Day-2 How to check stress, by regulating thoughts. Introduced meditation tool to regulate thoughts. How to convert thoughts to quality thoughts. The importance of De-cluttering was explained.

Day-3 Heartfulness meditation/relaxation is for physical and mental calm. To establish balance between heart and brain years of meditation is required. Connectivity between 'S'elf(God) and 's'elf(human) is done by prayer. Importance of prayer is known for de-stressing. Literature related to heartfulness was distributed.

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

Day-4 Relaxation Techniques - Expert Ms. Seema Lamba, Shava-aasan and Yognidra was practiced by all the participants.

Health and Happiness Program (Art of Living) by Mr. Abhijeet Nandekar, Ms. Sukriti Thakur, Ms. Cini Biju, Ms Pushpalata, Ms. Krishna Veni Naidu & Ms. Saroj Patil.

Human Tendencies and 7 levels of existence. When this levels are disturbed, problems arises. Literature related to happiness & meditations was distributed.

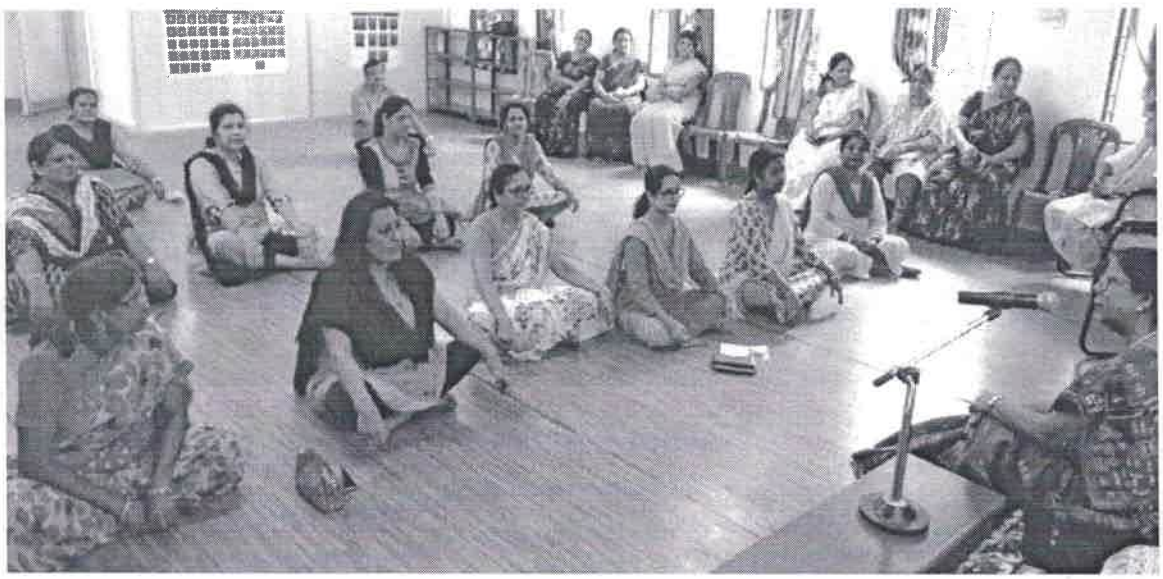

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

Day-5 Job Burnout- Expert Dr. Shama Hamdani Job Burnout is a syndrome resulting from chronic work place stress that has not been successfully managed. Its impact is seen on health, happiness, relationships and job performance.

Symptoms are – Exhaustion, Tiredness, Low Level of Energy and Low Level of Motivation.

Day-6 Dealing '3 Rs' – Recognise, Reverse, Resilience. JPMR – Progressive muscle relaxation sequence was introduced and practiced. Different cognitive ways of coping were taught.

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

Around 50 staff members participated in the workshop the feedback revealed the usefulness and utility of the workshop. The workshop was concluded by certificate distribution by Principal Dr. S.C. Tiwari.

(Dr. Reshma Lakesh)
Co-ordinator
Govt. Dr.W.W. Patankar Girls PG College, Durg (C.G.)

(Dr. Sushil Chandra Tiwari)
Principal
Govt. Dr.W.W. Patankar Girls PG College, Durg (C.G.)

Govt Dr W.W. Patankar Girl's PG. College, Durg (C.G.)

तनाव से मुक्त रहने का तरीका जाना तो खिले चेहरे

दुर्ग गर्ल्स कॉलेज में सोमवार को तनाव मुक्त जीवन नामक कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विशेषज्ञ तनाव मुक्ति के टिप्स दिए। तनाव मुक्त जीवन का टिप्स जानकर महिलाओं के चेहरे खिल गए व मुस्कराने लगी।

का फैसला

आवारा कुत्तों को रखने का इंतजाम भी नहीं

Tue, 09 July 2019
epaper.patrika.com/c/41211479

Govt Dr. WW. Patanka
Girl's PG. College, Durg (C
PRINCIPAL

पहुंचे मौके पर

...दासगुप्ता बतौर मुख्य ...निदेशक (कार्मिक ...पालक निदेशक ...क निदेशक ...बसर आदि रहे।

भिलाई इस्पात विकास विद्यालय, खुर्सीपार एवं बीएसपी स्कूल के 65 विद्यार्थियों ने इस लाइट एंड साउंड शो में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। उप महाप्रबंधक (सीएसआर) अताशी प्रमाणिक ने इस आयोजन के बारे में बताया कि 15 दिनों तक इसकी ट्रेनिंग ली।

लेखन व निर्देशन सुप्रिया सेन रहे

कार्यक्रम का लेखन व निर्देशन विभाग के सुप्रियो सेन व तकनीकी संयोजन संयंत्र कर्मी शिलादित्य मजूमदार, रतन दास, जाली सेन और योगेश कुमार ने किया। कार्यक्रम का संयोजन सीएसआर विभाग के प्रबंधक प्रेमेन्द्र जैन, उप प्रबंधक राजेश शर्मा आदि मौजूद थे।

जीवन में ध्यान, योग व विश्राम के सहारे हम तनाव से पा सकते हैं निजात : डॉ. तिवारी

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में रोजाना हो रही है तनाव मुक्ति पर कार्यशाला।

तनाव शरीर की वह स्थिति होती है जब हमारी लाइफ में अचानक कोई बदलाव हो जाता है जिससे हमारे शरीर में भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया होती है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है। यह बाते गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में तनाव मुक्ति पर आयोजित एक सप्ताह की कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कही। इस दौरान कॉलेज के सभी स्टाफ व स्टूडेंट्स रहे।

एक सप्ताह तक रोजाना चलेगा यहां आयोजन

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान पर तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई। इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रिलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जाएगा। कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि हमें हमेशा तनाव से दूर रहना चाहिए।

स्वस्थ्य जीवन पर भी छात्राओं को मिलेगी ट्रेनिंग

कार्यशाला में विशेषज्ञ छात्राओं को ध्यान के महत्व भी बताएंगे। जिसमें साइंस कॉलेज के डॉ. एसडी देशमुख ध्यान के बारे में, योगाश्रम से. -10 की सीमा लांबा रिलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय छात्राओं को बताएंगी।

4G 63% 7:03
https://www.haribhoomi.com

600 घरों में दवाई का वितरण किया गया। साथ ही रहवासियों को दवाई के उपयोग की विधि बताई गई।

कलेक्टर के विभिन्न कार्यालयों में लगे कूलरों में टॉमीफास की दवाई डालकर उसे एक घंटे के बाद खाली करने के निर्देश विभागीय कर्मचारियों को दिया गया।

तनाव मुक्ति पर कार्यशाला ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई। महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जाएगा। कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़भरी जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते है।

■ गर्ल्स कालेज में हुआ आयोजन

कार्यशाला से लाभ होता है। क्रियाशीलता बढ़ती है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित करता है। सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएंगे। साईंस कॉलेज के डॉ. एसडी देशमुख ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर-10 की सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी। कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि तनावमुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है, पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हम उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते हैं, यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है।

ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एसडी देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है, यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा। विषय-विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से विचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते हैं। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बुन में सक्रिय रहता है, जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते है। योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

संविलियन परिचर्चा में संघर्ष की यादें

पाइप लाइन बिछाकर निकासी की फंसे कचरे की सफाई की। चाहते हैं। हायर सेकंडरी के बच्चों महज एक किलोमीटर है, जब

र का सामान
र से लेपटाप
ा। शिकायत
अपराध दर्ज
ा है।

हानी
फल

. कथाकार कहानी नीम आकाशवाणी बजकर 15 कहानी में संरक्षण एवं को चित्रित एक बालक अपनी भाव है।

के
गिरफ्तार

. खुर्सीपार र्सीपार क्षेत्र से ब के साथ तार किया। हत प्रकरण 2 जुलाई को लय में पेश पी चंद्रशेखर र्सीपार का को अवैध कायत मिली

बैकफुट पर विवि, गलती स्वीकारी

हिंदी माध्यम की छात्राओं को दिया था अंग्रेजी का पेपर, 8 को दोबारा परीक्षा

खबर का असर

पत्रिका

13 जून 2019 को प्रकाशित

इस तरह था पूरा मामला

हिंदी माध्यम की छात्राओं को अंग्रेजी में लिखा पर्चा मिला तो उनके होश उड़ गए। केंद्राध्यक्ष को इसकी जानकारी दी, लेकिन कोई बदलाव नहीं किया गया। छात्राओं ने जैसे-तैसे अंग्रेजी में लिखा पर्चा हल किया। हेमचंद विवि ने पीएचडी के लिए पूरी जिम्मेदारी साइंस कॉलेज को नोडल सेंटर बनाकर सौंप दी है। विवि को प्रश्नपत्र हिंदी व अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में छपवाने चाहिए थे, लेकिन इसे तरजीह न देते हुए सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही प्रश्नपत्र सेट कराए गए।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भिलाई . हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की पहली पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 10 जून को ली गई। इसमें होम साइंस की महज 4 छात्राएं ही शामिल हुईं थी, लेकिन उनके लिए भी विवि प्रश्नपत्रों की सही व्यवस्था नहीं करा पाया था। हिंदी की इन छात्राओं को विवि ने अंग्रेजी माध्यम का प्रश्नपत्र दिया था। मामला प्रकाश में आने के बाद हेमचंदविवि बैकफुट पर आ गया है। इन चारों छात्राओं की दोबारा से परीक्षा लेने का निर्णय लिया गया है। विवि प्रशासन ने कहा है कि साइंस कॉलेज में 8 जुलाई को इनकी हिंदी माध्यम के पर्चे के साथ दोबारा से कोर्स वर्क की परीक्षा ली जाएगी। पत्रिका ने सबसे पहले इस मामले को उजागर कर खबर का प्रकाशन किया। जिसके बाद विवि प्रशासन हरकत में आया। इसके लिए निर्णय समिति गठित की गई। समिति के सदस्यों ने भी छात्राओं के हक में फैसला सुनाते हुए इनकी परीक्षा दोबारा से लेने पर हामी भर दी।

> पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा में जिन 4 हिंदी माध्यम छात्राओं को अंग्रेजी का पर्चा मिला था, उनकी परीक्षा दोबारा से होगी। इसके लिए साइंस कॉलेज नोडल सेंटर तैयारी करेगा।
>
> **डॉ. सीएल देवांगन**, कुलसचिव, हेमचंद विवि

त्री उमेश पटेल ने बैठक लेकर चेताया

त्र में 15 जून तक घोषित होने चाहिए रेजल्ट, शुल्क भी एक जैसा लिया जाए

GOA
Educational Services
Nation's Lea
SOME OF TO

GOUTAM KUMAR
AIR - 32

GLIMPSE

इसके हटीय इलाके तक पहुंच गया है। भारी से अतिभारी बारिश की
क्षेत्र में इसके असर से अब प्रदेश के चेतावनी जारी की है।

बार स्कूल के बच्चों द्वारा शिकायतें आ चुकी है। लेकिन उनकी

आकर स्कूल की छात्राओं के साथ अन्य बच्चे भी आज स्कूल की

शराब दुकान को हटाने की मांग कर रहे है।

लोगों की समस्याएं

जनदर्शन में अपर कलेक्टर एसएन मोटवानी ए लोगों के 147 आवेदनों का पंजीयन किया पंजकर जल्द से जल्द निराकरण करने के

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के मानदेय में हुई वृद्धि 1 जुलाई से लागू

दैनिक सत्यदूत संदेश

मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी मिलेगा वेतन

रायपुर। राज्य भर के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आज से बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। राज्य की कांग्रेस सरकार ने राज्य सरकार के हिस्से से दिए जाने वाले मानदेय राशि में 1500 रूपए तक की वृद्धि कर दी है। इस आशय का आदेश जारी कर दिया है।

वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को क्रमशः 5000, 2500 तथा 3250 रूपए है। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को केन्द्र की ओर से 3000 और राज्य सरकार की ओर से 2000 की राशि मिलाकर कुल 5000 का मानदेय मिल रहा था। इसमें अब 01 जुलाई से 1500 रूपए की वृद्धि कर दी गई है। इस तरह आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अब 6500 रूपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा।

इसी तरह आंगनबाड़ी सहायिकाओं को केन्द्र से 1500 तथा राज्य सरकार की ओर से 1000 का मानदेय दिया जा रहा था, इस तरह उन्हें 2500 का मानदेय मिल रहा था, इसमें 750 रूपए की वृद्धि कर दी गई है, अब इन्हें 3250 रूपए प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा। मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को केन्द्र की ओर से वर्तमान में 2250 रूपए और राज्य सरकार की ओर से 1000 रूपए कुल 3250 रूपए का मानदेय दिया जा रहा था, इसे आज 01 जुलाई से बढ़ाकर 1250 रूपए कर दिया गया है।

इस तरह अब मिनीआंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को केन्द्र से 2250 रूपए तथा राज्य सरकार की ओर से अब 1250 रूपए की वृद्धि कर दी गई है, इससे इनका मानदेय बढ़कर अब 4500 रूपए हो गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लंबे समय से मानदेय में वृद्धि की मांग करते आ रहे थे, इसे लेकर प्रदेश भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं ने राजधानी में लंबी विरोध-प्रदर्शन भी किया था।

ला आयोजित

...त को ...से दिन ...खंड ने ...या को ...शाला ...जो हमें ...ला का ...अच्छा ...उत्कृष्ट ...रती है ...ला का ...कक्षा में

ब्लैक बोर्ड, स्वच्छ शौचालय, पेयजल व्यवस्था, मैदान गार्डन फूल, पेड़, पौधे शाला में अहाता, खेलकूद का आयोजन, पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों का आयोजन, श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम और छात्रों में नैतिकता तथा संस्कार हो. कार्यशाला शालाओं में नैतिकता और संस्कार बच्चो के अधिकार के अनुरूप सराहनीय और अनुकरणीय रहा. इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी गिरधर मरकाम सहित समस्त विकासखण्ड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी, खंड स्रोत समन्वयक एवं विकासखंड नोडल अधिकारियो ने अपनी उपस्थिति दी. खैरागढ़ विकासखंड शिक्षाअधिकारी अंगेश्वर दिव लोधार सहित स्रोत समन्वयक भगत सिंह व नोडल अधिकारी के रूप में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरागढ़ के व्याख्याता कमलेश्वर सिंह भी शामिल हुये.

गर्ल्स कॉलेज में "तनाव मुक्ति पर कार्यशाला"

दैनिक सत्यदूत संदेश

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान पर "तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई। महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जायेगा। कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते है। छोटी-छोटी मात्रा में इनसे लाभ होता है क्रियाशीलता बढ़ती है तो जब इसका आधिक्य हो जाए तो यह गंभीर रूप ले लेता है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित कर देता है। सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएगें। साईंस कॉलेज के डॉ. एस.डी. देशमुख "ध्यान के महत्व" पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर-10 की श्रीमती सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. रम्या हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी।

कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होनें कहा कि तनाव मुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हमे उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते है यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है। ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एस.डी. देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा।

विषय विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से विचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते है। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बुन में सक्रिय रहता है जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते है।

योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण टिप्स दिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

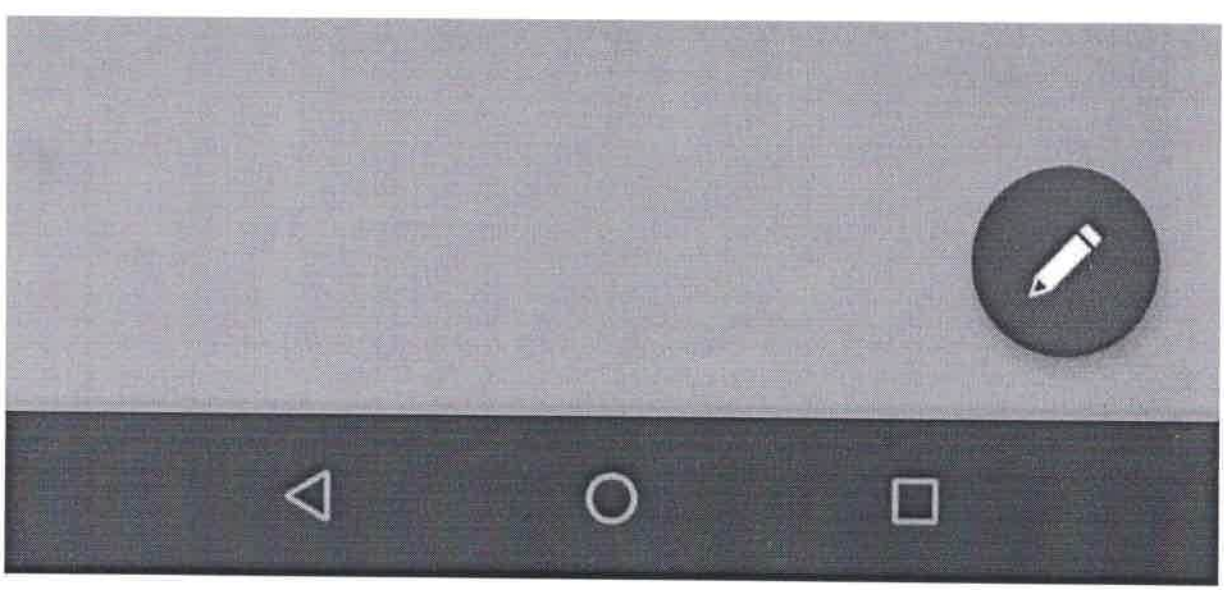

4G 51% 7:20

न का भाग

श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर-6 जैन मंदिर में धर्म सभा

आत्मा अब उस देह में नहीं है। भगवान महावीर ने कहा देह और आत्मा में भेद विज्ञान करो। आचार्य ने कहा कि जिस प्रकार आप मेडिकल से टेबलेट लाते हैं तो उसके ऊपर रैपर लगा होता है। अंदर स्थित टेबलेट के कारण ऊपर वाला रैपर भी टेबलेट संज्ञा पाता है पर टेबलेट रैपर नहीं बल्कि रैपर के भीतर होती है। उसी प्रकार जीवन के कारण शरीर को भी जीव कहा जाता है। लेकिन जीव शरीर नहीं बल्कि शरीर में जीव है। इस अवसर पर भागचंद जैन, मोनू बोथा, विमल जैन, संजीव शाह, संजीव जैन, एनके जैन, सुरेंद्र अजमेरा, महावीर निमोतिया, प्रदीप जैन बाकलीवाल, ज्ञानचंद बाकलीवाल, संतोष जैन, प्रशांत जैन, सुनील कासलीवाल, डॉ जिनेन्द्र जैन, प्रवीण छाबड़ा, सुनील जैन, कपूरचंद छाबड़ा आदि मौजूद रहे।

न मंदिर में आयोजन संपन्न कराते आचार्य।

दुर्ग (एच.)। विशुद्ध सागर महाराज का सोमवार सुबह दीक्षित मुनि संघ हाउसिंग बोर्ड पद्मनाभपुर मंदिर में आगमन हुआ। उनके द्वारा मंदिर में अभिषेक पूजा और शांति धारा संपन्न कराई गई।

इसके बाद मुनि द्वारा संत भवन में मांगलिक प्रवचन दिया गया। मुनि ने बताया कि पुण्य और पाप का बंद हमारे कर्म और पिछले कर्मों के फल से हमें प्राप्त होते हैं। आपका समय अगर बुरा है तो अच्छे कार्य भी आपके विरुद्ध जाएंगे और अगर आपका समय अच्छा है तो आपके

विशुद्ध सागर महाराज ने संत भवन में दिया मांगलिक प्रवचन

द्वारा किया गया कोई भी कार्य सफल और अच्छे तरीके से संपन्न होगा।

उन्होंने कहा कि यह सब पुण्य और पाप के उदय से संपन्न होता है। पुण्य और पाप हमें अपने पूर्व कर्म और पूर्व जन्म में हमारे कार्य के द्वारा इस जन्म में हमें प्राप्त होते हैं। यह जानकारी संजय बोहरा ने दी है।

प्रदूषण जागरूकता पखवाड़ा का पांच संस्थाओं में शुभारंभ किया। सर्व प्रथम कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अभियान का आगाज हुआ।

राजेश सेठी ने कहा कि आज जलवायु में लगातार परिवर्तन हो रहा है और आने वाले समय में इसकी रफ्तार और अधिक बढ़ने वाली है, इसका मुख्य कारण हम व आप ही हैं। क्योंकि हमें मालूम है कि प्रदूषण को रोकना है, लेकिन हम जागरूक नहीं हैं। कमान अधिकारी ने प्रश्नों के जवाब मांगकर

नकारात्मकता को छोड़कर जीवन में सकारात्म

सेंट थॉमस महाविद्यालय में आशीर्वाद समारोह संपन्न

भिलाई। नईदुनिया प्रतिनिधि

सेंट थॉमस महाविद्यालय में नवीन सत्र 2019-20 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का आशीर्वाद समारोह महाविद्यालय परिसर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि छात्र नकारात्मकता को छोड़कर जीवन में सकारात्मक पहलुओं को अपनाये।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिशप हिज ग्रेस डॉ जोसफ मार ट्रावनोथियस, प्रशासक वेरी रेवरेंट फादर जार्ज मैथ्यू रम्बान, प्राचार्य डॉ एम.जी रोईमोन एवं डॉ वीनिता ने की। महाविद्यालय को सरस्वती का मंदिर समझते हुए अपना अध्यापन कार्य शुरू करें। छात्र वर्ग नकारात्मकता को छोड़कर जीवन में सकारात्मक पहलुओं को अपनाये। इससे वे आसानी से अपने

सेंट थॉमस कॉलेज में आयोजित आशीर्वाद समारोह में शामिल विद्यार्थी। ● नईदुनिया

करियर का निर्धारण कर सकेंगे। ईश्वर पर विश्वास करें क्योंकि ईश्वर से ही हमें शक्ति प्राप्त होती है, और इसी ईश्वरीय शक्ति के बल पर हम जीवन में विजय प्राप्त कर सकते हैं।

प्राचार्य डॉ एम.जी.रोईमोन ने कहा कि महाविद्यालय द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करने के लिए विद्यार्थियों को आदेशित किया एवं अनुशासन की गरिमा को बनाये रखने के लिए प्रवेशित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। साथ ही सभी नवप्रवेशियों को अनुशासन के दायरे में रहने का आह्वान किया एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कर्नल राजेश सेठी थे। जिन्होंने कैडेटों को भारतीय सेना में करियर बनाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया

आयोजन | गर्ल्स कॉलेज में तनाव मुक्ति पर आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं ने रखी बात

स्टूडेंट्स को तनाव मुक्त रहकर पढ़ने के दिए टिप्स

दुर्ग (वि.)। पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथ रेडक्रास इकाई के तत्वावधान पर 'तनाव मुक्ति' पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई। महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा बर्न आउट पर फोकस किया जायेगा।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते हैं। छोटी-छोटी मात्रा में इससे लाभ होता है क्रियाशीलता बढ़ती है तो जब इसका आधिक्य हो जाए तो यह गंभीर रूप ले लेता है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित कर देता है।

सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ

दुर्ग स्थित गर्ल्स कॉलेज में सोमवार को तनाव मुक्ति पर आयोजित कार्यशाला में मौजूद प्रोफेसर्स व स्टूडेंट्स। ● नईदुनिया

रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी। कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि तनाव मुक्त

के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते हैं जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है। ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एसडी देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते हैं तो हमें काफी लाभ मिलेगा। विषय-विशेषज्ञ अजित कुमार

60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते हैं। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बुन में सक्रिय रहता है जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते हैं। योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण

4G 53% 7:11

इंदिरा मार्केट पार्किंग स्थल के पास कचरों का ढेर

बाजारों के अपशिष्ट भी कचरा पाइंट में

जगह-जगह बना कचरा पाइंट

खुमान-मस्तुरिया ने पुरस्कार नहीं, लोगों का जीता दिल

हिन्द सेवा शक्ति संगठन ने दी श्रद्धांजलि

पट्टा नवीनीकरण करने लगा शिविर

शिविर

- मृतक पट्टाधारी के वारिसानों की पहचान पार्षद व पांच लोगों से करायी जाएगी

पाइप लाइन बिछाने खोदी सड़कें, लोगों को परेशानी

समस्या

- विद्युत नगर मुख्य मार्ग एवं कालोनी के अंदर सड़क किनारे पाइप लाइन डालने का कार्य अधूरा

सुम्मत छग लोककला परिषद के पदाधिकारियों का चुनाव

गर्ल्स कॉलेज में तनाव मुक्ति पर सात दिवसीय कार्यशाला, विशेषज्ञों द्वारा कॉलेज स्टाफ को दिए जा रहे तनावमुक्ति के टिप्स

भागदौड़ की जिंदगी में तनाव से मुक्ति पाने बताए उपाय

जानना होगा तनाव के मूल कारण

तनाव कम करने के लिए ध्यान व योग जरूरी- प्राचार्य

कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य

दुर्ग, 1 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में विभिन्न कोचिंग संस्थान संचालित है। इन संस्थाओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थी कोचिंग कर रहे हैं। विगत दिनों सूरत में संचालित कोचिंग संस्थान में हुई आगजनी की दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अंकित आनंद द्वारा अधिकारियों की टीम गठित कर जांच करने के निर्देश दिए गए थे।

■ अधिकारियों की टीम द्वारा की जा रही जांच

भिलाई नगर निगम क्षेत्र के लिए अतुल विश्वकर्मा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भिलाई नगर एवं भवन अनुज्ञा अधिकारी नगर पालिक निगम भिलाई को भिलाई नगर निगम क्षेत्र स्थित सम्पूर्ण क्षेत्र की जांच करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी तरह ज्योति पटेल, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दुर्ग शहर एवं भवन अनुज्ञा अधिकारी नगर निगम दुर्ग को दुर्ग नगर निगम क्षेत्र स्थित सम्पूर्ण क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थाओं की जांच की गई। साथ ही सुरक्षा मापदण्डों के लिए किए गए उपायों का संयनता से जांच किया गया। कोचिंग संस्थाओं को किसी अप्रिय घटना घटित ना हो, इस संबंध में सभी आवश्यक सुरक्षा मापदण्डों का पालन करने निर्देशित किया गया है।

बीएसपी प्रबंधन द्वारा अपने संज्ञान में स्वत: की जा रही जांच

उल्लेखनीय है कि भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन द्वारा विभिन्न संस्थाओं को विशेष प्रयोजन के लिए जमीन आबंटित किया गया है। जिस प्रयोजन के लिए जमीन आबंटित की गई थी, उसका पालन किया जा रहा है या नहीं इसकी जांच बीएसपी प्रबंधन द्वारा सुरक्षा मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए अपने संज्ञान में लेकर स्वत: जांच कर रही है। निर्धारित प्रयोजन के अतिरिक्त अन्य प्रयोजन के लिए भूमि का उपयोग नहीं पाए जाने पर बीएसपी प्रबंधन द्वारा अपने स्तर पर संबंधित प्रकरण का निराकरण किया जाएगा।

आवेदन आए

किया गया था। उनकी समय सीमा समाप्त होने के बाद पट्टों का नवीनीकरण किया जाना प्रस्तावित है। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार पट्टा नवीनीकरण के लिए सर्वे कराया गया था। जिसमें 223 पट्टाधारियों का भौतिक सत्यापन नहीं हो पाया, ये सभी पट्टाधारी मौके पर नहीं मिले। वहीं विवादित, खरीदी बिक्री के कारण 461 पट्टा निरस्त हो गये हैं। जबकि विभिन्न वार्डों के 740 पट्टों का नवीनीकृत कर वितरण किया जा चुका है। विभाग अधिकारी ने बताया सर्वे के बाद कुल 1775 पट्टों को नवीनीकरण के लिए केस बनाया गया था। उन्होंने बताया बहुत से पट्टों में विवाद होने के कारण प्रकरण निरस्त किया गया है तथा बहुत से पट्टाधारियों द्वारा दस्तावेज, आधार कार्ड आदि जमा नहीं करने के > > शेष पृष्ठ 9 पर >

ट्रेन से गिरकर घायल कपड़ा व्यवसायी की मौत

दुर्ग, 1 जुलाई (देशबन्धु)। मौत किस तरह दबे पांव आती है इसका एक ज्वलंत उदाहरण गत संध्या दुर्ग रेल्वे प्लेटफार्म क्रमांक 2 में प्रत्यक्ष देखने को तब मिला जब एक 78 वर्षीय वृद्ध देवकुमार गुप्ता के पांव ट्रेन से उतरते समय फिसल गये। घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। कोतवाली पुलिस ने आज मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया। आगे मर्ग कायम कर जांच जारी है। मृतक रांची-झिंझरापोल में कपड़ा व्यवसायी था।

■ ट्रेन से उतरते समय पैर फिसलने की वजह से हुए थे घायल

पुलिस व अन्य सूत्रों के अनुसार झारखंड के रांची झिंझरापोल निवासी देवकुमार गुप्ता अपनी पत्नी के साथ ससुराल राजनांदगांव आये थे। राजनांदगांव से उनका साला राकेश अग्रहरि उन्हें दुर्ग स्टेशन छोड़ने आया था। वह लौट चुका था। इधर देवकुमार गुप्ता अपनी पत्नी के साथ प्लेटफार्म क्रमांक 2 में हटिया एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे थे। यह ट्रेन 2 घंटे विलंब से चल रही थी। इसी बीच उन्हें बाथरूम लगी और वे एक अन्य खड़ी ट्रेन में चढ़ गये। वे बाथरूम करके उतर रहे थे कि एकाएक ट्रेन चल पड़ी और वे हड़बड़ाकर उतरने लगे। इसी हड़बड़ाहट में उनके पैर फिसल गये इस दुर्घटना में उनके हाथ व पसली में गंभीर चोट आई। बायां पैर कट गया और सिर में भी गहरी चोटें पहुंची। इस दुर्घटना में ज्यादा खून बह जाने से उनकी मौत हो गई। एकाएक हुए इस हादसे से घबराई उनकी पत्नी प्रभा गुप्ता ने दुर्ग भिलाई व राजनांदगांव के अपने रिश्तेदारों को खबर की। सूचना पाते ही रिश्तेदार, दुर्ग जिला अस्पताल पहुंचे और आज मरच्यूरी में भी उनके साथ रहें। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने लाश उनके सुपुर्द कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव उनके मूल निवास क्षेत्र झिंझरोपाल ले जाया गया।

तनाव मुक्ति पर कार्यशाला का शुभारंभ

दुर्ग, 1 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान पर "तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई। महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फमेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जावेगा।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते है। छोटी-छोटी मात्रा में इनसे लाभ होता है क्रियाशीलता बढ़ती है तो जब इसका आधिक्य हो जाए तो यह गंभीर रूप ले लेता है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित कर देता है। सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएगें। साईस कॉलेज के डॉ. एस.डी. देशमुख "ध्यान के महत्व "पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर-10 की श्रीमती सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी।

■ तनाव मुक्ति पर कार्यशाला का शुभारंभ
■ ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि तनाव मुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हमे उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते है यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है। ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एस.डी. देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा। विषय-विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से विचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते है। हमारा म[illegible] स उधेड़बुन में सक्रिय रहता है जि[illegible] ता होती है। हम ध्यान, योग [illegible] सकते है। योग प्रशिक्षक [illegible] सर पर योग साधना के मह[illegible] म का संचालन डॉ. रेशमा ला[illegible] अवसर पर प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छा[illegible] स्थित थी।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 01.07.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"तनाव मुक्ति पर कार्यशाला"

ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान पर "तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई।

महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जावेगा।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते है। छोटी–छोटी मात्रा में इनसे लाभ होता है क्रियाशीलता बढ़ती है तो जब इसका आधिक्य हो जाए तो यह गंभीर रूप ले लेता है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित कर देता है।

सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएगें।

साईंस कॉलेज के डॉ. एस.डी. देशमुख "ध्यान के महत्व" पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर–10 की श्रीमती सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी।

कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होनें कहा कि तनाव मुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हमे उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते है यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है।

ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एस.डी. देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा।

विषय–विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से विचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते है। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बून में सक्रिय रहता है जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते है।

योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण टिप्स दिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

S.2

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

S2

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

"तनाव मुक्ति पर कार्यशाला"

ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

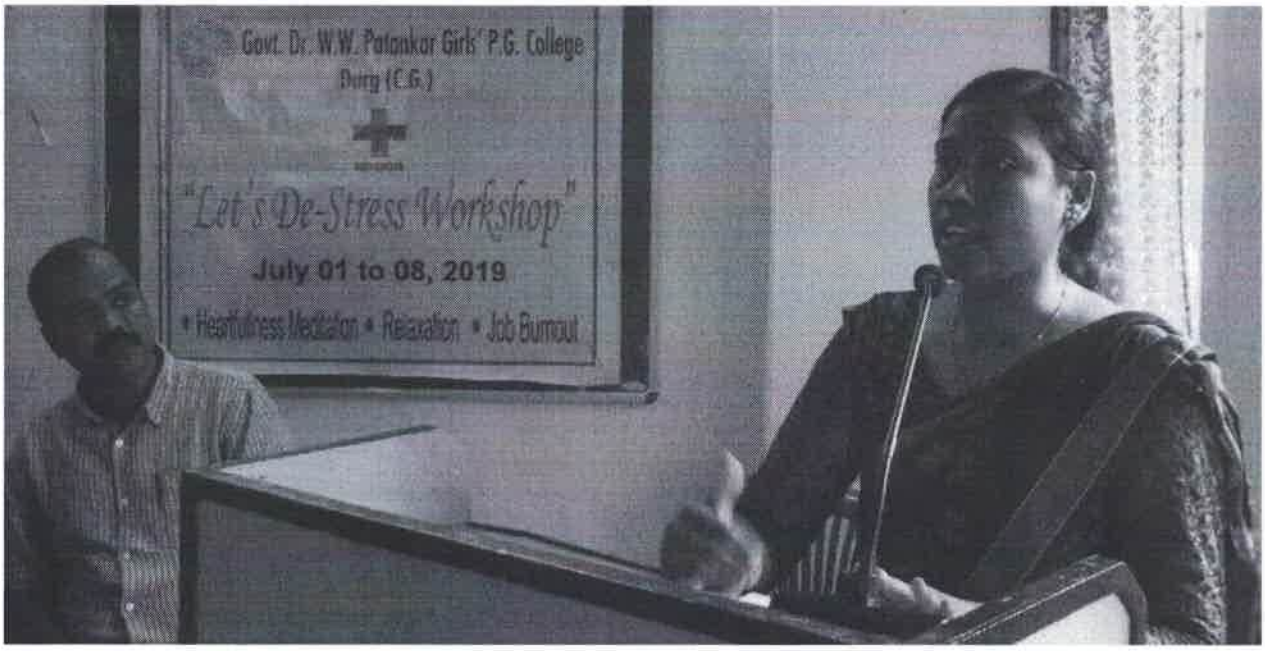

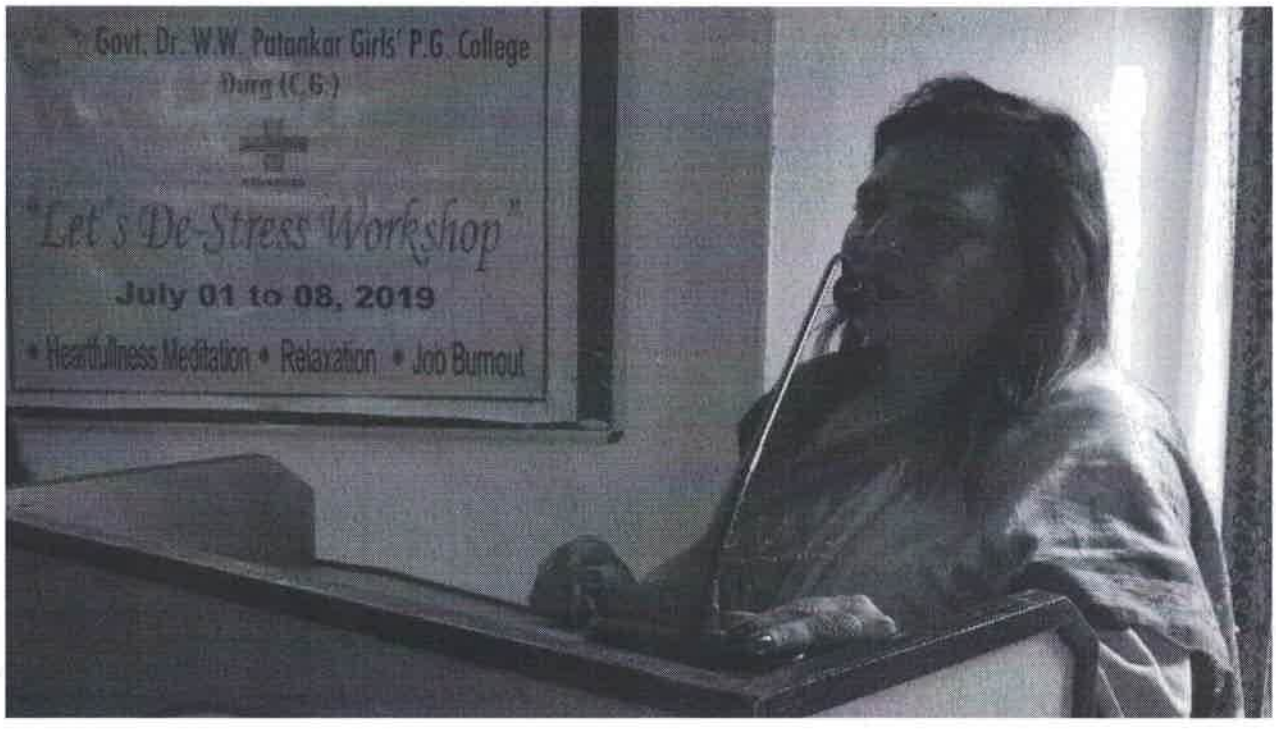

तनाव मुक्ति पर कार्यशाला ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई। महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जाएगा। कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़भरी जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते हैं।

■ गर्ल्स कालेज में हुआ आयोजन

कार्यशाला से लाभ होता है। क्रियाशीलता बढ़ती है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित करता है। सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएंगे। साईंस कॉलेज के डॉ. एसडी देशमुख ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर-10 की सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी। कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि तनावमुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है, पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हम उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते हैं, यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है।

ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एसडी देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है, यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा। विषय-विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से विचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते हैं। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बुन में सक्रिय रहता है, जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते हैं। योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 01.07.2019

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

''तनाव मुक्ति पर कार्यशाला''

ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान पर ''तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई।

महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जावेगा।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते है। छोटी–छोटी मात्रा में इनसे लाभ होता है क्रियाशीलता बढ़ती है तो जब इसका आधिक्य हो जाए तो यह गंभीर रूप ले लेता है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित कर देता है।

सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएगें।

साईंस कॉलेज के डॉ. एस.डी. देशमुख ''ध्यान के महत्व'' पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर–10 की श्रीमती सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी।

कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होनें कहा कि तनाव मुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हमे उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते है यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है।

ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एस.डी. देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा।

विषय–विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से विचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते है। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बून में सक्रिय रहता है जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते है।

योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण टिप्स दिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

"तनाव मुक्ति पर कार्यशाला"

ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

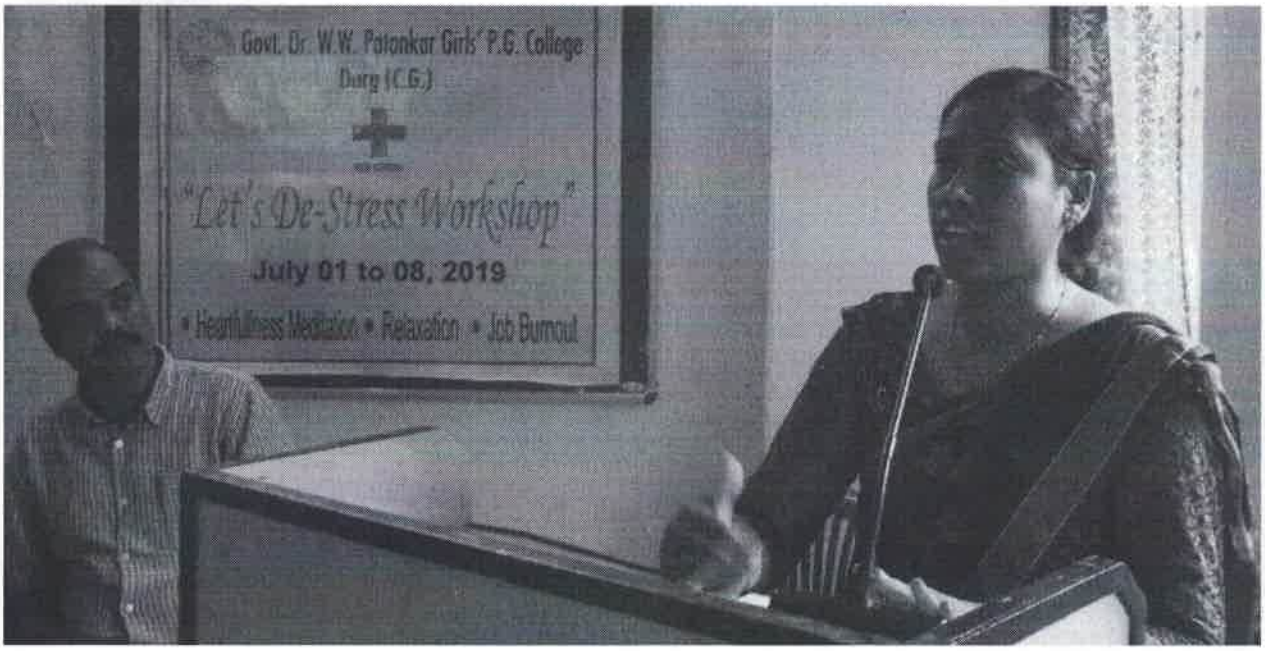

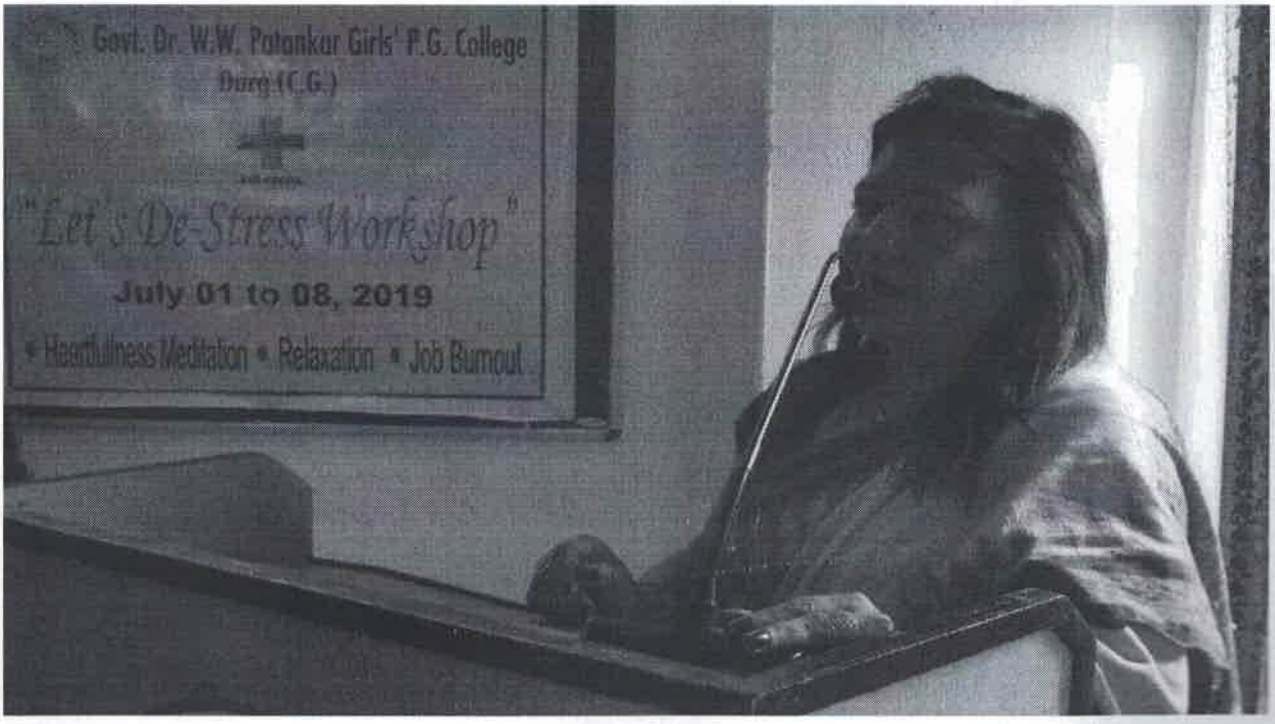

10 Jan 19

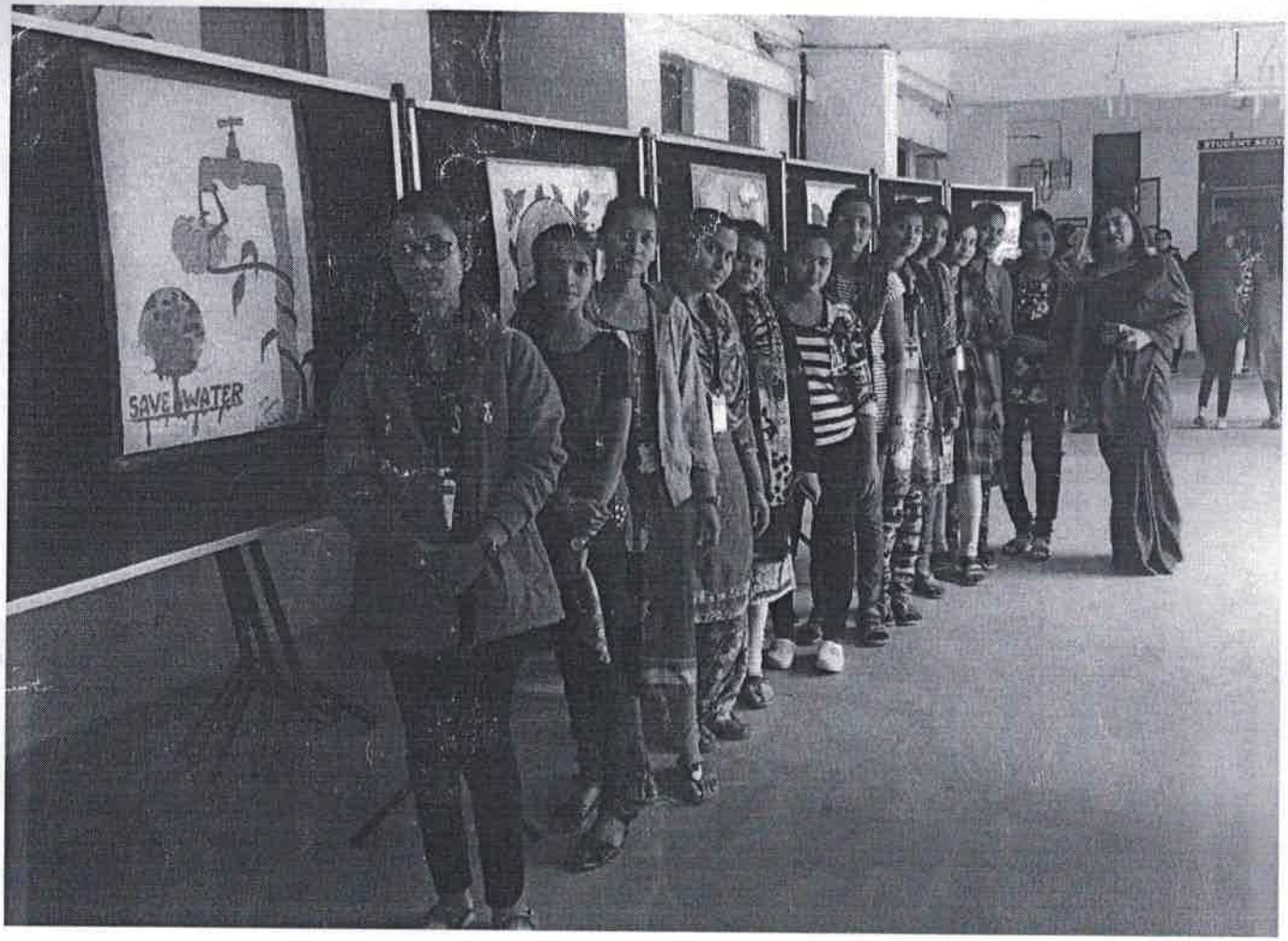

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, बुधवार 16 जनवरी, 2019 | 15

कॉलेज में एक्वा क्लब गठित, निशुल्क पानी की जांच कर सकेंगी सभी छात्राएं

दुर्ग के गर्ल्स कॉलेज में जल संरक्षण को लेकर बनाई पोस्टर प्रदर्शनी, छात्राओं को बताया महत्व।

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (गर्ल्स कॉलेज) दुर्ग में जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका के निर्वहन के लिए एक्वा क्लब का गठन किया गया। स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र विभाग में विज्ञान संकाय की छात्राओं को जल संरक्षण के लिये जागरूकता अभियान चलाने और महाविद्यालय में जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि रसायन प्रयोगशाला में जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है। यहां कॉलेज की छात्राएं विभिन्न जल स्रोतों का परीक्षण करना सीखेंगे। वहीं कॉलेज में ही निशुल्क जल परीक्षण किया जा सकेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने रसायन विभाग के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जल परीक्षण के लिये प्रयोगशाला में आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जायेंगे। रसायनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती गुप्ता एवं डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

छात्राओं को दी जाएगी पानी जांचने की ट्रेनिंगः गर्ल्स कॉलेज की एक्वा क्लब की छात्राओं को विधिवत प्रशिक्षित किया जा रहा है।

क्लब की छात्राएं विभिन्न वार्डों और ग्रामों में जाकर जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगी और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं के साथ जल स्रोतों के आसपास सफाई भी करेगी। ताकी शहर और राज्य स्वच्छ व सुंदर नजर आए।

जल संरक्षण पर सदस्यों ने लगाया पोस्टर प्रदर्शनी

कॉलेज में मंगलवार को एक्वा क्लब की सदस्यों ने जल संरक्षण पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी में कॉलेज की छात्राओं को पानी का महत्व भी समझाया गया। साथ ही सदस्यों ने परिसर में नलों की टोंटी को बंद रखने तथा पानी के दुरुपयोग को रोकने अभियान चलाया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि छात्राओं को जल संरक्षण के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। छात्राओं को कृषि क्षेत्र में ड्रिप इरिगेशन तथा घरेलू जल उपयोग में पानी के दुरुपयोग रोकने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। ताकी छात्राओं को इसके फायदे की जानकारी हो सके।

पत्रिका
भिलाई, बुधवार, 16.01.2019

अब जल संरक्षण की मुहिम चलाएंगी हमारी छात्राएं

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • कन्या महाविद्यालय, दुर्ग ने मंगलवार को जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाते हुए एक्वा क्लब का गठन किया। पीजी रसायनशास्त्र विभाग की छात्राएं जल संरक्षण के लिए जागरुकता अभियान चलाएंगी। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि रसायन प्रयोगशाला में जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है। छात्राएं विभिन्न जल स्त्रोतों का परीक्षण करना सीखेंगी। यह परीक्षण निःशुल्क किया जा सकेगा। इसके लिए छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्लब की छात्राएं शहर के वार्डों और गांवों में जाकर जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगी।राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं के साथ जल स्त्रोतों के आसपास सफाई भी करेंगी। कृषि क्षेत्र में ड्रीप इरिगेशन और घरेलू जल उपयोग में पानी के दुरूपयोग रोकने के लिए सार्थक प्रयास की पहल करेंगी।

कॉलेज में लगाई पोस्टर प्रदर्शनी

एक्वा क्लब की सदस्यों ने जल संरक्षण पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। कॉलेज परिसर में नलों की टोंटी को बंद रखने और पानी के दुरूपयोग को रोकने अभियान चलाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने रसायन विभाग के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जल परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। रसायनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती गुप्ता एवं डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 07.01.2019

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
मानसिक स्वास्थ्य और मोबाईल पर संवाद

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत "मानसिक स्वास्थ्य और मोबाईल" विषय पर मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी ने छात्राओं से संवाद किया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकरी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोविशेषज्ञ महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसिलिंग करते है तथा छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर परामर्श तथा सुझाव देते है। स्थानीय अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं श्रेयस नर्सिंग कॉलेज भिलाई की मनोविशेषज्ञ एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी को महाविद्यालय के सेंटर में मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया।

आज के संवाद कार्यक्रम में डॉ. शमा हमदानी ने 'मोबाईल' को लेकर हो रहे मनोविकारों पर चर्चा की उन्होनें बताया कि मोबाईल एडक्शन का फैलाव हो रहा है। मोबाईल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे है। एकाग्रता नष्ट हो रही है।

आँखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलापन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। डॉ. हमदानी कहती है कि सेल्फी लेने की आदत तथा डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे–धीरे विकार का रूप ले रही है। पढ़ाई के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। बार–बार व्यवधान होने से पढ़ाई की एकाग्रता नष्ट हो रही है।

उन्होनें विभिन्न शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना आवश्यक बतलाया। डॉ. हमदानी ने छात्राओं को मोबाईल के उपयोग हेतु निश्चित समय सारणी के अनुसार ही प्रयोग करने पर जोर दिया जिससे ज्यादा समय नष्ट न हो और पढ़ाई की जा सके।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए इसे उपयोगी बतलाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसिलिंग सेंटर में माह में दो बार निजी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। जिससे विद्यार्थियों को सतत् रूप से मार्गदर्शन मिल सकेगा और वे अपनी समस्यायें बेझिझक दूर कर सकेंगी।

इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल एवं डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल उपस्थित थे।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr Ww. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

मानसिक स्वास्थ्य और मोबाईल पर संवाद

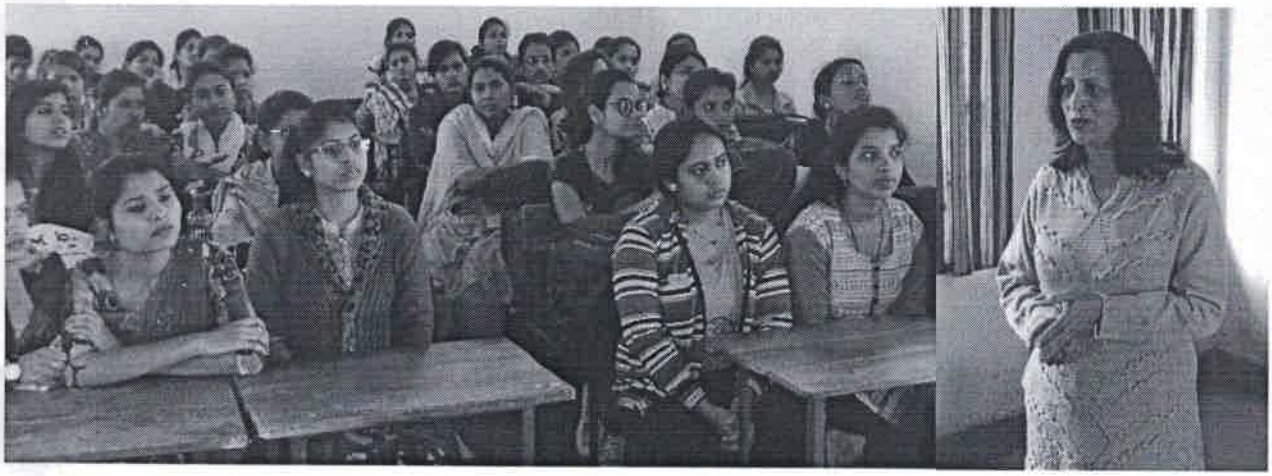

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

मोबाइल से हो रहा एडक्शन का फैलाव : रेशमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और मोबाईल

■ छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर दिए सुझाव

विषय पर मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा. हमदानी ने छात्राओं से संवाद किया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकरी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोविशेषज्ञ महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसिलिंग करते है तथा छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर परामर्श तथा सुझाव देते है। स्थानीय अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं श्रेयस नर्सिंग कॉलेज भिलाई की मनोविशेषज्ञ एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी को महाविद्यालय के सेंटर में मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया।

आज के संवाद कार्यक्रम में डॉ. शमा हमदानी ने 'मोबाईल' को लेकर हो रहे मनोविकारों पर चर्चा की उन्होंने बताया कि मोबाईल एडक्शन का फैलाव हो रहा है। मोबाईल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे है। एकाग्रता नष्ट हो रही है। आँखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलापन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। डॉ. हमदानी कहती है कि सेल्फी लेने की आदत तथा डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है। पढ़ाई के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। बार-बार व्यवधान होने से पढ़ाई की एकाग्रता नष्ट हो रही है। उन्होनें विभिन्न शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना आवश्यक बताया। डॉ. हमदानी ने छात्राओं को मोबाईल के उपयोग हेतु निश्चित समय सारणी के अनुसार ही प्रयोग करने पर जोर दिया जिससे ज्यादा समय नष्ट न हो और पढ़ाई की जा सके। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए इसे उपयोगी बतलाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसिलिंग सेंटर में माह में दो बार निजी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। जिससे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन मिल सकेगा और वे अपनी समस्याएं बेझिझक दूर कर सकेंगी। मौके पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल एवं डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr W.V. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

चिंतन | गर्ल्स कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य और मोबाइल विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन

सेल्फी व डीपी बदलने की आदत विकार का एक रूप

कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में संवाद को आयोजित कार्यशाला में उपस्थित छात्राएं। फोटो: नईदुनिया

कार्यशाला में शमा। फोटो: नईदुनिया

दुर्ग (नि.)। कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के मेडिकल सेंटर के तत्वावधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 'मानसिक स्वास्थ्य और मोबाइल' विषय पर मनोचिकित्सक डॉ. शमा हमदानी ने छात्राओं से संवाद किया। कहा सेल्फी व डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है।

संवाद के दौरान यह बात सामने आई कि मोबाइल से युवा पीढ़ी अकेलेपन का शिकार हो रही है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोचिकित्सक महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसिलिंग करते हैं तथा छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर परामर्श तथा सुझाव देते हैं।

स्थानीय अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं श्रेयस नर्सिंग कॉलेज भिलाई की मनोचिकित्सक एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी को महाविद्यालय के सेंटर में मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया। संवाद कार्यक्रम में डॉ. शमा हमदानी ने 'मोबाइल' को लेकर हो रहे मनोविकारों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मोबाइल एडिक्शन का फैलाव हो रहा है।

मोबाइल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे हैं। एकाग्रता नष्ट हो रही है। आंखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलेपन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। डॉ. हमदानी कहती हैं कि सेल्फी लेने की आदत तथा डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है। पढ़ाई के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। बार-बार व्यवधान होने से पढ़ाई की एकाग्रता नष्ट हो रही है। उन्होंने विभिन्न शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना आवश्यक बतलाया। डॉ. हमदानी ने छात्राओं को मोबाइल के उपयोग हेतु निश्चित समय सारणी के अनुसार ही प्रयोग करने पर जोर दिया जिससे ज्यादा समय नष्ट न हो और पढ़ाई की जा सके।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसिलिंग सेंटर में माह में दो बार निजी क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल एवं डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. [illegible] उपस्थित थी।

मोबाईल एडक्शन पर नियंत्रण जरूरी : डॉ. हमदानी

गर्ल्स कॉलेज में संवाद

दुर्ग, 7 जनवरी (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत "मानसिक स्वास्थ्य और मोबाईल" विषय पर मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी ने छात्राओं से संवाद किया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोविशेषज्ञ महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसिलिंग करते है तथा छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर परामर्श तथा सुझाव देते है। स्थानीय अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं श्रेयस नर्सिंग कॉलेज भिलाई की मनोविशेषज्ञ एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी को महाविद्यालय के सेंटर में मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया। आज के संवाद कार्यक्रम में डॉ. शमा हमदानी ने 'मोबाईल' को लेकर हो रहे मनोविकारों पर चर्चा की उन्होंने बताया कि मोबाईल एडक्शन का फैलाव हो रहा है। मोबाईल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे है। एकाग्रता नष्ट हो रही है।

आँखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलापन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। डॉ. हमदानी कहती है कि सेल्फी लेने की आदत तथा डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है। पढ़ाई के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। बार-बार व्यवधान होने से पढ़ाई की एकाग्रता नष्ट हो रही है। उन्होंने विभिन्न शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना आवश्यक बतलाया। डॉ. हमदानी ने छात्राओं को मोबाईल के उपयोग हेतु निश्चित समय सारणी के अनुसार ही प्रयोग करने पर जोर दिया जिससे ज्यादा समय नष्ट न हो और पढ़ाई की जा सके। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए इसे उपयोगी बतलाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसलिंग सेंटर में माह में दो बार निजी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। जिससे विद्यार्थियों को सतत् रूप से मार्गदर्शन मिल सकेगा और वे अपनी समस्यायें वैज्ञानिक दूर कर सकेंगी।

इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. [illegible] डॉ. अल्का दुग्गल [illegible] उपस्थित थे।

पत्रिका

भिलाई, मंगलवार, 8.01.2019

बार-बार अपनी डीपी बदलना हो सकता है मानसिक विकास का लक्षण : हमदानी

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में स्थापित मेडिकल सेंटर के तत्वावधान में सोमवार को 'मानसिक स्वास्थ्य और मोबाइल' विषय पर मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी ने छात्राओं से संवाद किया। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोविशेषज्ञ महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसलिंग करते हैं। छात्राओं की समस्याओं पर परामर्श और सुझाव देते हैं। संवाद कार्यक्रम में डॉ. शमा हमदानी ने मोबाइल को लेकर हो रहे मनोविकारों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मोबाइल एडिक्शन फैलता जा रहा है। मोबाइल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे हैं। एकाग्रता नष्ट हो रही है।

आंखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलापन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। डॉ. हमदानी कहती हैं कि सेल्फी लेने की आदत और डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है। पढ़ाई के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। बार-बार व्यवधान होने से पढ़ाई की एकाग्रता नष्ट हो रही है। उन्होंने शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना जरूरी बताया। छात्राओं को मोबाइल के उपयोग के लिए निश्चित समय सारणी के अनुसार ही प्रयोग करने पर जोर दिया, जिससे ज्यादा समय नष्ट न हो और पढ़ाई की जा सके।

महीने में दो बार होगी काउंसलिंग

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए इसे उपयोगी बतलाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसलिंग सेंटर में महीने में दो बार निजी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। जिससे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन मिल सकेगा और वे अपनी समस्याएं बेझिझक दूर कर सकेंगी। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल एवं डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, गुरुवार 03 जनवरी, 2019 | 16

विश्व को प्लास्टिक से खतरा जागरूकता जरूरी: डॉ. रेशमा

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

पूरे विश्व में प्लास्टिक का उपयोग इस कदर बढ़ चुका है कि इसके कचरे से पूरी पृथ्वी के चार घेरे बन जाएं। हम जो कचरा फेंकते है उसमें प्लास्टिक का एक बड़ा हिस्सा होता है। प्लास्टिक नॉन-बॉयो डीग्रेडेबल होता है। अर्थात् ऐसे पदार्थ जो बैक्टीरिया के द्वारा ऐसी अवस्था प्राप्त नहीं कर पाते जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुंचे।

प्लास्टिक की छोटी पॉलीथीन थैली को नष्ट होने में हजारों वर्ष लगते है। इसके होने वाले प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। गल्र्स कॉलेज दुर्ग में नए वर्ष के अवसर पर यूथ रेडक्रास की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने स्टूडेंट्स को कहा। कार्यक्रम में उन्होंने कॉलेज की छात्राओं को संकल्प दिलाया कि वे प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करेंगी एवं इसके होने वाले प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने जागरूकता अभियान चलाएगी।

कॉलेज कैंपस से करेंगे इसकी शुरुआत: प्राचार्य डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (गल्र्स कॉलेज) दुर्ग में यूथरेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी तथा गृहविज्ञान की छात्राओं ने नए वर्ष पर संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक के बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने अभियान चलाएंगे। इसके लिए वे शुरुआत अपने कॉलेज कैंपस से ही करेंगे।

नो प्लास्टिक पर छात्राओं ने तैयार किया पोस्टर

नए वर्ष पर छात्राओं ने नो प्लास्टिक पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। जिसमें प्लास्टिक के रसायन और उसके दुष्प्रभावों पर चित्र बनाए गए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने छात्राओं को कैंपस में हरियाली के साथ प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लिए सार्थक प्रयास करने का आव्हान किया। कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. निसरीन हुसैन ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

दैनिक भास्कर
भिलाई-रायपुर, मंगलवार 8 जनवरी, 2019

वर्कशॉप • गर्ल्स कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य और मोबाइल पर एक दिवसीय संवाद

मोबाइल के कारण चिड़चिड़ापन व अकेलापन का शिकार हो रही आज की नई पीढ़ी: डॉ.शमा

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

मोबाइल के कारण आज लोगों के अंदर एकाग्रता नष्ट होते जा रही है। मोबाइल से आंखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलापन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। सेल्फी लेने की आदत तथा डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है। यह कहना है मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी का।

सोमवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और मोबाइल विषय पर छात्राओं के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर शमा ने छात्राओं को संबोधित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश, गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल और डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

निश्चित टाइम टेबल में ही आप करे मोबाइल यूज़, ताकी हो सके पढ़ाई

युवाओं को मोबाइल से बचने के लिए सलाह देते हुए मनोचिकित्सक ने कहा कि छात्राओं को मोबाइल के उपयोग के लिए एक निश्चित टाइम टेबल तैयार कर उसके हिसाब से मोबाइल यूज करें।जिससे ज्यादा समय पढ़ाई पर ही आप फोकस कर सकेंगे। वहीं टाइम टेबल बनाकर चलने से स्टूडेंट्स का ज्यादा समय नष्ट नहीं होगा। डॉ. हमदानी ने शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना आवश्यक बतलाया।

छात्राओं की समस्याओं पर एक्सपर्ट ने दिए सुझाव, तनाव से बचने सलाह

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोविशेषज्ञ महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसिलिंग करते है। जिसमें छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर परामर्श व सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद छात्राओं ने अपनी समस्याओं को लेकर भी मनोचिकित्सक से सवाल पूछे। जिसका डॉ. शमा हमदानी ने जवाब भी दिया। वहीं तनाव से बचने भी कहा।

मोबाइल में गेम के कारण आंखों में होती है परेशानी

कार्यक्रम में छात्राओं को मोबाइल की दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया गया। मनोचिकित्सक डॉ. हमदानी ने कहा कि मोबाइल एडिक्शन का फैलाव तेजी से हो रहा है। मोबाइल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे है। एकाग्रता नष्ट हो रही है। जिससे छात्रों का रिजल्ट खराब हो रहा है।

अब कॉलेज के काउंसिलिंग सेंटर में हर महीने में दो दिन आएंगे डॉक्टर

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के बार में स्टूडेंट्स को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसिलिंग सेंटर में माह में दो बार निजी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। जिससे छात्राओं को मार्गदर्शन मिल सकेगा और वे अपनी समस्याएं बेझिझक दूर कर सकेंगी।

मोबाइल से हो रहा एडक्शन का फैलाव : रेशमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और मोबाईल

- छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर दिए सुझाव

विषय पर मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा. हमदानी ने छात्राओं से संवाद किया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकरी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोविशेषज्ञ महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसिलिंग करते है तथा छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर परामर्श तथा सुझाव देते है। स्थानीय अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं श्रेयस नर्सिंग कॉलेज भिलाई की मनोविशेषज्ञ एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी को महाविद्यालय के सेंटर में मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया।

आज के संवाद कार्यक्रम में डॉ. शमा हमदानी ने 'मोबाईल' को लेकर हो रहे मनोविकारों पर चर्चा की उन्होनें बताया कि मोबाईल एडक्शन का फैलाव हो रहा है। मोबाईल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे है। एकाग्रता नष्ट हो रही है। आँखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलापन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। डॉ. हमदानी कहती है कि सेल्फी लेने की आदत तथा डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है। पढ़ाई के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। बार-बार व्यवधान होने से पढ़ाई की एकाग्रता नष्ट हो रही है। उन्होनें विभिन्न शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना आवश्यक बताया। डॉ. हमदानी ने छात्राओं को मोबाईल के उपयोग हेतु निश्चित समय सारणी के अनुसार ही प्रयोग करने पर जोर दिया जिससे ज्यादा समय नष्ट न हो और पढ़ाई की जा सके। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए इसे उपयोगी बतलाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसिलिंग सेंटर में माह में दो बार निजी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। जिससे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन मिल सकेगा और वे अपनी समस्याएं बेझिझक दूर कर सकेंगी। मौके पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल एवं डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, मंगलवार 08 जनवरी, 2019 | 17

वर्कशॉप • गर्ल्स कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य और मोबाइल पर एक दिवसीय संवाद

मोबाइल के कारण चिड़चिड़ापन व अकेलापन का शिकार हो रही आज की नई पीढ़ी: डॉ.शमा

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

मोबाइल के कारण आज लोगों के अंदर एकाग्रता नष्ट होते जा रही है। मोबाइल से आंखों में तनाव की वजह से चिड़चिड़ापन और अकेलापन का शिकार नई पीढ़ी हो रही है। सेल्फी लेने की आदत तथा डीपी चेंज करने की आदत भी धीरे-धीरे विकार का रूप ले रही है। यह कहना है मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी का।

सोमवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में ...य मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और मोबाइल विषय पर छात्राओं के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर शमा ने छात्राओं को संबोधित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश, गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल और डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

मोबाइल में गेम के कारण आंखों में होती है परेशानी

कार्यक्रम में छात्राओं को मोबाइल की दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया गया। मनोचिकित्सक डॉ. हमदानी ने कहा कि मोबाइल एडिक्शन का फैलाव तेजी से हो रहा है। मोबाइल गेम के कारण युवा दिग्भ्रमित हो रहे है। एकाग्रता नष्ट हो रही है। जिससे छात्रों का रिजल्ट खराब हो रहा है।

निश्चित टाइम टेबल में ही आप करे मोबाइल यूज, ताकी हो सके पढ़ाई

युवाओं को मोबाइल से बचने के लिए सलाह देते हुए मनोचिकित्सक ने कहा कि छात्राओं को मोबाइल के उपयोग के लिए एक निश्चित टाइम टेबल तैयार कर उसके हिसाब से मोबाइल यूज करे।जिससे ज्यादा समय पढ़ाई पर ही आप फोकस कर सकेंगे। वहीं टाइम टेबल बनाकर चलने से स्टूडेंट्स का ज्यादा समय नष्ट नहीं होगा। डॉ. हमदानी ने शोध कार्यों के आधार पर इस पर नियंत्रण करना आवश्यक बतलाया।

छात्राओं की समस्याओं पर एक्सपर्ट ने दिए सुझाव, तनाव से बचने सलाह

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोविशेषज्ञ महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में आकर काउंसिलिंग करते है। जिसमें छात्राओं की विभिन्न समस्याओं पर परामर्श व सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद छात्राओं ने अपनी समस्याओं को लेकर भी मनोचिकित्सक से सवाल पूछे। जिसका डॉ. शमा हमदानी ने जवाब भी दिया। वहीं तनाव से बचने भी कहा।

अब कॉलेज के काउंसिलिंग सेंटर में हर महीने में दो दिन आएंगे डॉक्टर

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के बार में स्टूडेंट्स को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा महाविद्यालय में स्थापित काउंसिलिंग सेंटर में माह में दो बार निजी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित की है। जिससे छात्राओं को मार्गदर्शन मिल सकेगा और वे अपनी समस्याएं बेझिझक दूर कर सकेंगी।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 01.01.2019

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
नये वर्ष में छात्राओं ने लिया संकल्प
'नो प्लास्टिक' – करेगें पर्यावरण सुरक्षित

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की छात्राओं ने नये वर्ष में संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करेगीं एवं इसके होने वाले प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने जागरूकता अभियान चलाएगी।

यूथरेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि यूथरेडक्रॉस, ग्रीनआर्मी तथा गृहविज्ञान की छात्राओं ने नये वर्ष पर आज संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक के बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने मुहिम चलाएंगी। अपने परिसर से इसकी शुरूआत की।

डॉ. रेशमा लाकेश कहती है पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने के लिए प्लास्टिक एक बहुत बड़ा खतरा बनकर उभरा है। पूरे विश्व में प्लास्टिक का उपयोग इस कदर बढ़ चुका है कि इसके कचरे से पूरी पृथ्वी के चार घेरे बन जाएं।

हम जो कचरा फेकते है उसमें प्लास्टिक का एक बड़ा हिस्सा होता है। प्लास्टिक नॉन–बॉयो डिग्रेडेबल होता है। अर्थात् ऐसे पदार्थ जो बैक्टीरिया के द्वारा ऐसी अवस्था प्राप्त नहीं कर पाते जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुंचे। प्लास्टिक की छोटी पॉलीथीन थैली को नष्ट होने में हजारो वर्ष लगते है।

नये वर्ष पर छात्राओं ने 'नो प्लास्टिक' पर पोस्टर प्रदर्शनी लगायी जिसमें प्लास्टिक के रसायन और उसके दुष्प्रभावों पर चित्र बनाए गए थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्रतिवारी ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की तथा नियमित रूप से पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को करने तथा हरियाली के लिए सार्थक प्रयास करने का आव्हान किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. निसरीन हुसैन ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

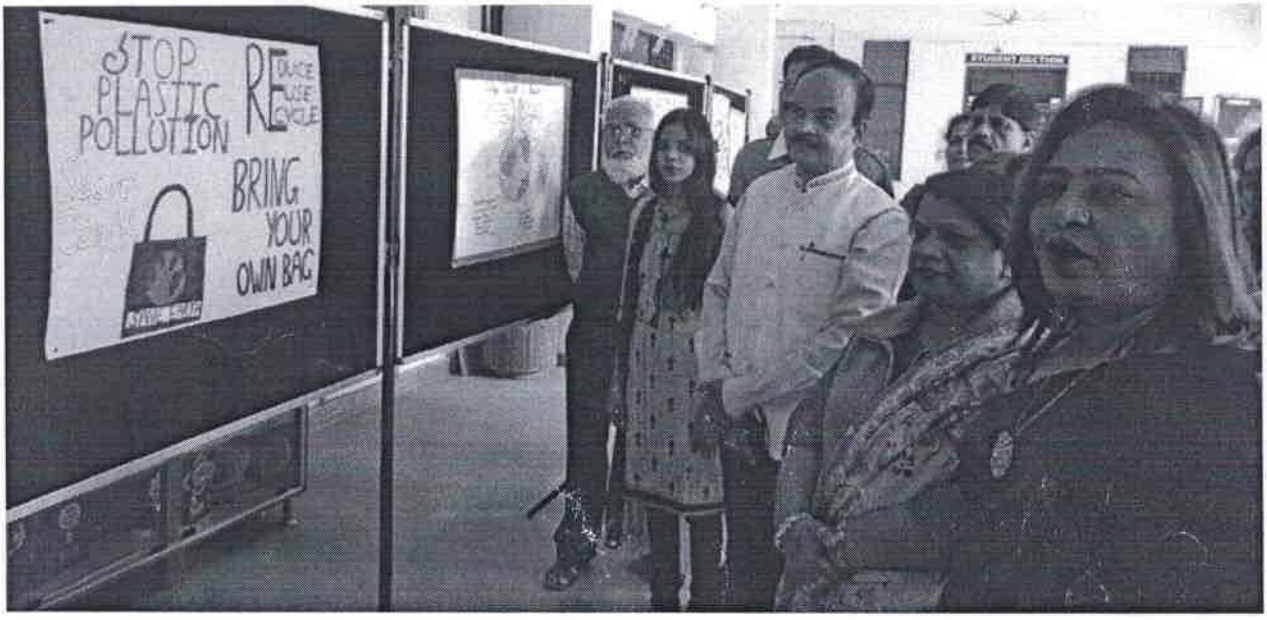

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

भिलाई-रायपुर, गुरुवार 03 जनवरी, 2019 | 17

दैनिक भास्कर

विश्व को प्लास्टिक से खतरा जागरूकता जरूरीः डॉ. रेशमा

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

पूरे विश्व में प्लास्टिक का उपयोग इस कदर बढ़ चुका है कि इसके कचरे से पूरी पृथ्वी के चार घेरे बन जाएं। हम जो कचरा फेंकते है उसमें प्लास्टिक का एक बड़ा हिस्सा होता है। प्लास्टिक नॉन-बॉयो डीग्रेडेबल होता है। अर्थात् ऐसे पदार्थ जो बैक्टीरिया के द्वारा ऐसी अवस्था प्राप्त नहीं कर पाते जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुंचे।

प्लास्टिक की छोटी पॉलीथीन थैली को नष्ट होने में हजारों वर्ष लगते है। इसके होने वाले प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में नए वर्ष के अवसर पर यूथ रेडक्रास की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने स्टूडेंट्स को कहा। कार्यक्रम में उन्होंने कॉलेज की छात्राओं को संकल्प दिलाया कि वे प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करेंगी एवं इसके होने वाले प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने जागरूकता अभियान चलाएगी।

कॉलेज कैंपस से करेंगे इसकी शुरुआतः शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (गर्ल्स कॉलेज) दुर्ग में यूथरेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी तथा गृहविज्ञान की छात्राओं ने नए वर्ष पर संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक के बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने अभियान चलाएंगे। इसके लिए वे शुरुआत अपने कॉलेज कैंपस से ही करेंगे।

नो प्लास्टिक पर छात्राओं ने तैयार किया पोस्टर

नए वर्ष पर छात्राओं ने नो प्लास्टिक पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। जिसमें प्लास्टिक के रसायन और उसके दुष्प्रभावों पर चित्र बनाए गए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने छात्राओं को कैंपस में हरियाली के साथ प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लिए सार्थक प्रयास करने का आव्हान किया। कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. निसरीन हुसैन ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

पत्रिका PLUS
भिलाई, बुधवार, 02.01.2019
PATRIKA.CO

नए साल के पहले दिन छात्राओं ने लिया नो प्लास्टिक का संकल्प

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ कन्या महाविद्यालय दुर्ग की छात्राओं ने नए साल के पहले दिन मंगलवार को संकल्प लिया है कि आगे कभी भी प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगी। कैरी बैग प्रतिबंधित है, यह बात लोगों को बताएंगी। प्लास्टिक से होने वाले भारी प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने जागरूकता अभियान चलाएंगी। कॉलेज यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशम[illegible]लाकेश ने बताया कि यूथरे[illegible]स, ग्रीन आर्मी और गृह विज्ञान से जुड़ी यह छात्राएं प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसानों को लोगों तक पहुंचाने के लिए शुरुआत कॉलेज से ही करेंगी।

अब कहेंगे नो प्लास्टिक

छात्राओं को नो प्लास्टिक के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के लिए प्लास्टिक एक बहुत बड़ा खतरा बनकर उभरा है। विश्व में प्लास्टिक का उपयोग इस कदर बढ़ चुका है कि इसके कचरे से पूरी पृथ्वी के चार घेरे बन जाएं। हम जो कचरा फेकते है उसमें प्लास्टिक का एक बड़ा हिस्सा होता है। प्लास्टिक नॉन-बॉयो डिग्रेडेबल होता है। यानि ऐसा पदार्थ जो बैक्टीरिया के द्वारा ऐसी अवस्था प्राप्त नहीं कर पाते जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुंचे। प्लास्टिक की छोटी पॉलीथीन थैली को नष्ट होने में हजारों वर्ष लगते हैं।

छात्राओं ने लगाई पोस्टर प्रदर्शनी

कार्यक्रम में नो प्लास्टिक पर छात्राओं ने पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई। जिसमें प्लास्टिक के रसायन और उसके दुष्प्रभावों पर चित्र बनाए गए थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की और नियमित रूप से पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को करने, हरियाली के लिए सार्थक प्रयास करने का आव्हान किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. निसरीन हुसैन मौजूद रहे।

नवभारत 2
www.navabharat.org
दुर्ग शहर
रायपुर, गुरुवार 3 जनवरी 2019

पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्राओं ने बढ़ाए हाथ

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की छात्राओं ने नये वर्ष में संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करेंगी एवं इसके होने वाले प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने, जागरूकता अभियान चलाएगी.

यूथरेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि यूथरेडक्रॉस, ग्रीनआर्मी तथा गृहविज्ञान की छात्राओं ने नये वर्ष पर मंगलवार को संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक के बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने मुहिम चलाएंगी. अपने परिसर से इसकी शुरूआत की. उन्होंने कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने के लिए प्लास्टिक

आयोजन

- **नववर्ष के पहले दिन नो प्लास्टिक का लिया गर्ल्स कालेज के छात्राओं ने संकल्प**

एक बहुत बड़ा खतरा बनकर उभरा है. पूरे विश्व में प्लास्टिक का उपयोग इस कदर बढ़ चुका है कि इसके कचरे से पूरी पृथ्वी के चार घेरे बन जाएं. हम जो कचरा फेकते हैं उसमें प्लास्टिक का एक बड़ा हिस्सा होता है. प्लास्टिक नॉन-बॉयो डिग्रेडेबल होता है. अर्थात ऐसे पदार्थ जो बैक्टीरिया के द्वारा ऐसी अवस्था प्राप्त नहीं कर पाते जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुंचे. प्लास्टिक की छोटी पॉलीथीन थैली को नष्ट होने में हजारो वर्ष लगते है. नये वर्ष पर छात्राओं ने नो प्लास्टिक पर पोस्टर प्रदर्शनी लगायी, जिसमें प्लास्टिक के रसायन और उसके दुष्प्रभावों पर चित्र बनाए गए थे. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्रतिवारी ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की तथा नियमित रूप से पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को करने तथा हरियाली के लिए सार्थक प्रयास करने का आव्हान किया. महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. निसरीन हुसैन ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया.

रिपोर्ट

संचानालय स्वास्थ सेवायें रायपुर छत्तीसगढ़, द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में काउंसलिंग युनिट/सेंटर स्थापित करने हेतु शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) दुर्ग की डॉ. रेश्मा लाकेश एवं कुमारी रिमशा लाकेश ने दिनांक 11.01.2018 से 13.01.2018 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 27.11.2018

एड्स दिवस 1 दिसंबर 2018
प्रतियोगिताएँ

एड्स दिवस के अवसर पर निम्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी है :–

(1) पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता
विषय :– "एड्स जागरूकता"
ड्राईंग सीट में पोस्टर, बनाकर दिनांक 30 नवंबर 2018 को दोपहर 12:00 बजे तक जमा करें।

(2) निबंध प्रतियोगिता
विषय :– एड्स की जानकारी ही बचाव है।
निबंध 250 शब्दों में लिखकर दिनांक 30 नवंबर 2018 को दोपहर 12:00 बजे तक जमा करें।

(3) भाषण प्रतियोगिता
विषय :– "एड्स जागरूकता और युवा दायित्व"
दिनांक 01 दिसंबर 2018 को दोपहर 12:00 बजे
कक्ष क्र. 08 (स्मार्ट क्लास)

- पोस्टर एवं निबंध गृहविज्ञान विभाग में डॉ. रेशमा लाकेश (प्राध्यापक) के पास जमा करें।

PRINCIPAL
Govt Dr. W. W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 01.12.2018

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न आयोजन
सही जानाकरी और उचित सावधानी जरूरी :– डॉ. तमेर

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं विशेषज्ञ चिकित्सक का संवाद रखा गया।

इस अवसर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में शहर की सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. उज्जवल तमेर ने छात्राओं को एड्स के विषय की जानकारी ही नहीं दी बल्कि संवाद के माध्यम से उनके प्रश्नों के जवाब भी दिए।

डॉ. तमेर ने बताया कि तमाम वैज्ञानिक विकास के बावजूद आज भी एच.आई.वी.–एड्स एक लाइलाज बीमारी के रूप में कठिन चुनौती बना हुआ है। इससे बचाव का एक ही जरिया है– सहीं और सटीक जानकारी व उचित सावधानी बरतना।

उन्होनें बताया कि एचआईवी–एड्स के प्रति जागरूकता के अभियानों में सबसे ज्यादा यौन संबंधों को ही टारगेट किया जाता है लेकिन एचआईवी संक्रमण फैलने का केवल यही वजह नहीं है। संक्रमित खून या अन्य रक्त उत्पादों के इस्तेमाल भी कारण होते है।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति बीमारी से नहीं बल्कि अपने प्रति समाज के रवैये से ज्यादा भयमित एवं दुखी रहता है। यही वजह है कि 75 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति अपने कामकाज की जगह पर अपनी बीमारी की बात छिपाकर रखते है। इसमें लिंग भेदभाव भी दिखाई देता है। इस बिमारी में गलतफहमियाँ, अज्ञानता इसे भयावह रूप दे देती है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने एड्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए यूथ रेडक्रॉस द्वारा चलाये जा रहे है जागरूकता अभियान के विषय में जानकारी दी।

इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम कु. लक्ष्मी देवांगन बी.एससी.–2, द्वितीय कु. तब्बसुम एम.एससी–3 सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान कु. पूजा निर्मलकर– बी.ए.–2।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कु. सबीना बेगम–बी.एससी–3, द्वितीय रेशमा साहू–बी.एससी–2, तृतीय शिवकली मिरी–बी.एससी–2

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम कु. भूमिका तिवारी एम.ए.–अर्थशास्त्र, द्वितीय कु. रानू–बी.एससी–2 तथा तृतीय स्थान पर कु. मधु गौतम एवं शिल्पी शर्मा रहीं।

यूथ रेडक्रॉस की टीम ने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जिसमें एड्स से बचाव एवं सावधानियों पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदर्शित की। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को राज्य एड्स नियंत्रण समिति के द्वारा नगद पुरस्कार दिये गये।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. रेशमा लाकेश ने आभार प्रदर्शित किया। इस अवसर पर प्राध्यापक एवं छात्राये बड़ी संख्या मे उपस्थित थी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

एड्स के बारे में थोड़ा सा ज्ञान, बचाएगा जान

विश्व एड्स दिवस पर भिलाई-दुर्ग के कॉलेजों सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने चलाया जागरुकता अभियान

नुक्कड़ नाटक भी किया

पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता से संदेश

यहां भी रैली

चार्ट का प्रदर्शन

साईं महाविद्यालय

विश्व एड्स दिवस • गर्ल्स कॉलेज समेत ट्विनसिटी में विभिन्न स्थानों पर अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया

एड्स के मरीजों के प्रति समाज का रवैया ठीक नहीं, बदलना होगा नजरिया: तिवारी

आयोजन : साइंस, भिलाई-3 कॉलेज में निकाली रैली, गर्ल्स कॉलेज में हुई पेंटिंग

साईं महाविद्यालय सेक्टर-6 में मानव शृंखला

साइंस कॉलेज दुर्ग में निकाली गई जागरूकता रैली

भिलाई-3 में छात्रों ने रैली निकालकर किया जागरूक

स्वामी श्रीस्वरूपानंद कॉलेज में हुई अतिथि व्याख्यान और परिचर्चा

विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न आयोजन

जानकारी और उचित सावधानी जरूरी: डॉ. तमेर

● कन्या महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने दिया संदेश

विश्व एड्स दिवस पर नुक्कड़ नाटक

छात्र-छात्राओं ने चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से दिया जागरूकता का संदेश

विश्व एड्स जागरूकता दिवस पर निकली रैली

सही जानकारी और उचित सावधानी जरूरी- डॉ. तमेर

विश्व एड्स दिवस पर साइंस कालेज में निकाली गई जागरूकता रैली

विश्व एड्स दिवस

एड्स आज भी एक कठिन चुनौती सही जानकारी व सावधानी जरूरी : डॉ. तमेर

दुर्ग, 1 दिसंबर (देशबन्धु)। विश्व एड्स दिवस पर आज शहर में विविध आयोजन कर इस लाइलाज बीमारी को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। विशेष तौर पर इससे बचाव हेतु सही जानकारी व सावधानी पर जोर दिया गया। जागरूकता रैली भी निकाली गई।

गर्ल्स कॉलेज – शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं विशेषज्ञ चिकित्सक का संवाद रखा गया। इस अवसर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में शहर की सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. उज्ज्वल तमेर ने छात्राओं को एड्स के विषय की जानकारी ही नहीं दी बल्कि संवाद के माध्यम से उनके प्रश्नों के जवाब भी दिए।

डॉ. तमेर ने बताया कि तमाम वैज्ञानिक विकास के बावजूद आज भी एच.आई.वी.-एड्स एक लाइलाज बीमारी के रूप में कठिन चुनौती बना हुआ है। इससे बचाव का एक ही जरिया है- सही और सटीक जानकारी व उचित सावधानी बरतना। उन्होंने बताया कि एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता के अभियानों में सबसे ज्यादा यौन संबंधों को ही टारगेट किया जाता है लेकिन एचआईवी संक्रमण फैलने का केवल यही वजह नहीं है। संक्रमित खून या अन्य रक्त उत्पादों के

इस्तेमाल भी कारण होते है। कार्यक्रम में अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति बीमारी से नहीं बल्कि अपने प्रति समाज

» » शेष पृष्ठ 9 पर »

यूथ रेडक्रास की टीम ने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जिसमें एड्स से बचाव एवं सावधानियों पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदर्शित की। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को राज्य एड्स नियंत्रण समिति के द्वारा नगद पुरस्कार दिये गये।

साइंस कालेज से जागरूकता रैली निकली

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार महाविद्यालय के यूथ रेड क्रास सोसायटी एवं एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों द्वारा इस रैली को महाविद्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एन.एस.एस. एवं यूथ रेड क्रास के अधिकारियों के अलावा विभिन्न संकायों के प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे, इनमें डॉ. मीना मान, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. जैनेन्द्र दीवान, डॉ. ओ.पी. गुप्ता, डॉ. आई.एस. चन्द्राकर, डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. दिलीप साहू एवं सलीम अकमद, सत्येन्द्र सोनी आदि उपस्थित थे। यूथ रेडक्रास एवं एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों के अलावा महाविद्यालय के नियमित छात्र एवं छात्राओं ने रैली में अपनी सहभागिता दी। यह जागरूकता रैली महाविद्यालय परिसर से निकलकर जी.ई. रोड से होते हुए मालवीय नगर चौक होते हुए

बचाव ही एचआइवी का एकमात्र इलाज

भिलाई @ पत्रिका . गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शनिवार को विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं विशेषज्ञ चिकित्सक का संवाद रखा गया। संवाद में शहर की चिकित्सक डॉ. उज्ज्वल तमेर ने छात्राओं को एड्स के विषय की जानकारी ही नहीं दी बल्कि संवाद के माध्यम से उनके प्रश्नों के जवाब भी दिए। बताया कि तमाम वैज्ञानिक विकास के बावजूद आज भी एचआईवी एड्स एक लाइलाज बीमारी के रूप में चुनौती बना हुआ है। इससे बचाव का एक ही एकमात्र उपाय है। एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता के अभियानों में सबसे ज्यादा यौन संबंधों को ही टारगेट किया जाता है।

इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम कु. लक्ष्मी देवांगन बी.एससी.-2, द्वितीय कु. तब्बसुम एम.एससी-3 सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान कु. पूजा निर्मलकर- बी.ए.-2।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कु. सबीना बेगम-बी.एससी-3, द्वितीय रेशमा साहू-बी.एससी-2, तृतीय शिवकली मिरी-बी.एससी-2

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम कु. भूमिका तिवारी एम.ए.-अथर्शास्त्र, द्वितीय कु. रानू-बी.एससी-2 तथा तृतीय स्थान पर कु. मधु गौतम एवं शिल्पी शर्मा रहीं।

यूथ रेडक्रॉस की टीम ने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जिसमें एड्स से बचाव एवं सावधानियों पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदर्शित की। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को राज्य एड्स नियंत्रण समिति के द्वारा नगद पुरस्कार दिये गये।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. रेशमा लाकेश ने आभार प्रदर्शित किया। इस अवसर पर प्राध्यापक एवं छात्राये बड़ी संख्या मे उपस्थित थी।

प्रादेशिकी का शेष...

एड्स आज भी एक ...

के रवैये से ज्यादा भयमित एवं दुखी रहता है। यही वजह है कि 75 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति अपने कामकाज की जगह पर अपनी बीमारी की बात छिपाकर रखते है। इसमें लिंग भेदभाव भी दिखाई देता है। इस बिमारी में गलतफ्हमियाँ, अज्ञानता इसे भयावह रूप दे देती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने एड्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए यूथ रेडक्रॉस द्वारा चलाये जा रहे है जागरूकता अभियान के विषय में जानकारी दी।

इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम कु. लक्ष्मी देवांगन बी.एससी.-2, द्वितीय कु. तब्बसुम एम.एससी-3 सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान कु. पूजा निर्मलकर- बी.ए.-2। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कु. सबीना बेगम-बी.एससी-3, द्वितीय रेशमा साहू-बी.एससी-2, तृतीय शिवकली मिरी-बी.एससी-2। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम कु. भूमिका तिवारी एम.ए.-अर्थशास्त्र, द्वितीय कु. रानू-बी.एससी-2 तथा तृतीय स्थान पर कु. मधु गौतम एवं शिल्पी शर्मा रहीं।

उन्होंने बताया कि एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता के अभियानों में सबसे ज्यादा यौन संबंधों को ही टारगेट किया जाता है लेकिन एचआईवी संक्रमण फैलने का केवल यही वजह नहीं है। संक्रमित खून या अन्य रक्त उत्पादों के इस्तेमाल भी कारण होते है।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति बीमारी से नहीं बल्कि अपने प्रति समाज के रवैये से ज्यादा भयमित एवं दुखी रहता है। यही वजह है कि 75 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति अपने कामकाज की जगह पर अपनी बीमारी की बात छिपाकर रखते है। इसमें लिंग भेदभाव भी दिखाई देता है। इस बिमारी में गलतफहमियाँ, अज्ञानता इसे भयावह रूप दे देती है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने एड्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए यूथ रेडक्रॉस द्वारा चलाये जा रहे है जागरूकता अभियान के विषय में जानकारी दी।

इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम कु. लक्ष्मी देवांगन बी.एससी.-2, द्वितीय कु. तब्बसुम एम.एससी-3 सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान कु. पूजा निर्मलकर- बी.ए.-2।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कु. सबीना बेगम-बी.एससी-3, द्वितीय रेशमा साहू-बी.एससी-2, तृतीय शिवकली मिरी-बी.एससी-2

Sunday Campus

सही जानाकरी और उचित सावधानी से एड्स नियंत्रण संभव : डॉ. तमेर

December 3, 2018 | Education, Health | No comments

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं विशेषज्ञ चिकित्सक का संवाद रखा गया। इस अवसर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में शहर की सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. उज्जवला तमेर ने छात्राओं को एड्स के विषय की जानकारी ही नहीं दी बल्कि संवाद के माध्यम से उनके प्रश्नों के जवाब भी दिए। डॉ. तमेर ने बताया कि तमाम वैज्ञानिक विकास के बावजूद आज भी एच.आई.वी.-एड्स एक लाइलाज बीमारी के रूप में कठिन चुनौती बना हुआ है। इससे बचाव का एक ही जरिया है- सहीं और सटीक जानकारी व उचित सावधानी बरतना।

विश्व एड्स दिवस • गर्ल्स कॉलेज समेत ट्विनसिटी में विभिन्न स्थानों पर अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया

एड्स के मरीजों के प्रति समाज का रवैया ठीक नहीं, बदलना होगा नजरिया: तिवारी

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

विश्व एड्स दिवस पर जिले के विभिन्न कॉलेजों में कार्यशाला, मानव श्रृंखला, पेंटिंग आदि से स्टूडेंट्स ने एड्स के रोकथाम व उसके बचाव के संदेश दिए।

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं विशेषज्ञ चिकित्सक का संवाद रखा गया। इसमें चिकित्सक डॉ. उज्ज्वल तमेर ने छात्राओं को एड्स के विषय की जानकारी ही नहीं दी बल्कि संवाद के माध्यम से उनके प्रश्नों के जवाब भी दिए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति बीमारी से नहीं बल्कि अपने प्रति समाज के रवैये से ज्यादा भयभीत एवं दुखी रहता है। यही वजह है कि 75 प्रतिशत एचआईवी पाजीटिव व्यक्ति कामकाज की जगह पर बीमारी की बात छिपाकर रखते है।

पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिया संदेश : कॉलेज में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम लक्ष्मी देवांगन बीएससी-2, द्वितीय तब्बसुम एमएससी-3 सेमेस्टर व तृतीय स्थान पूजा निर्मलकर- बीए -2 रही। वहीं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम सबीना बेगम, द्वितीय रेशमा साहू, तृतीय शिवकली रही। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम भूमिका तिवारी, द्वितीय रानू और तृतीय स्थान पर मधु गौतम एवं शिल्पी शर्मा रहीं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रेशमा लाकेश ने आभार प्रदर्शित किया।

आयोजन : साइंस, भिलाई-3 कॉलेज में निकाली रैली, गर्ल्स कॉलेज में हुई पेंटिंग

गर्ल्स कॉलेज में एड्स के प्रति जागरूकता के लिए पोस्टर लगाए गए।

साइंस कॉलेज दुर्ग में निकाली गई जागरूकता रैली

साइंस कॉलेज दुर्ग में जागरूकता रैली निकाली गई। इसे प्रभारी प्राचार्य डॉ. एमए सिद्दीकी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एनएसएस एवं यूथ रेड क्रास के अधिकारियों के अलावा विभिन्न संकायों के प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सांई महाविद्यालय सेक्टर-6 में मानव श्रृंखला

सांई महाविद्यालय सेक्टर-6 की एनएसस इकाई ने संस्था में एड्स दिवस का आयोजन किया। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. डीबी तिवारी, डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ममता सिंह, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विमल कुमार, दिव्या साहू, ताम्रध्वज टंडन, ओंकार प्रसाद आदि उपस्थित थे।

भिलाई-3 में छात्रों ने रैली निकालकर किया जागरूक

भिलाई-3 कॉलेज में एनएसएस की बालिका ईकाई की ओर से रैली निकाली गई। यह कॉलेज से सिरसा गेट तक पहुंची और वापस आई। इसका नेतृत्व हर्षा वर्मा ने किया। इसके आयोजन के लिए मार्गदर्शन इकाई प्रभारी डॉ. अल्पना देशपांडेय और प्राचार्य डॉ. ज्योति रानी सिंह का रहा।

स्वामी श्रीस्वरूपानंद कॉलेज में हुई अतिथि व्याख्यान और परिचर्चा

स्वामी श्रीस्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय में अतिथि व्याख्यान और परिचर्चा का आयोजन किया गया। न्यू पथ सोसायटी की प्रोग्राम मैनेजर रंजीता गढ़े एवं काउंसलर शोभा साहू, संस्था की प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। मौके पर आईक्यूएसी संयोजिका डॉ. ज्योति उपाध्याय, श्वेता दवे, डॉ. शमा बेग, शैलजा पवार, नीलम, पूजा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर BHILAI-RAIPUR, TUESDAY, 23/02/2018 . 19

जागरूकता अभियान | रेड रिबन क्लब की ईकाई के द्वारा किया गया आयोजन

बेबाक होकर बोले स्टूडेंट्स- सिलेबस में हो एचआईवी का चैप्टर, हिचक करनी होगी दूर

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

आम तौर पर एचआईवी और एड्स के बारे में बात करने में लोग हिचकिचाते है। लेकिन इसके विपरीत गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में छात्राओं ने बेबाकी से इस विषय में अपनी बात रखी। छात्रा रुचि शर्मा ने कहा, रिश्ता तय करते समय हम पंडित के पास जाकर कुंडली मिलाते है। इससे ज्यादा जरूरी है कि हम रक्त परीक्षक से जाकर मिले और एक दूसरे की जांच करवाएं। छात्राओं ने एचआईवी की जानकारी पाठ्यक्रम में दी जाने की भी बात कही। छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गुरुवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में रेड रिबन क्लब इकाई द्वारा एचआईवी एड्स जागरूकता के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रभारी प्रोफेसर डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एचआईवी संक्रमण से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

छात्राओं ने एचआईवी संक्रमण की जैविक क्रियाओं और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट पर चर्चा की। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी, शिक्षक और स्टूडेंट्स आदि उपस्थित थे।

पोस्टर बनाकर लगाई प्रदर्शनी

कांपिटिशन के साथ ही पोस्टर बनाकर इसकी प्रदर्शनी कॉलेज परिसर में लगाई गई। युवा सोच को दर्शाती हुई इस प्रदर्शनी में स्टूडेंट्स ने पोस्टर के माध्यम से दिखाया कि एचआईवी पॉजिटीव को अपराधी न समझा जाए। उस इंसान के अंदर सहानुभूति से हौसला बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही पोस्टर से इसके बचाओ के उपाय और रोकथाम की बातें भी युवतियों ने दर्शाई।

सभी को दिया गया पुरस्कार

भाषण प्रतियोगिता में किसी भी स्टूडेंट्स को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार नहीं दिए गए। सभी के विचारों को अच्छा मानते हुए उत्कृष्ट पुरस्कार से सभी को नवाजा गया। इस तरह से भाषण प्रतियोगिता में रुचि शर्मा, सबा मरियम, कौजल यादव और मधु सिंह को पुरस्कार दिया गया। इसी तरह पोस्टर प्रतियोगिता में भी शगुफ्ता परवीन, शिवाली वर्मन, रीना प्रसाद को उत्कृष्ट पुरस्कार दिया गया।

सारी समस्या का निदान है जागरूकता: सबा

एमए अर्थशास्त्र की सबा मरियम ने कहा कि सारी समस्या का निदान जागरूकता है। बिना हिचक बिना डरे जब हम स्थिति से मुकाबला करते है। तो उससे जीत सुनिश्चित होती है। व्यक्ति चाहे किसी भी रोग से ग्रसित हो उसके आत्मविश्वास को बनाए रखना समाज का दायित्व है। हम स्नेह और प्रेम से उसका मनोबल बढ़ा सकते है। ऐसा करना भी जरूरी है।

पाठ्यक्रम में इसकी जानकारी दें: काजल

एड्स से बचने सुरक्षात्मक उपायों की जागरूकता होनी चाहिए। संक्रमण क्या है इसे लोगों को बताया जाए। एमए हिन्दी की काजल ने ये बातें कही उन्होंने कहा कि ये हमारे सिस्टम को नुकसान पहुंचाकर रोग प्रतिरोधक शक्ति को नष्ट कर कर रही है। जानकारी पाठ्यक्रम के माध्यम से भी दी जाए। ताकि युवा पीढ़ी इससे सचेत रहे। साथ ही रक्त लेने देने में भी वे सावधानी रख सकें।

patrika.com/entertainment
पत्रिका
PLUS
Bhilai . Friday
23/02/2018
citylive
infocus

अवेयरनेस ही एड्स से बचने का एकमात्र रास्ता

भिलाई • दुर्ग कन्या महाविद्यालय की रेड रिबन क्लब इकाई ने गुरुवार को एचआईवी एड्स जागरूकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं कराईं। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एचआईवी संक्रमण से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें छात्राओं ने एचआईवी की जैविक प्रक्रिया और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक तथ्य प्रस्तुत किए। चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षा ही इस बीमारी से बचाव का एक मात्र उपाय है। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जो मृत्यु के आंकड़े दिए है वे चिंतनीय है। एचआईवी संक्रमण हमारे शरीर के सुरक्षातंत्र को खत्म कर देता है, जिससे हमारा शरीर छोटी-छोटी बिमारियों से भी नहीं लड़ सकता।

उन्होंनें कहा कि एचआईवी संक्रमण कोई छूत की बीमारी नहीं है। इससे संक्रमित व्यक्ति को अच्छे वातावरण एवं प्रेम से हौसला दिया जा सकता है। भाषण प्रतियोगिता में रूचि शर्मा, सबा मरियम, काजल यादव एवं मधु सिंह को पुरस्कृत किया गया। क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर-प्रतियोगिता में शगुप्ता परवीन, शिवानी वर्मन, और रीना प्रसाद को पुरस्कार दिया गया। निबंध प्रतियोगिता में लकेश्वरी बंजारे, एश्वर्या श्रीवास्तव एवं वेदिका देवांगन को पुरस्कार दिया गया।

दैनिक भास्कर

BHILAI-RAIPUR, TUESDAY, 23/02/2018 . 19

जागरूकता अभियान | रेड रिबन क्लब की ईकाई के द्वारा किया गया आयोजन

बेबाक होकर बोले स्टूडेंट्स- सिलेबस में हो एचआईवी का चैप्टर, हिचक करनी होगी दूर

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

आम तौर पर एचआईवी और एड्स के बारे में बात करने में लोग हिचकिचाते है। लेकिन इसके विपरीत गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में छात्राओं ने बेबाकी से इस विषय में अपनी बात रखी। छात्रा रुचि शर्मा ने कहा, रिश्ता तय करते समय हम पंडित के पास जाकर कुंडली मिलाते है। इससे ज्यादा जरूरी है कि हम रक्त परीक्षक से जाकर मिले और एक दूसरे की जांच करवाएं। छात्राओं ने एचआईवी की जानकारी पाठ्यक्रम में दी जाने की भी बात कही। छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गुरुवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में रेड रिबन क्लब इकाई द्वारा एचआईवी एड्स जागरूकता के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रभारी प्रोफेसर डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एचआईवी संक्रमण से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

छात्राओं ने एचआईवी संक्रमण की जैविक क्रियाओं और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट पर चर्चा की। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी, शिक्षक और स्टूडेंट्स आदि उपस्थित थे।

पोस्टर बनाकर लगाई प्रदर्शनी

कॉपिटिशन के साथ ही पोस्टर बनाकर इसकी प्रदर्शनी कॉलेज परिसर में लगाई गई। युवा सोच को दर्शाती हुई इस प्रदर्शनी में स्टूडेंट्स ने पोस्टर के माध्यम से दिखाया कि एचआईवी पॉजिटीव को अपराधी न समझा जाए। उस इंसान के अंदर सहानुभूति से हौसला बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही पोस्टर से इसके बचाओ के उपाय और रोकथाम की बातें भी युवतियों ने दर्शाईं।

सभी को दिया गया पुरस्कार

भाषण प्रतियोगिता में किसी भी स्टूडेंट्स को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार नहीं दिए गए। सभी के विचारों को अच्छा मानते हुए उत्कृष्ट पुरस्कार से सभी को नवाजा गया। इस तरह से भाषण प्रतियोगिता में रुचि शर्मा, सबा मरियम, काजल यादव और मधु सिंह को पुरस्कार दिया गया। इसी तरह पोस्टर प्रतियोगिता में भी शगुफ्ता परवीन, शिवानी वर्मन, रीना प्रसाद को उत्कृष्ट पुरस्कार दिया गया।

सारी समस्या का निदान है जागरूकता: सबा

एमए अर्थशास्त्र की सबा मरियम ने कहा कि सारी समस्या का निदान जागरूकता है। बिना हिचक बिना डरे जब हम स्थिति से मुकाबला करते है। तो उससे जीत सुनिश्चित होती है। व्यक्ति चाहे किसी भी रोग से ग्रसित हो उसके आत्मविश्वास को बनाए रखना समाज का दायित्व है। हम स्नेह और प्रेम से उसका मनोबल बढ़ा सकते है। ऐसा करना भी जरूरी है।

पाठ्यक्रम में इसकी जानकारी दें: काजल

एड्स से बचने सुरक्षात्मक उपायों की जागरूकता होनी चाहिए। संक्रमण क्या है इसे लोगों को बताया जाए। एमए हिन्दी की काजल ने ये बातें कही उन्होंने कहा कि ये हमारे सिस्टम को नुकसान पहुंचाकर रोग प्रतिरोधक शक्ति को नष्ट कर कर रही है। जानकारी पाठ्यक्रम के माध्यम से भी दी जाए। ताकि युवा पीढ़ी इससे सचेत रहे। साथ ही रक्त लेने देने में भी वे सावधानी रख सकें।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 23.10.2018

प्रेस विज्ञप्ति
गर्ल्स कॉलेज में
तबस्सुम बनी छात्रसंघ अध्यक्ष

तबस्सुम

अनंदिता बिश्वास

प्रिया देवांगन

छाया सोनी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में नये सत्र के लिए छात्रसंघ के पदाधिकारियों का मनोनयन मेरीट के आधार पर किया गया। जिसमें एम.एस–सी तृतीय सेमेस्टर की कु. तबस्सुम को अध्यक्ष मनोनित किया गया। इसी तरह प्रावीण्यता क्रम से उपाध्यक्ष कु. अनंदिता बिश्वास, एम. एस–सी प्रथम सेमेस्टर, सचिव कु. प्रिया देवांगन, बी.एस–सी भाग–3 तथा सहसचिव कु. छाया सोनी बी. एस–सी भाग–2 को मनोनित किया गया। विभिन्न कक्षाओं के लिए कक्षा प्रतिनिधि भी मनोनित किए गए।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सभी मनोनित पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई। नवमनोनित छात्रसंघ अध्यक्ष कु. तबस्सुम ने कहा कि छात्रसंघ महाविद्यालय की सभी अकादमिक गतिविधियों में सक्रियता से कार्य करेगा।

छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने कार्यक्रम की संचालन किया। आभार प्रदर्शन छात्रसंघ की सचिव कु. प्रिया देवांगन ने किया।

छात्रसंघ के पदाधिकारी एवं कक्षाप्रतिनिधि

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

17 Nov 18

...था ने... पेज 7

...ड तैयार करते दो ...रंट, एक की मौत

5 माह से मृतक कर रहा था कंपनी में काम

मजदूरों के अनुसार मृतक रामा राव कंपनी में वेल्डर का काम पिछले 5 माह से कर रहा था. घटना के बाद मृतक के परिजनों पर पहाड़ टूट पड़ा है. मृतक के दो बच्चे हैं. घर चलाने वाला इकलौता था.

...ग्रीमेंट किया है, अभी तक मेरी कंपनी खुली ...रहा है मुझे खबर होने के बाद तत्काल ...

...क, सुरी इंटरप्राइजेस

...ने से बच्चे की मौत ...भाग देगा हर्जाना

परेशानी

- विद्युत लाइन में ... रहने के कारण ... सुखाने वाले ... था करंट ...
- जिला ... पक्ष में सुन...

चुनाव भारत

...की बैठक लेकर समझाई गई बारीकियां

...वश्यक व्यवस्था पूरी करने के निर्देश

मतदान केन्द्र के 200 मीटर की परिधि मे प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित

दुर्ग. विधानसभा निर्वाचन-2018 के अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश कुमार अग्रवाल ने निर्वाचन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं निर्वाचन प्रक्रिया को निर्विघ्न, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मतदान केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि पर धारा-144 लगाते हुए प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया है. उन्होंने प्रतिबंधात्मक आदेश पारित करते हुए आदेशित किया है कि दुर्ग जिले के अंदर स्थापित 1442 मतदान केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि पर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का घातक अस्त्र-शस्त्र, बन्दूक, राइफल, भाला, बल्लम, बरछा, लाठी एवं अन्य प्रकार के घातक हथियार विस्फोटक सामग्री लेकर किसी सार्वजनिक स्थान, आम सड़क, रास्ता, सार्वजनिक सभाओ, जुलूस एवं अन्य स्थानो पर नहीं चल सकेगा. कोई भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी शस्त्र, जुलूस नही निकालेगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा. जिले के अंदर मतदान केन्द्रो के आस-पास कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियो का समूह बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के न तो कोई सभा करेगा न कोई रैली या जुलूस निकाल सकेगा और न ही कोई धरना देगा. आदेश का उल्लंघन करने वाला व्यक्ति, भारतीय दण्ड विधान की धारा-188 के अंतर्गत दण्डनीय होगा. प्रकरण के तथ्यो एवं परिस्थितियो को देखते हुए इस आदेश के संबंध मे संबंधितो को सूचना पत्र जारी कर सुनवाई सम्यक रूप से संभव नही है, यह आदेश एक पक्षीय पारित किया गया है. यह आदेश 19 नवम्बर को प्रातः 8 बजे से 20 नवम्बर को रात्रि 12 बजे तक के लिए विधानसभा निर्वाचन कार्य मतदान एवं मतदान केन्द्र मे निर्वाचन कार्य संपन्न होने तक की अवधि के लिए दुर्ग जिले मे स्थापित सभी 1442 मतदान केन्द्रो मे प्रभावशील रहेगा. यह आदेश उन व्यक्तियो के लिए लागू नही होगा जो निर्वाचन कार्य को संपन्न कराने हेतु नियोजित अधिकारी-कर्मचारी, सुरक्षाबल नियुक्त किए गए हैं. कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, सुरक्षा बल तथा शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था तथा लंगड़ापन होने के कारण सहारे के रूप मे लाठी रखना आवश्यक हो, ऐसे व्यक्तियो के लिए यह आदेश लागू नही होगा.

सौंपा ज्ञापन

...मतदान जमा ...मन हेतु किया ...यक मानदेय ...न करें एवं ...जाये तथा ...भांति मानदेय ...हे कर्मचारी ...क्षाकर्मी संघ ...चिव गिरीश ...मानिकपुरी, ...कुमार शर्मा, ...पस्थित थे.

...करने एवं अन्य किसी ...यता की आवश्यकता ...मदद करने भी कहा है. ...न दिवस के दौरान किए ...अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं ...तार से जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि सभी अधिकारी कर्तव्य निर्वहन गंभीरता से करें. मतदान दिवस पर किसी प्रकार की कानून व्यवस्था का उल्लंघन होने अथवा शांति भंग होने, मतदान में व्यवधान उत्पन्न होने की स्थिति में पुलिस की मदद अवश्य लें. ऐसे स्थिति निर्मित होने पर तत्काल 112 डायल कर पुलिस की मदद ले सकते हैं. स्वीप प्लान के नोडल अधिकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गौरव सिंह ने आदर्श आचार संहिता के पालन में किए जाने वाले दायित्वों और कर्तव्यों की विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी दशा में कहीं भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न हो, यह सुनिश्चित किया जाए. शासकीय कर्मचारियों को किसी भी राजनैतिक दलों के पक्ष में काम नहीं करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं. किसी भी कर्मचारी की शिकायत राजनैतिक दल के पक्ष में काम करने की आने पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है. उन्होंने आदर्श आचार संहिता, संपत्ति विरूपण अधिनियम जैसे मामले को बेहद गंभीरता से लेने कहा है. मतदान केन्द्र के 200 मीटर की दायरे में किसी भी राजनैतिक दल का प्रचार-प्रसार, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स का उपयोग न हो, इसके लिए पूरी मुस्तैदी के साथ काम करने कहा है.

मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता का दिया संदेश

दुर्ग. विधानसभा निर्वाचन-2018 के अंतर्गत सेक्टर-9 हॉस्पिटल से पावर हाउस तक विभिन्न महाविद्याल एवं स्कूली छात्र-छात्राओ ने मानव श्रृंखला बनाकर अवश्य मतदान करने हेतु लोगो को प्रेरित किया. छात्र-छात्राओ ने विभिन्न प्रकार के स्लोगन लिखा हुआ स्टीक के माध्यम से राहगीरों को मतदान का महत्व बताया.

मजबूत लोकतंत्र की स्थापना में शत-प्रतिशत मतदान को मजबूत आधार बताते हुए लोगो को मताधिकार का प्रयोग करने प्रेरित किया. जिले के विभिन्न स्कूलों, महाविद्यालय, रेड क्रास, स्काउट, एनसीसी, नर्सिंग के छात्र-छात्राओ ने सेक्टर-9 हॉस्पीटल से पावरहाउस तक पंक्तिबद्ध कतार में खड़ा होकर मानव श्रृंखला बनाया. छात्र-छात्राओ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर मतदान के लिए लोगो को आगे आने की सीख दी है.

ाचार संहिता का पालन
ने शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न

का कार्य पूरी सतर्कता के साथ किया गया। मतदाता सूची अद्यतन की कार्यवाही के दौरान अवांछित लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाने का कार्य भी बिना किसी पक्षपात के किया गया।

स्वतंत्र, निर्भीक एवं बिना पक्षपात के निर्वाचन कार्य को सम्पन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के पालन में विभिन्न समितियों का गठन किया

स्वीप प्लान मानव श्रृंखला

मतदान जागरूकता

गया। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति, व्यय अनुवेक्षण समिति, वीडिया निगरानी दल, उड़नदस्ता जैसे समिति का गठन कर उत्तरदायित्वपूर्वक कार्य किया गया। निर्वाचन लड़रहे अभ्यर्थियों के द्वारा निर्वाचन व्यय की सीमा पर नजर रखने के लिए समितियों द्वारा संवेदनशीलता से कार्यवाही की गई।

इस दौरान जिले में धारा 144 लगने के साथ ही वैध हथियारों को थानों में जमा कराया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सरप्राईज जांच के माध्यम से जिले के सीमाओं में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच की गई। इस दौरान कहीं भी संदिग्ध वस्तुएं मिली, उनकी जांच की गई। मतदान कार्य को सुचारू रूप से बिना किसी व्यवधान के सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में मतदान दलों का गठन किया गया था। इन दलों को वारिकी से दो बार प्रशिक्षण दिया गया। चिन्हांकित मतदान केन्द्रों की वेबकास्टिंग की कार्यवाही भी की गई।

निर्वाचन के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस अवधि में जिला पुलिस बल, अर्द्धसैनिक बल का काफी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाने के चलते जिले में शांतिपूर्ण निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराने में सफलता मिली।

7 August-18

हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन
बोन डेसिंटी एवं न्यूरोपैथी की जांच की गयी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में हेल्थचेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बोनमॉस डेंसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी की जांच आधुनिक मशीनों से की गयी तथा परामर्श दिया गया। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी कि नगर के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. के. सी. भगत एवं डॉ. अंकिता भगत के सहयोग से एक दिवसीय कैंप का निःशुल्क आयोजन किया गया। जिसमें 140 छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

डॉ. के.सी. भगत ने बताया कि बोनमॉस डेनसिटी की जांच आधुनिक उपकरणों के माध्यम से की गयी। जिसमें सभी की उम्र, वजन और ऊँचाई के साथ बोनमॉस डेनसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी टेस्ट किया गया। महिलाओं में 40 की उम्र के बाद कैल्सियम की कमी के कारण हड्डियों में खनिज का घनत्व कम होने से कमर दर्द, पीठ दर्द की शिकायत आम हो गयी है। अब पुरूषों में भी यह लक्षण दिखाई देते है। जांच में पाया गया कि अधिकांश छात्राओं में कैल्सियम की कमी पायी गई तथा ऐनेमिक है। पुरूषों में भी कैल्सियम की कमी पायी गयी।

न्यूरोपैथी– मशीन के द्वारा पैर के तलुओं से जांच कर ऐड़ी तथा पैर में होने वाली तकलीफ का भी परीक्षण किया गया। मधुमेह के रोगियों में अधिकतर पैरों में इस प्रकार का शिकायत मिलती है। डॉ. अंकिता भगत ने पोषण एवं आहार प्रबंध पर चिकित्सीय परामर्श भी दिया।

उन्होनें बताया कि पोषण एवं उचित खानपान से हम कई बिमारियों से बच सकते है और राहत पा सकते है। न्यूरोपैथी तकनीशियन तापस भगत, बोनमास डेनसिटी के तकनीशियन मुकेश कुमार तथा कु. प्रीति ठाकुर ने सतत् रूप से परीक्षण कार्य किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा महाविद्यालय का स्टॉफ, छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया। यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने कैंप की व्यवस्था का सफल संचालन किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

7 August 18

बोन डेसिंटी एवं न्यूरोपैथी की जांच की गयी

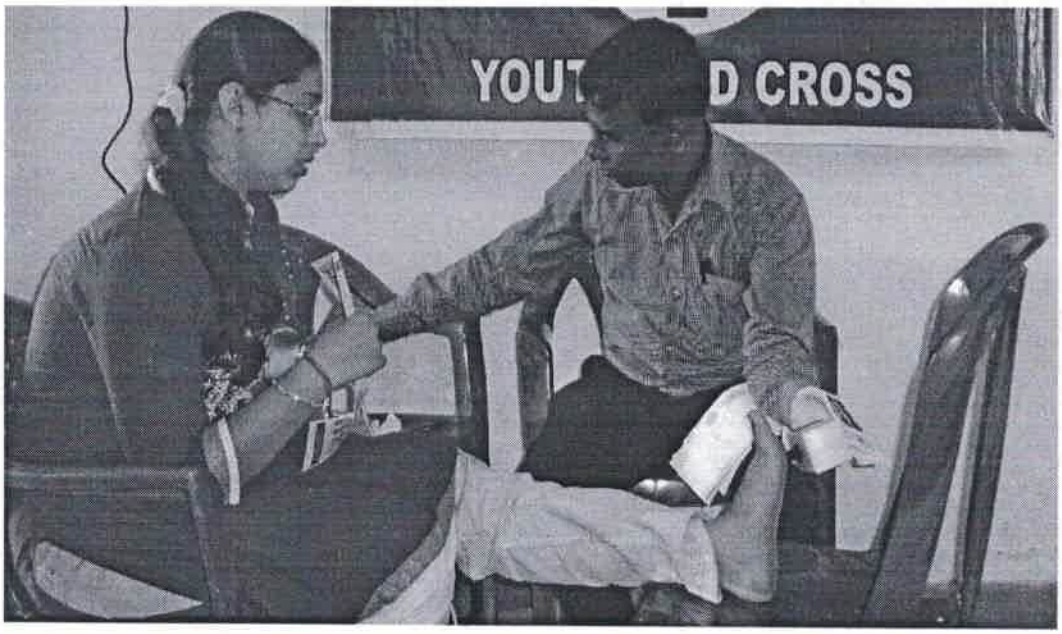

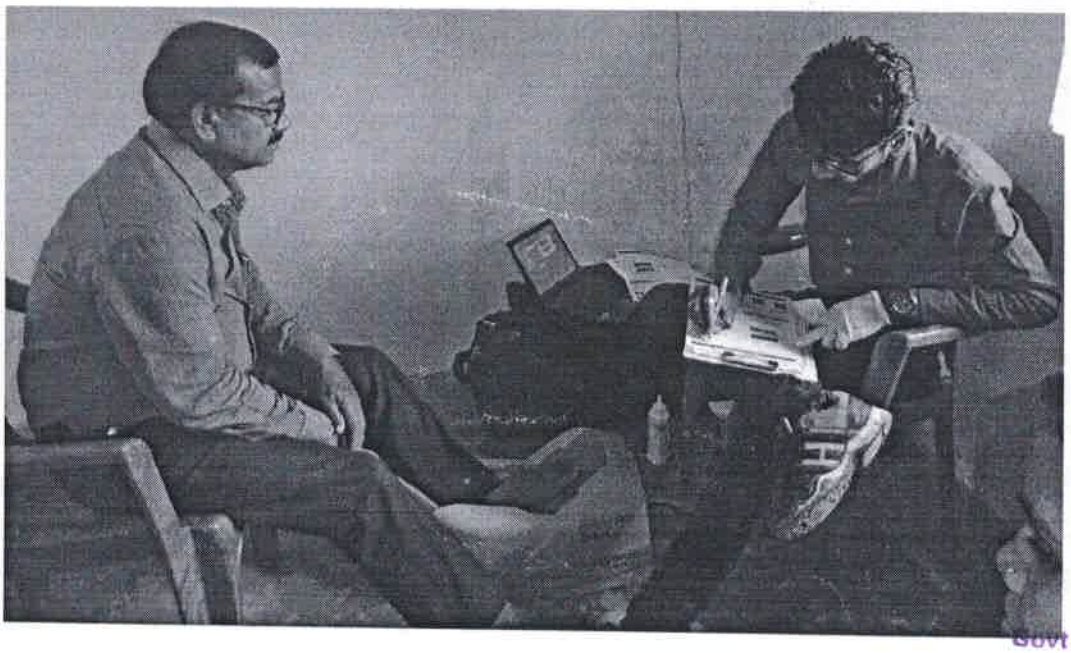

PRINCIPAL
Govt. Dr. WW. Patank
Girl's PG. College, Durg

14.7.18

"काउंसलिंग सेंटर प्रारंभ"

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत काउंसलिंग सेंटर स्थापित किया गया है। जिसका उद्घाटन आज प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी द्वारा किया गया। सेंटर में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सेवायें उपलब्ध रहेंगी। इसके लिये विशेष रूप से महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश एवं सुश्री रिमशा लाकेश को प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक माह में एक बार विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा छात्राओं की मानसिक संबंधी समस्याओं का निवारण किया जायेगा एवं समय–समय पर विशेष कार्यशाला, सेमीनार और मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित होगें।

अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. तिवारी ने काउंसलिंग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होनें बताया कि छात्र–छात्राएँ शिक्षा एवं कैरियर को लेकर अत्यंत तनाव में रहते है। उन्हें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के लिये उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। यह केन्द्र छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ उपलब्ध करायेगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. निसरीन हुसैन, डॉ. साधना पारेख, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी एवं काउंसलिंग सेंटर की संचालक डॉ. रेशमा लाकेश एवं रिमशा लाकेश एवं यूथ रेडक्रॉस की छात्रायें उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका PLUS Wee
PATRIKA.C
भिलाई, शनिवार, 14.07.2018

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग

कॉलेज में खुला काउंसलिंग सेंटर

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • शासकीय कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत काउंसलिंग सेंटर स्थापित किया गया है। इसका उद्घाटन शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। सेंटर में अब छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं मिलेंगी। इसके लिए विशेष रूप से महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश एवं रिमशा लाकेश को विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक माह में एक बार विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा छात्राओं की मानसिक संबंधी समस्याओं का निवारण किया जाएगा एवं समय-समय पर विशेष कार्यशाला, सेमीनार और मार्गदर्शन कार्यक्रम कराया जाएगा।

टीचर्स को प्रशिक्षण मिला

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने काउंसलिंग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी शिक्षा एवं कैरियर को लेकर अत्यंत तनाव में रहते है। उन्हें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के लिए उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। यह केन्द्र छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. निसरीन हुसैन, डॉ. साधना पारेख, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी एवं काउंसलिंग सेंटर की संचालक डॉ. रेशमा लाकेश एवं रिमशा लाकेश एवं यूथ रेडक्रॉस की छात्राएं मौजूद रहीं।

गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं को बताएंगे मानसिक तनाव से कैसे रहें दूर

कॉलेज में काउंसिलिंग सेंटर का किया गया उद्घाटन, स्टूडेंट्स का डिप्रेशन से बाहर निकालने में की जाएगी मदद, छात्राओं की अन्य किसी समस्या का भी होगा निराकरण

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

कॉलेज की छात्राओं को मानसिक तनाव और डिप्रेशन से दूर रखने गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में काउंसिलिंग सेंटर बनाया गया है। यहां कॉलेज की सभी छात्राओं को मुफ्त चेकअप और सलाह दी जाएगी। ताकि छात्राओं को पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में आसानी हो।

कॉलेज के स्टूडेंट्स अक्सर मानसिक तनाव और डिप्रेशन में जाकर गलत निर्णय ले लेते हैं। उन्हें सही दिशा दिखाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में काउंसिलिंग सेंटर स्थापित किया गया है। इसमें कॉलेज की सहायक प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश और रिमशा लाकेश काउंसिलिंग करेंगी। सेंटर का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. निसरीन हुसैन, डॉ. साधना पारेख, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी उपस्थित थे।

कॉलेज में बने सेंटर पर छात्राओं की स्वास्थ्य की जांच की गई।

विभाग ने कॉलेज के प्रोफेसर को दी है ट्रेनिंग

काउंसिलिंग सेंटर में छात्राओं को किस तरह से ट्रीट करना है और कैसे उनका मनोबल बढ़ाना है इसके लिए विभाग द्वारा काउंसिलिंग करने वाले प्रोफेसरों को सात दिनों की ट्रेनिंग दी गई है।

स्टूडेंट्स को हेल्थ संबंधी जानकारी भी दी जाएगी

कॉलेज में एक सेंटर पहले से हो रहा है संचालित

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने बताया कॉलेज में पहले से ही एक काउंसिलिंग सेंटर को स्थापित किया गया है, जहां कॉलेज की छात्राओं को विषय चयन से लेकर उसको पढ़ने और करियर को लेकर मार्गदर्शन दिया जाता है। वहीं एग्जाम में अच्छे अंक लाने के लिए भी सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।

जिला अस्पताल के डॉक्टर देंगे अपनी सेवाएं

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कॉलेज में खोले गए सेंटर में महीने में एक बार जिला अस्पताल के डॉक्टर या एक्सपर्ट डॉक्टर कॉलेज में अपनी सेवाएं देने पहुंचेंगे। यहां डॉक्टर छात्राओं की मानसिक संबंधी समस्याओं का निवारण करेंगे। स्टूडेंट्स को हेल्थ संबंधी जानकारी दी जाएगी।

छात्राओं की समस्याओं का किया जाएगा निराकरण

छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं करियर को लेकर अत्यंत तनाव में रहते हैं। उन्हें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के लिये उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। केन्द्र पर स्वास्थ्य के साथ ही छात्राएं अपनी किसी भी तरह की समस्याओं को बता सकती हैं। डॉ. सुशील चंद्र तिवारी, प्राचार्य, गर्ल्स कॉलेज, दुर्ग

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 08.08.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में
हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन
बोन डेसिंटी एवं न्यूरोपैथी की जांच की गयी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में हेल्थचेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बोनमॉस डेंसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी की जांच आधुनिक मशीनों से की गयी तथा परामर्श दिया गया। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी कि नगर के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. के. सी. भगत एवं डॉ. अंकिता भगत के सहयोग से एक दिवसीय कैंप का निःशुल्क आयोजन किया गया। जिसमें 140 छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

डॉ. के.सी. भगत ने बताया कि बोनमॉस डेनसिटी की जांच आधुनिक उपकरणों के माध्यम से की गयी। जिसमें सभी की उम्र, वजन और ऊँचाई के साथ बोनमॉस डेनसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी टेस्ट किया गया। महिलाओं में 40 की उम्र के बाद कैल्सियम की कमी के कारण हड्डियों में खनिज का घनत्व कम होने से कमर दर्द, पीठ दर्द की शिकायत आम हो गयी है। अब पुरूषों में भी यह लक्षण दिखाई देते है। जांच में पाया गया कि अधिकांश छात्राओं में कैल्सियम की कमी पायी गई तथा ऐनेमिक है। पुरूषों में भी कैल्सियम की कमी पायी गयी।

न्यूरोपैथी– मशीन के द्वारा पैर के तलुओं से जांच कर ऐड़ी तथा पैर में होने वाली तकलीफ का भी परीक्षण किया गया। मधुमेह के रोगियों में अधिकतर पैरों में इस प्रकार का शिकायत मिलती है। डॉ. अंकिता भगत ने पोषण एवं आहार प्रबंध पर चिकित्सीय परामर्श भी दिया।

उन्होनें बताया कि पोषण एवं उचित खानपान से हम कई बिमारियों से बच सकते है और राहत पा सकते है। न्यूरोपैथी तकनीशियन तापस भगत, बोनमास डेनसिटी के तकनीशियन मुकेश कुमार तथा कु. प्रीति ठाकुर ने सतत् रूप से परीक्षण कार्य किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा महाविद्यालय का स्टॉफ, छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया। यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने कैंप की व्यवस्था का सफल संचालन किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr Ww. Patenkar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में
हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन
बोन डेसिंटी एवं न्यूरोपैथी की जांच की गयी

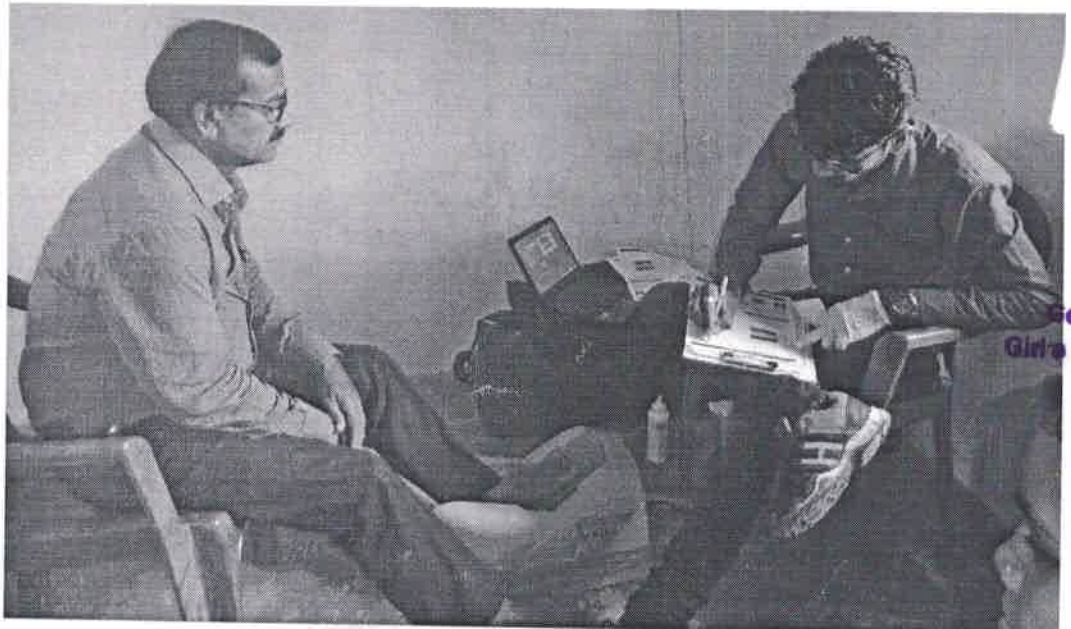

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Pata
Girls PG. College, Dur

दुर्ग शहर
रायपुर, बुधवार 9 अगस्त 2018

नवभारत 5
www.navabharat.org

गर्ल्स कॉलेज में हेल्थ चेकअप कैम्प

■ दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेडिकल सेंटर के तत्वावधान में हेल्थचेकअप कैंप का आयोजन किया गया. इस कैंप में बोनमॉस डेंसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी की जांच आधुनिक मशीनों से की गयी तथा परामर्श दिया गया.

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी कि नगर के विशेषज्ञ डॉ. के.सी. भगत एवं डॉ. अंकिता भगत के सहयोग से एक दिवसीय कैंप का निःशुल्क आयोजन किया गया. जिसमें 140 छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सकीय परामर्श दिया गया. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा महाविद्यालय का स्टॉफ,. छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया. यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने कैंप की व्यवस्था का संचालन किया.

ANCHOR गर्ल्स कॉलेज, दुर्ग में हेल्थ कैम्प

बोनपेन से बचना है तो कम न हो कैल्शियम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ शासकीय कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में हेल्थचेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बोनमॉस डेंसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी की जांच आधुनिक मशीनों से की गई। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी कि नगर के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. केसी भगत एवं डॉ. अंकिता भगत के सहयोग से एक दिवसीय कैंप का निःशुल्क आयोजन किया गया। जिसमें 140 छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया व चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

कमर या पीठ दर्द को हल्के में न लें

डॉ. केसी भगत ने बताया कि बोनमॉस डेनसिटी की जांच में सभी की उम्र, वजन और ऊंचाई के साथ बोनमॉस डेनसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी टेस्ट किया गया। महिलाओं में 40 की उम्र के बाद कैल्सियम की कमी के कारण हड्डियों में खनिज का घनत्त्व कम होने से कमर दर्द, पीठ दर्द की शिकायत आम हो गई है। अब पुरूषों में भी यह लक्षण दिखाई देते हैं। जांच में पाया गया कि अधिकांश छात्राओं में कैल्सियम की कमी पाई गई।

पैर की एड़ी में होने लगती है तकलीफ

न्यूरोपैथी मशीन के द्वारा पैर के तलुओं से जांच कर ऐड़ी और पैर में होने वाली तकलीफका भी परीक्षण किया गया। मधुमेह के रोगियों के पैरों में इस प्रकार का शिकायत मिलती है। डॉ. अंकिता भगत ने पोषण एवं आहार प्रबंध पर चिकित्सीय परामर्श भी दिया। उन्होंनें बताया कि पोषण एवं उचित खानपान से हम कई बीमारियों से बच सकते है और राहत पा सकते है। न्यूरोपैथी तकनीशियन तापस भगत, बोनमास डेनसिटी के तकनीशियन मुकेश कुमार और प्रीति ने परीक्षण कार्य किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी व अन्य प्रोफेसर्स भी मौजूद थे।

पत्रिका PLUS

भिलाई, गुरुवार, 09.08.2018

आलिया के काम से प्रभावित हैं पूर्व विश्व सुंदरी

CELEB @ SCREEN-PLAY

दुर्ग हरिभूमि 12

रायपुर, गुरुवार 9 अगस्त 2018
haribhoomi.com

कन्या महाविद्यालय में बोन डेंसिटी एवं न्यूरोपैथी की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में हेल्थचेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बोनमॉस डेंसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी की जांच आधुनिक

- हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

मशीनों से की गयी तथा परामर्श दिया गया। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी कि नगर के विशेषज्ञ डॉ. के.सी. भगत एवं डॉ. अंकिता भगत के सहयोग से एक दिवसीय कैंप का निःशुल्क आयोजन किया गया। जिसमें 140 छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

डॉ. के.सी. भगत ने बताया कि बोनमॉस डेनसिटी की जांच आधुनिक उपकरणों के माध्यम से की गयी। जिसमें सभी की उम्र, वजन और ऊँचाई के साथ बोनमॉस डेनसिटी, बॉडीमास इंडेक्स एवं न्यूरोपैथी टेस्ट किया गया। महिलाओं में 40 की उम्र के बाद कैल्सियम की कमी के कारण हड्डियों में खनिज का घनत्व कम होने से कमर दर्द, पीठ दर्द की शिकायत आम हो गयी है। अब पुरूषों में भी यह लक्षण दिखाई देते है। जांच में पाया गया कि अधिकांश छात्राओं में कैल्सियम की कमी पायी गई तथा ऐनेमिक है। पुरूषों में भी कैल्सियम की कमी पायी गयी। न्यूरोपैथी- मशीन के द्वारा पैर के तलुओं से जांच कर ऐड़ी तथा पैर में होने वाली तकलीफ का भी परीक्षण किया गया। मधुमेह के रोगियों में अधिकतर पैरों में इस प्रकार का शिकायत मिलती है। डॉ. अंकिता भगत ने पोषण एवं आहार प्रबंध पर चिकित्सीय परामर्श भी दिया। उन्होनें बताया कि पोषण एवं उचित खानपान से हम कई बिमारियों से बच सकते है और राहत पा सकते है। न्यूरोपैथी तकनीशियन तापस भगत, बोनमास डेनसिटी के तकनीशियन मुकेश कुमार तथा प्रीति ठाकुर ने सतत रूप से परीक्षण कार्य किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा महाविद्यालय का स्टॉफ, छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया। यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने कैंप की व्यवस्था का सफल संचालन किया।

दैनिक भास्कर

BHILAI-RAIPUR, THURSDAY, 09/08/2018 . 19

सिटी ACTIVITY

शिविर | गर्ल्स कॉलेज में लगे हेल्थ चेकअप कैंप में डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा

40 के बाद बोन डेंसिटी होने लगती है कम बचने के लिए खाएं हरी सब्जियां और टमाटर

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि 40 के बाद महिलाओं में कैल्शियम की कमी के कारण हड्डियों में खनिज तत्वों का घनत्व कम होने लगता है। इससे कमर और पीठ दर्द की शिकायत आम हो जाती है। इससे बचने के लिए हरी सब्जियों का उपयोग करना चाहिए। इसमें टमाटर, पालक भाजी और आयरन देने वाले स्त्रोत ज्यादा लाभदायक साबित होते हैं।

गर्ल्स कॉलेज में दुर्ग मेडिकल सेंटर के सहयोग से लगे हेल्थ चेकअप कैंप में उन्होंने कहा कि 40 के बाद महिलाओं को वेट कंट्रोल करना चाहिए, ताकि जोड़ों में ज्यादा प्रभाव न पड़े। नहीं तो जोड़ों की परेशानियां भी शुरू हो सकती हैं। साथ ही दो से तीन महीने के अंतराल में आयरन और कैल्शियम का सप्लीमेंट लेते रहना चाहिए। नियमित रूप से हल्की एक्सरसाइज भी करना जरूरी है। इससे इन परेशानियों को दूर किया जा सकता है।

गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं और स्टॉफ के सदस्यों की हड्डियों की जांच की गई।

बोनमॉस डेंसिटी, बॉडी मॉस और न्यूरोपैथी टेस्ट किया

कैंप में उपस्थित छात्राओं और प्राध्यापिकाओं समेत शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टॉफ के सदस्यों का बोन मॉस डेनसिटी, बॉडी मॉस और न्यूरोपैथी टेस्ट किया गया। इसके लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया। सभी की उम्र, वजन और ऊंचाई की नाप ली गई। उन्हें आयरन और कैल्शियम सप्लीमेंट लेने के तरीके बताए।

पुरुषों में भी हो रही हड्डियों की कमजोरी : डॉ. केसी भगत

डॉ. केसी भगत ने बताया कि महिलाओं के साथ अब पुरुषों में भी ऐसे लक्षण दिखने लगे हैं। ऐसे में नियमित एक्सरसाइज वेट कंट्रोल ही सबसे बढ़िया साधन है। जरूरत पड़ने पर आयरन और कैल्शियम सप्लीमेंट ले सकते हैं। दवाइयां लेने के पहले अपने फिजिशियन से सलाह अवश्य लें। उनके परामर्श के बाद ही दवाइयां शुरू करें।

140 छात्राओं की हुई जांच

कैंप में कॉलेज की 140 छात्राओं की बोन डेनसिटी, बॉडी मॉस इंडेक्स और न्यूरोपैथी टेस्ट किया गया। इसमें अधिकांश छात्राएं खून की कमी और कमजोर हड्डियों वाली मिली। इसके अलावा पुरुष स्टॉफ के सदस्यों में भी ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण दिखाई दिए। उन्हें कैल्शियम और आयरन सप्लीमेंट लेने के लिए कहा गया। नियमित हल्की एक्सरसाइज और योग आदि करने की सलाह दी गई।

एड़ी और पैर की भी जांच की

शिविर में जांच के लिए आए लोगों के पैर के तलुवा, एड़ी और पैरों में होने वाली तकलीफों की जांच की गई। यह जांच मधुमेह की आशंका में की गई। क्योंकि शिविर में आए लोगों ने जो लक्षण बताए उसके आधार पर न्यूरोपैथी जांच की गई। डॉ. अंकिता भगत ने उन्हें पोषण एवं आहार प्रबंध पर चिकित्सीय परामर्श दिया। उन्हें मौसम के अनुसार अपने खान पान के तरीकों में बदलाव लाने को कहा गया। इससे बीमारियों को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। इससे तकलीफ कम होगी और राहत भी मिलेगी। समय समय पर चिकित्सक की सलाह भी लें। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र शर्मा, यूथ रेडक्रॉस की छात्राएं और स्टॉफ के सदस्य उपस्थित थे। इसमें तापस भगत, मुकेश कुमार और प्रीति ठाकुर ने सहयोग किया।

गर्ल्स कॉलेज में यूथ रेडक्रॉस ने डेंगू के लिए जागरूकता अभियान चलाया

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राओं ने अंचल में फैले 'डेंगू' के प्रति जागरूकता लाने तथा बचाव के सुरक्षात्मक उपायों पर अभियान शुरू किया है। यूथरेडक्रॉस की टीम ने प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश के मार्गदर्शन में महाविद्यालय की समस्त छात्राओं को डेंगू से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे फील्ड में जाकर तथा अपने मोहल्ले व आसपास में इसका प्रचार–प्रसार करें व पानी के जमाव को हटाने व स्वच्छता के लिये प्रेरित कर सकें।

इस संबंध में महाविद्यालय में पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी है जो डेंगू के लक्षणों, कारणों व उससे बचाव के तरीकों को प्रदर्शित करती है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राएँ इस अभियान में समर्पित होकर कार्य कर रही है। महाविद्यालय में सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एम. एल. अग्रवाल के सौजन्य से डेंगू के बचाव के लिये होम्योपैथिक दवा का भी वितरण किया जा रहा है।

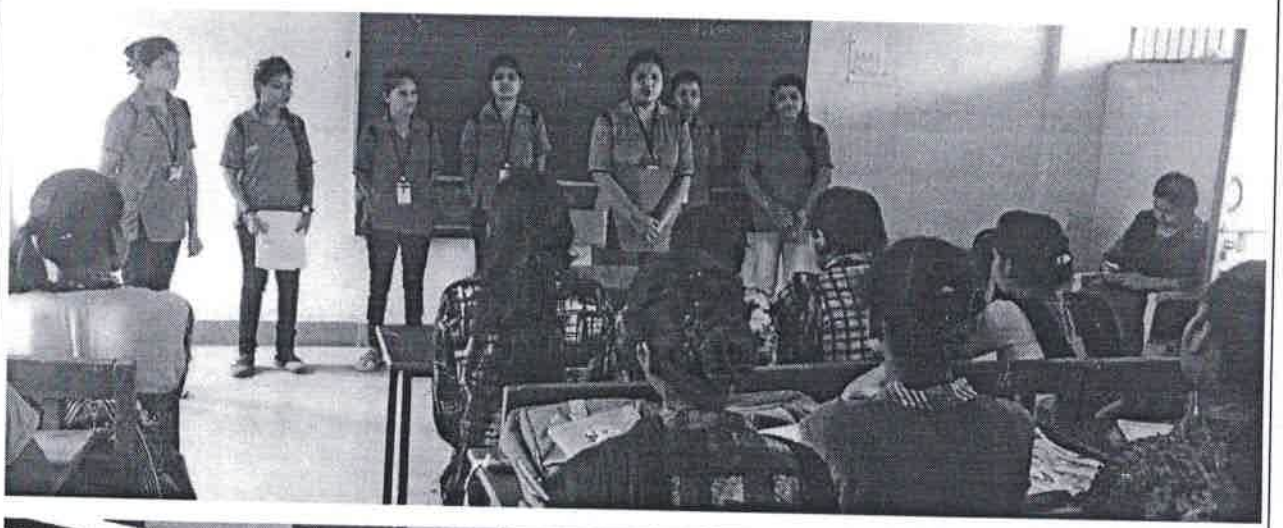

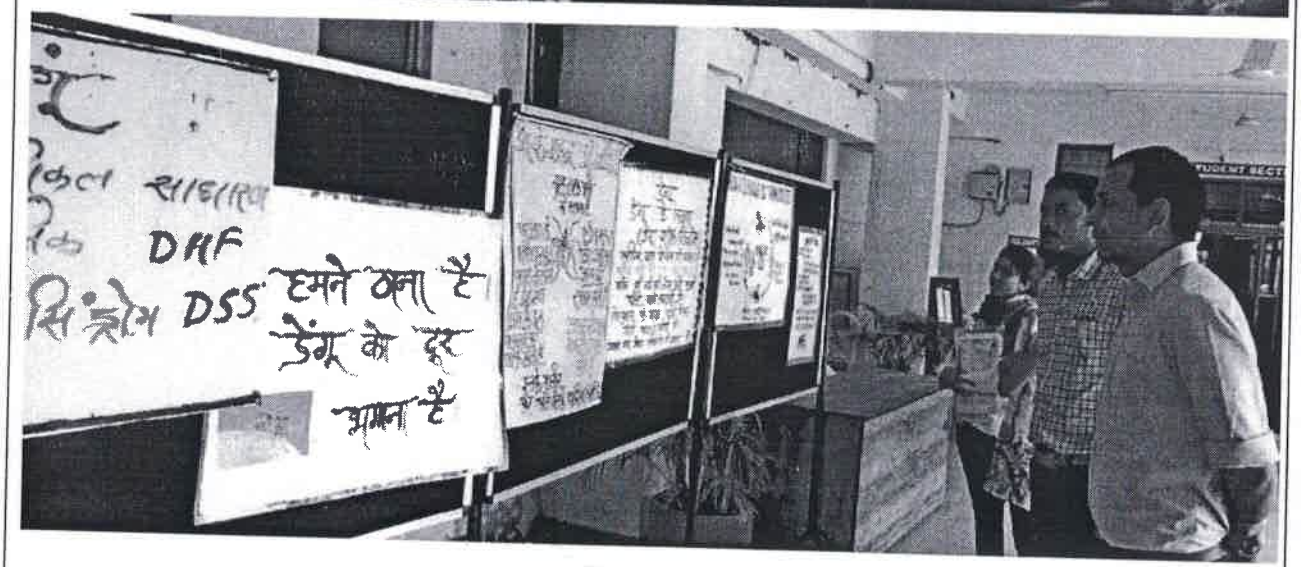

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 10.08.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में यूथ रेडक्रॉस ने डेंगू के लिए जागरूकता अभियान चलाया

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राओं ने अंचल में फैले 'डेंगू' के प्रति जागरूकता लाने तथा बचाव के सुरक्षात्मक उपायों पर अभियान शुरू किया है। यूथरेडक्रॉस की टीम ने प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश के मार्गदर्शन में महाविद्यालय की समस्त छात्राओं को डेंगू से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे फील्ड में जाकर तथा अपने मोहल्ले व आसपास में इसका प्रचार–प्रसार करें व पानी के जमाव को हटाने व स्वच्छता के लिये प्रेरित कर सकें।

इस संबंध में महाविद्यालय में पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी है जो डेंगू के लक्षणों, कारणों व उससे बचाव के तरीकों को प्रदर्शित करती है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राएँ इस अभियान में समर्पित होकर कार्य कर रही है। महाविद्यालय में सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एम. एल. अग्रवाल के सौजन्य से डेंगू के बचाव के लिये होम्योपैथिक दवा का भी वितरण किया जा रहा है।

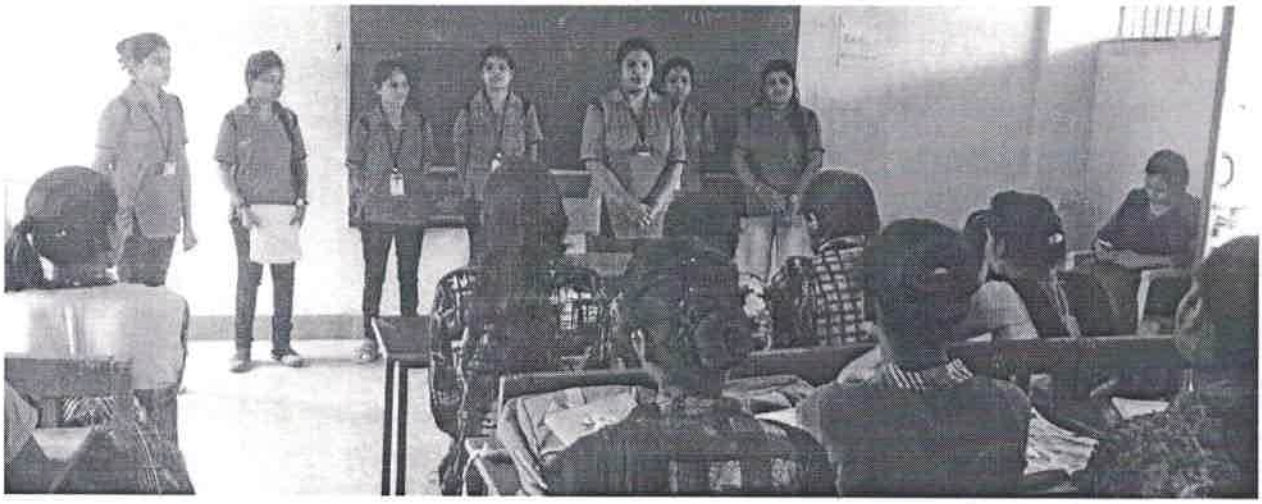

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr ... Patankar
Girls P.G. College ... (C.G.)

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

Report

Dengue Survey

04 September 2018

दिनांक 04-09-2018 को सुबह एस कॉलेज एवं गृहविज्ञान की 40 छात्राओं द्वारा पद्मनाभपुर दुर्ग स्थित 26 निवास में डेंगू जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान, 'दस्तक' के अंतर्गत सर्वे का कार्य, एस कॉलेज प्रभारी डा रेशमा लाकेश के मार्गदर्शन में किया गया. सर्वे में किसी भी निवास / स्थान में डेंगू के कोई मरीज नहीं पाये गये, एवं समस्त घर साफ-सफाई युक्त मिले. सभी नागरिक पूर्णतः जागरूक होने के कारण, किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक स्थिति नहीं पाई गई।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग

~~राष्ट्रीय सेवा योजना~~ Youth Red Cross

डेंगू ,जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान

दस्तक

Padmanpur Durg

क.	परिवार के मुखिया का नाम	सदस्यों की संख्या	क्या परिवार में कोई अस्वस्थ / बुखार से ग्रसित है?	यदि हॉ तो उस व्यक्ति की अस्पताल में जॉच कराई है?	क्या बुखार से पीड़ित व्यक्ति की डेंगू जांच कराई है?	डेंगू पीड़ित व्यक्ति को हॉस्पिटल में एड्मिट कराया है?	डेंगू पीड़ित व्यक्ति हॉस्पिटल से लौटने के बाद स्वस्थ है?	क्या घर में कूलर है? कूलर के पानी की सफाई की है या नहीं?	घर में स्वक्षता की स्थिति कैसी है?	रिमार्क
1	Hari Shankar Rajput	5	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
2	A.K. Verma	3	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
3	P.J. Yoghan	3	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	OK	
4	D.S. Siddiqui	5	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
5	G. Rama Rao	6	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	OK	
6	Rajendra Surana	6	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
7	Ashok Vajpai	4	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
8	V.K. Babu	5	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
9	Manju Theran	6	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
10	Ratnakar Rao	3	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
11	Aneel Arora	4	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
12	Rajeev Sehgal	3	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	Ok	
13	Arun Vora	4	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Clean	OK	

Dr Reshma Lakesh

हेमचदं यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग Tozeth

~~राष्ट्रीय सेवा योजना~~ Red Cross

डेंगू ,जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान

दस्तक Padmanabhpur Durg

क.	परिवार के मुखिया का नाम	सदस्यों की संख्या	क्या परिवार में कोई अस्वस्थ / बुखार से ग्रसित है?	यदि हॉ तो उस व्यक्ति की अस्पताल में जॉच कराई है?	क्या बुखार से पीड़ित व्यक्ति की डेंगू जांच कराई है?	डेंगू पीड़ित व्यक्ति को हॉस्पिटल में एड़मिट कराया है?	डेंगू पीड़ित व्यक्ति हॉस्पिटल से लौटने के बाद स्वस्थ है?	क्या घर में कूलर है? कूलर के पानी की सफाई की है या नहीं?	घर में स्वक्षछता की स्थिति कैसी है?	रिमार्क
1	Dr. Sunil Agrawal	5	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	–
2	Anuradha Falkee	4	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	clean	ok	
3	P.K. Thakur	6	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	–
4	Saba G. Mathew	5	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
5	Nirmal Manji	6	Nil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok.	
6	Goverdhan Lal Chandrakar	5	Nil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
7	R.K. Jain	6	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
8	Anil Shrivastav	5	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
9	Shubham Gawai	12	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
10	Pramod Modi	8	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
11	Preeti Bedi	10	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
12	Lalita Sharma	5	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	ok	
13	Lalita Khare	4	Neil	Neil	Neil	Neil	Neil	Clean	OK.	

Sushma

रिपोर्ट

डेंगू जागरुकता एवं नियंत्रण अभियान

दस्तक - 04 सितंबर 2018

डेंगू जागरुकता एव नियंत्रण अभियान "दस्तक" के अंतर्गत यूथ रेड क्रास एव गृह विज्ञान की 40 छात्राओं द्वारा पदमनाभपुर दुर्ग स्थित 26 निवासों का सर्वे किया गया।

यूथ रेड क्रास प्रभारी डॉ रेशमा लकेशा के मार्गदर्शन में किया गया इस सर्वे में किसी भी निवास/स्थान डेंगू के कोई रोगी नहीं पाये गये, सभी नागरीक पुर्णतः ~~[illegible]~~ जागरुक होने के कारण किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिती/गंदगी नहीं देखी गई।

डॉ. रेशमा लकेशा
प्रभारी
यूथ रेड क्रास

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक : 13.08.2018

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने चलाया डेंगू जागरूकता अभियान
होम्योपैथिक दवा का किया गया वितरण

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने रूचि शर्मा के नेतृत्व में डेंगू के लिए जागरूकता अभियान के अर्न्गत वार्ड क्र. 48 एवं उसके आसपास की बस्तियों का सघन भ्रमण किया। छात्राओं ने कूलर के पानी को निकालने तथा आसपास एकत्र पानी के निकासी के लिए वार्ड वासियों के साथ अभियान छेड़ा। घर–घर जाकर डेंगू से बचाव के उपाय बताए तथा साफ–सफाई भी की।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव के मार्गदर्शन में छात्राएँ हर दिन एक वार्ड में जाकर अभियान चला रही है। आज महाविद्यालय में डॉ. एम.एल. अग्रवाल के मार्गदर्शन में छात्राओं को होम्योपैथिक दवा का वितरण किया गया।

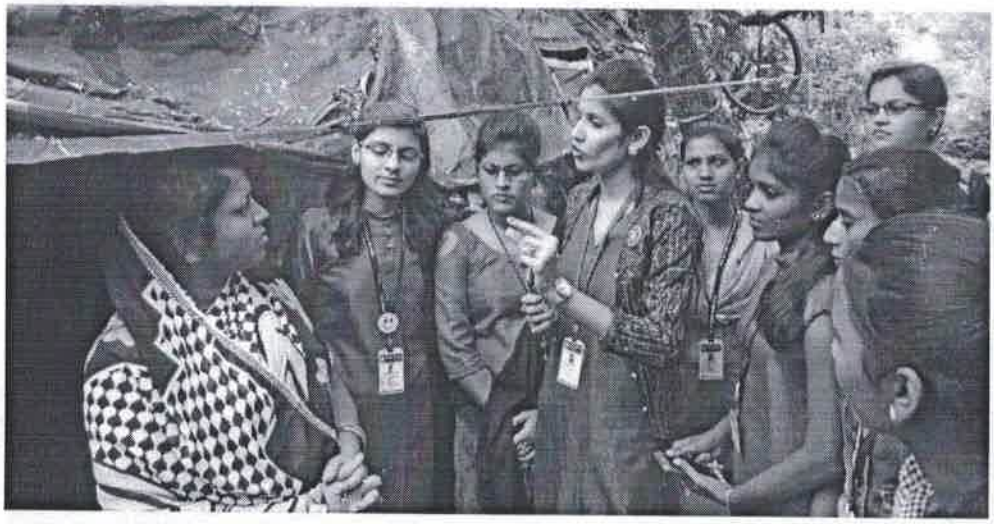

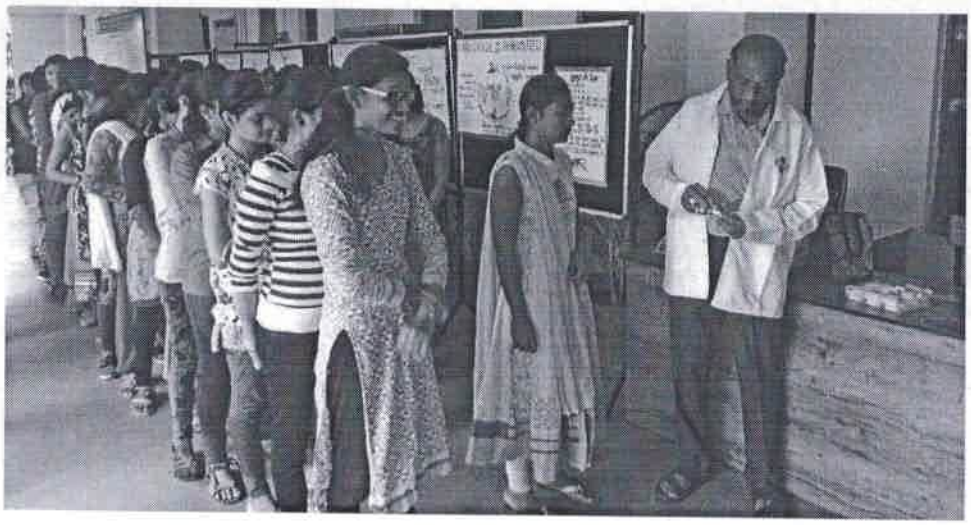

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

पेपर कटिंग

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने चलाया डेंगू जागरूकता अभियान

दुर्ग. शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने रूचि शर्मा के नेतृत्व में डेंगू के लिए जागरूकता अभियान के **अन्तर्गत वार्ड 48 एवं उसके आसपास की बस्तियों का भ्रमण किया. छात्राओं ने कूलर के** पानी को निकालने तथा आसपास एकत्र पानी के निकासी के लिए वार्डवासियों **के साथ अभियान छेड़ा. घर-घर जाकर डेंगू से बचाव के उपाय बताए तथा साफ-सफाई भी की. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव के मार्गदर्शन में छात्राएं हर** दिन एक वार्ड में जाकर अभियान चला रही है. कॉलेज **में डॉ.** एमएल अग्रवाल के मार्गदर्शन में छात्राओं को **होम्योपैथिक दवा का वितरण किया गया.**

खबर संक्षेप

होम्योपैथिक दवा का किया गया वितरण

दुर्ग। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने रूचि शर्मा के नेतृत्व में डेंगू के लिए जागरूकता अभियान के अन्तर्गत वार्ड 48 एवं उसके आसपास की बस्तियों का भ्रमण किया। छात्राओं ने कूलर के पानी को निकालने तथा आसपास एकत्र पानी के निकासी के लिए वार्ड वासियों के साथ अभियान छेड़ा। घर-घर जाकर डेंगू से बचाव के उपाय बताए तथा साफ-सफाई भी की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव के मार्गदर्शन में छात्राएं हर दिन एक वार्ड में जाकर अभियान चला रही है। आज महाविद्यालय में डॉ. एम.एल. अग्रवाल के मार्गदर्शन में छात्राओं को होम्योपैथिक दवा का वितरण किया गया।

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने चलाया डेंगू जागरूकता अभियान, बांटी दवा

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने रूचि शर्मा के नेतृत्व में डेंगू जागरूकता अभियान के अर्न्गत वार्ड क्र. 48 एवं उसके आसपास की बस्तियों का सघन भ्रमण किया। छात्राओं ने कूलर के पानी को निकालने तथा आसपास एकत्र पानी के निकासी के लिए वार्ड वासियों के साथ अभियान छेड़ा। घर-घर जाकर डेंगू से बचाव के उपाय बताए तथा साफ-सफाई भी की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी धुरव के मार्गदर्शन में छात्राएँ हर दिन एक वार्ड में जाकर अभियान चला रही है। आज महाविद्यालय में डॉ. एम.एल. अग्रवाल के मार्गदर्शन में छात्राओं को होम्योपैथिक दवा का वितरण किया गया।

घर-घर जा रही हैं गर्ल्स कॉलेज की छात्राएं

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने रुचि शर्मा और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव के मार्गदर्शन में डेंगू के लिए जागरूकता अभियान चलाया। वार्ड 48 एवं उसके आसपास की बस्तियों में घर-घर जाकर कूलर के पानी को निकालने तथा आसपास एकत्र पानी की निकासी के लिए वार्डवासियों के साथ अभियान छेड़ा। डेंगू से बचाव के उपाय बताए तथा साफ- सफाई भी की।

28 & 29 SEP 2017

"स्वाइन फ्लू" की दवा का वितरण

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में यूथ रेडक्रास इकाई के तत्वाधान में डॉ. मोहन अग्रवाल के सौजन्य से छात्राओं को "स्वाइन फ्लू" की दवा खिलाई गयी। डॉ. अग्रवाल की उपस्थिति में छात्राओं को स्वाइन फ्लू से बचाव एवं उसके लक्षणों के विषय में जानकारी दी गयी तथा 1500 छात्राओं को दवा खिलाई गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल, डॉ.के.एल.राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर आदि उपस्थित थे।

27.10.18

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

रिपोर्ट

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. आकांक्षा दानी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेन्टर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन हेतु सेमीनार का आयोजन किया गया।

सुप्रसिद्ध मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्तादानी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है। हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते है जिससे छोटी–छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती है। उन्होनें अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हत्तोसाहित हो जाते है और धीरे–धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है। छात्राएँ ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है।

डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएँ भी छोटी–छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है। हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बढ़ाए रखना है जिसके अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टीप्स दिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है जिससे हमें नुकसान ही होता है। उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जावे तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी–छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊँचा रख कर ही सफल हो सकते है।

छात्राओं ने अपनी समस्याओं को विशेषज्ञ से पूछा और उसका निदान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राएँ, प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

(डॉ. रेशमा लाकेश)
प्रभारी प्राध्यापक
यूथ रेडक्रॉस इकाई

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0वा0 पांटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

पेपर कटिंग

मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी

शनिवार को सेमिनार में दौरान लोगों को जागरुक करते चिकित्सक।

दुर्ग(वि.)। पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेंटर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया।

मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्ताटानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है। हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते हैं इससे छोटी-छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती हैं।

उन्होंने अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हतोत्साहित हो जाते हैं और धीरे-धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है। छात्राएं ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है। डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएँ भी छोटी-छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है। हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बढ़ाए रखना है जिसके

कन्या महाविद्यालय में हुआ सेमिनार

अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टिप्स दिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है जिससे हमें नुकसान ही होता है। उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जावे तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी-छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊंचा रख कर ही सफल हो सकते है। छात्राओं ने अपनी समस्याओं को विशेषज्ञ से पूछा और उसका निदान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राएं, प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.G.)

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्णः डॉ. आकांक्षा

हरिभूमि न्यूज >> दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेन्टर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत

- कन्या महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन हेतु सेमीनार का आयोजन किया गया।

मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्तादानी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है। हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते है जिससे छोटी-छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती है। उन्होंने अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हतोत्साहित हो जाते है और धीरे-धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है। छात्राएं ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है।

डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएं भी छोटी-छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है। हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बनाए रखना है जिसके अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टिप्स दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है जिससे हमें नुकसान ही होता है। उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जाये तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी-छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊंचा रख कर ही सफल हो सकते है।

छात्राओं ने अपनी समस्याओं को विशेषज्ञ से पूछा और उसका निदान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राएं, प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण-डॉ. आकांक्षा

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेडिकल सेन्टर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया.

सुप्रसिद्ध मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्तादानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है. हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते है जिससे छोटी-छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती है. उन्होंने अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हतोत्साहित हो जाते है और धीरे-धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है. छात्राएं ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है.

डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएं भी छोटी-छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है. हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बनाए रखना है, जिसके अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है. मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टीप्स दिए.इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है, जिससे हमें नुकसान ही होता है. उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जावे तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा. इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी-छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊंचा रख कर ही सफल हो सकते है.छात्राओं ने अपनी समस्याओं को विशेषज्ञ से पूछा और उसका निदान प्राप्त किया. इस अवसर पर छात्राएं, प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे. आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया.

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) पिनकोड–491001, फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

कॉलेज कोड : 1602

दुर्ग, दिनांक : 03.10.2018

यूथ रेडक्रॉस इकाई

स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प

दिनांक 06 अक्टूबर 2018 शनिवार को प्रातः 11:00 बजे से महाविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प आयोजित है जिसमें शहर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक उपस्थित रहेगें।

(1) हृदय रोग विशेषज्ञ

(2) स्त्री रोग विशेषज्ञ

(3) नेत्र रोग विशेषज्ञ

(4) दंत रांग विशेषज्ञ

छात्राएँ इस कैम्प का लाभ उठावें।

प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patenkar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 13.10.2018

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विगत दिनों मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। नगर की समाजसेवी संस्था सत्य शिवम सुंदरम समिति एवं महाविद्यालय की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान में आयोजित इस कैम्प में हृदयरोग, दंत रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, सामान्य स्वास्थ्य के विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित थे। कैंप के संबंध में सुप्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. सुप्रीत चोपड़ा ने बताया कि उनकी संस्था लगातार विभिन्न ग्रामों में तथा स्कूलों एवं महाविद्यालयों में इस तरह के कैम्प आयोजित कर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही दवाएँ भी निःशुल्क उपलब्ध कराते है। इस कैम्प में सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. आकाश बख्शी, डॉ. राहुल गुलाटी, डॉ. रंजन सेनगुप्ता, डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ. वर्षा ठाकुर, डॉ. गौरव आदि उपस्थित थे।

यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मेगा कैम्प का छात्राओं को बहुत लाभ मिला। नेत्र विशेषज्ञ से जहाँ नेत्र परीक्षण कराया वहीं डॉ. सुप्रीत चोपड़ा ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण और काउंसिलिंग भी की।

सत्यम शिवम सुंदरम समिति के सभी पदाधिकारीयों ने कैम्प की व्यवस्था में लगातार सक्रिय रहें। कैम्प का लाभ महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भी उठाया।

बीपी, ई.सी.जी. ब्लड शुगर की जांच की भी सुविधा कैम्प में उपलब्ध थी। कैम्प के संचालन में यूथ रेडक्रॉस एवं राष्ट्रीय सेवा योजना तथा ग्रीन आर्मी की छात्राओं के साथ ही स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कु. सीमा, अल्पना, खेमलाल, लोमश, मौसमी एवं पूजा तिवारी निरंतर व्यवस्था में लगी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विगत दिनों मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। नगर की समाजसेवी संस्था सत्यम शिवम सुंदरम समिति एवं महाविद्यालय की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान में आयोजित इस कैम्प में हृदयरोग, दंत रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, सामान्य स्वास्थ्य के विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित थे। कैंप के संबंध में सुप्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. सुप्रीत चोपड़ा ने बताया कि उनकी संस्था लगातार विभिन्न ग्रामों में तथा स्कूलों एवं महाविद्यालयों में इस तरह के कैम्प आयोजित कर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही दवाएँ भी निःशुल्क उपलब्ध कराते है। इस कैम्प में सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. आकाश बख्शी, डॉ. राहुल गुलाटी, डॉ. रंजन सेनगुप्ता, डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ. वर्षा ठाकुर, डॉ. गौरव आदि उपस्थित थे।

यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मेगा कैम्प का छात्राओं को बहुत लाभ मिला। नेत्र विशेषज्ञ से जहाँ नेत्र परीक्षण कराया वहीं डॉ. सुप्रीत चोपड़ा ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण और काउंसिलिंग भी की।

सत्यम शिवम सुंदरम समिति के सभी पदाधिकारीयों ने कैम्प की व्यवस्था में लगातार सक्रिय रहें। कैम्प का लाभ महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भी उठाया।

बीपी, ई.सी.जी. ब्लड शुगर की जांच की भी सुविधा कैम्प में उपलब्ध थी। कैम्प के संचालन में यूथ रेडक्रॉस एवं राष्ट्रीय सेवा योजना तथा ग्रीन आर्मी की छात्राओं के साथ ही स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कु. सीमा, अल्पना, खेमलाल, लोमश, मौसमी एवं पूजा तिवारी निरंतर व्यवस्था में लगी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

नवभारत 5

दुर्ग शहर

रायपुर, सोमवार 22 अक्टूबर 2018

सुप्रीत चोपड़ा हार्ट फाउण्डेशन ने कई स्थानों पर लगाए स्वास्थ्य शिविर

110 हार्ट मरीजों की निःशुल्क एंजियोग्राफी कराई

भिलाईनगर. मानव सेवा ही माधव सेवा है. इसी युक्ति को लेकर शहर की संस्था सुप्रीत चोपड़ा हार्ट फाउण्डेशन द्वारा हृदय रोग से पीड़ित मरीजों की सेवा के लिए अब तक 125 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर उनका इलाज किया. शिविर में निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कर[illegible]. यह शिविर शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों व शैक्षणिक संस्थाओं में भी लगाया गया. शिविर में श्री सत्य सांई सेवा समिति दुर्ग, ओम सत्यम शिक्षा एवं जन सेवा समिति तथा सत्यम शिवम सुन्दरम सेवा समिति के सहयोग से इस सेवा कार्य की लोगों द्वारा सराहना की जा रही है. शिविर में फाउण्डेशन के बैनर तले हृदय रोग विशेषज्ञ के अलावा अलग-अलग रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक भी अपनी सेवाएं

स्वास्थ्य शिविर के दौरान चिकित्सक व समिति के सदस्यगण.

देते आ रहे है. फाउण्डेशन की डॉ. सुप्री[illegible] चोपड़ा ने जानकारी दी कि आगे भी आ[illegible] वाले समय में इस तरह के निःशुल्[illegible] शिविर लगाकर गरीब मरीजों को सेव[illegible] उपलब्ध कराई जाएगी. उन्होंने जानका[illegible] दी कि 45 हृदय रोगियों का अब त[illegible] निःशुल्क सर्जरी की जा चुकी है. शिवि[illegible] में ईसीजी, ईको व ईटीसी की जांच [illegible] निःशुल्क की जाती है. गत दिनों कन्य[illegible] महाविद्यालय में लगाए गए शिविर को [illegible] अच्छा रिस्पांश मिला. यहां 1 हजा[illegible] छात्राओं का विभिन्न चिकित्सकों द्वार[illegible] उपचार किया गया. शिविर में रक्ष[illegible] अभियान, ज्ञान अभियान की [illegible] जानकारी दी गई. इस दौरान ओम सत्यम शिक्षण समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सचिव दिलीप सिंह ठाकुर, विजय ताम्रकार सहित अन्य सदस्य मौजूद थे.

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 27.10.2018

प्रेस विज्ञप्ति

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. आकांक्षा दानी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेन्टर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन हेतु सेमीनार का आयोजन किया गया।

सुप्रसिद्ध मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्तादानी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है। हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते है जिससे छोटी–छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती है। उन्होनें अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हत्तोसाहित हो जाते है और धीरे–धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है। छात्राएँ ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है।

डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएँ भी छोटी–छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है। हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बढ़ाए रखना है जिसके अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टीप्स दिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है जिससे हमें नुकसान ही होता है। उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जावे तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी–छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊँचा रख कर ही सफल हो सकते है।

छात्राओं ने अपनी समस्याओं को विशेषज्ञ से पूछा और उसका निदान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राएँ, प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. आकांक्षा दानी

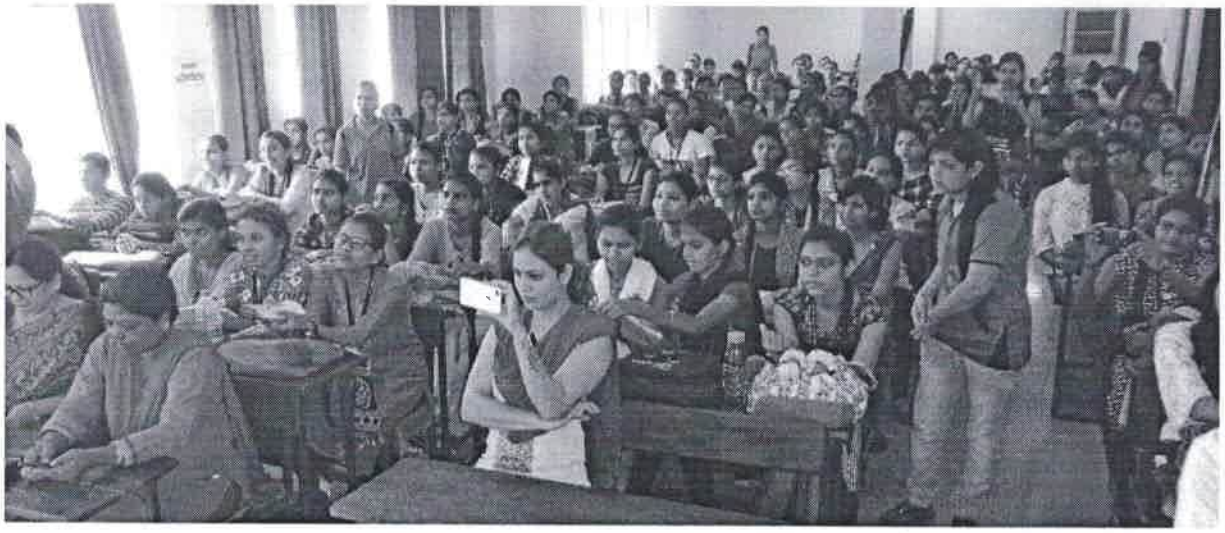

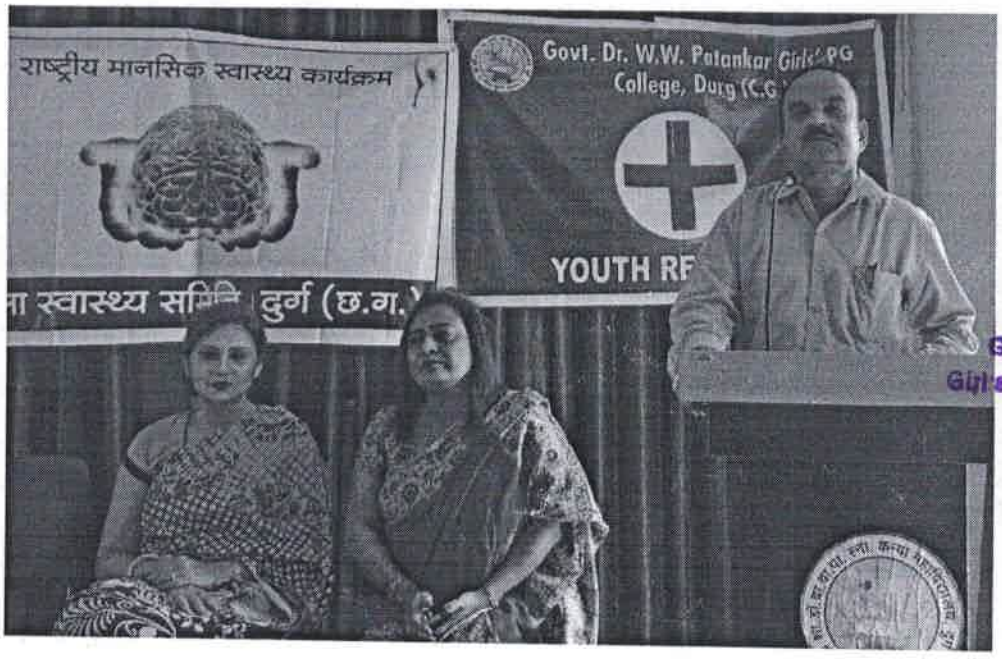

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patan
Girls PG. College, Durg

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. आकांक्षा दानी

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेन्टर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन हेतु सेमीनार का आयोजन किया गया।

सुप्रसिद्ध मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्तादानी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है। हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते है जिससे छोटी–छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती है। उन्होनें अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हत्तोसाहित हो जाते है और धीरे–धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है। छात्राएँ ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है।

डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएँ भी छोटी–छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है। हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बढ़ाए रखना है जिसके अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टीप्स दिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है जिससे हमें नुकसान ही होता है। उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जावे तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी–छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊँचा रख कर ही सफल हो सकते है।

छात्राओं ने अपनी समस्याओं को विशेषज्ञ से पूछा और उसका निदान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राएँ, प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्णः डॉ. आकांक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेन्टर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत

■ कन्या महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन हेतु सेमीनार का आयोजन किया गया।

मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्तादानी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है। हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते है जिससे छोटी-छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती है। उन्होंने अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हतोत्साहित हो जाते है और धीरे-धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है। छात्राएं ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है।

डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएं भी छोटी-छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है। हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बढ़ाए रखना है जिसके अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टिप्स दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है जिससे हमें नुकसान ही होता है। उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जावे तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी-छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊंचा रख कर ही सफल हो सकते है।

छात्राओं ने अपनी समस्याओं को विशेषज्ञ से पूछा और उसका निदान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राएं, प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

6|10|2018 World Mental Health Awareness Week
WORKSHOP Govt Dr Waman Wasudev Patankar Girls PG C

	Name		Sign	
1	Dr. R.K. Khandelwal	NMHP Nodal officer		78
				79
2	Dr. Akanksha Gupta Dani	Consultant Psychiatrist (MD)		80
				81
				82
3	Dr. S.C. Tiwari Principal	Govt. Girls PG College DURG	S2 16.10.18	83
				84
				85
4	Dr. Lata Meshram	—x—	[signature]	86
5	Mrs. Vandana Sharma		Sharma	87
6	Dr Anuja Chauha	—II—	[signature]	88
7	Rajni Toppo		Rajni	89
8	Soniya Sahu		Soniya	90
9	Pushpanjali Pahri		Pushpanjali	91
10	Sharda Lakra		Sharda	92
11	Devmani Painkra		Devmani	93
12	Smita Lakra		Smita	94
13	Geetika Sahu		Geetika	95
14	Harsha Sagar		Sagar	96
15	Roopa Baghel		RB	97
16	Pallavi Barik		[signature]	98
17	Naina Mandavi		Naina	99
18	Minali Sahu		minali	100
19	Tankee Sahu		[signature]	101
20	Payal Tiesham		Payal	102
21	Annu meshram		Annu	103
22	Thileshwari Sahu		T Sahu	104
23	Bhawna Yadav		Bhw	105
24	Ritu Sahu		Sahu	

S2
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

	Name	Sign
25	Neha	Neha
26	Yashoda	Yashoda
27	Ekta Koumary	Ekta
28	Dameshwari Sahu	D.Sahu
29	Binu sen	Binusen
30	Alsaba	Alsa
31	Kanchan Banjare	Kanchan
32	Barkha Paul.	Barkha.
33	Rukhmani sen	Rsen
34	Suman Sen	Suman Sen
35	Swati Deshmukh	Swati
36	Lalita Deshmukh	Lalita
37	Sonali Pandey	Sonali.
38	Anjali Dewangan	Anjali
39	Preeti Lahre	Preeti
40	Soniya Sahu	S.Sahu
41	Bhanupriya Sahu	B.Sahu
42	Roshani Sahu.	Roshani
43	Nilima Sahu	Nilima Sahu
44	Kavita Sahu	K.Sahu
45	Pragya Vaishnav	Pragya
46	Kavita Yadav	K.yadav
47	Kavita Baghel	Kavita
48	Neha Kumari	Neha
49	madhuri Devi	Madhuri
50	Jogeshwari Usendi	Jogeshwari
51	Kajal Sahu	Kajal
52	Uma Dhankar	Uma.
53	Pooja Nishad	Pooja

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

	Name	Sign
54	Hinakshi Karchal	Hinakshi Karchal
55	Durga Amlary	Durga
56	Mitali Sahu	Mitali
57	Priya chandwalkar	Priya
58	Hansa sahu	Hansa
59	Pramodini Netam	Prabi
60	Dipika sahu	Sahu
61	S. Ramani	Ramani
62	SHARDA SAHU	Sharda
63	Kumudni Deshmukh	Kumj
64	Meera Sahu	Meera Sahu
65	Taminee Sahu	Taminee
66	Bhavika Chandrakar	B.C
67	Nishita chandrakar	[illegible]
68	Piyusha Deshmukh	[illegible]
69	Savitri Nagarchi	Savitri
70	Bhoomika Sahu	Bhoomika Sahu
71	Sonam Bansod	Bansod
72	Hema Arora	Hema
73	Trishla Goswami	Trishla
74	Nishi Sinwankar	Nishi
75	Dhaleshwari	Sahu
76	Tarinee	Tarinee
77	Pushplata	Sahu

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

Neek Girls PG College, Durg Patankar October 2018

	Name	Sign
78	Khomeshwari Deshmukh	[signature]
79	Jaishri Sahu	Jaishri
80	Chuneshwari Sahu	[signature]
81	Anjali Mahilra	Anjali
82	Priya Chandel	Chandel
83	Dhaneshwari Jangde	[signature]
84	Nisha Sahu	Nisha
85	Aarya Sahu	Aarya
86	Muskan Soni	Muskan
87	kalyani Sinha	kalyani sinha
88	Payal Patel	Payal
89	Hemkiran Sahu	Sahu
90	Divya Sahu	Sahu
91	Seema	[signature]
92	Yashoda	Yashoda
93	Sukiran Singh	Sukiran
94	Kavita Gupta	Gupta
95	Himani deepak	Himani
96	Hemlata Soni	Hemlata
97	Payal Chandel	Payal
98	Manisha Bhuarya	Manisha
99	Kiran Verma	Kiran
100	GAYATRI	Gayatri
101	Manisha Sahu	Manisha sahu
102	Geetika Uikey	Geetika
103	डॉ. आंकिता नवरंग	आंकिता
104	डॉ. उषा नारणी	डॉ. उषा नारणी
105	Tripti Gondane	Gondane

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls P.G. College, Durg (C.G.)

	Name	Sign
106	Ruchi Mahobia	R mahobia
107	Daminee	डामिनी
108	Nikita Dewangan	Nikita
109	Mitali jalkare	Mitali
110	Heema Sahu	H sahu
111	Nilima Sirmour	N sirmour
112	Lalli Dewangan	Lalli
113	Neelam Dewangan	Neelam
114	Poonam Gawasina	Poonam
115	Tikeshwari Krishan	[illegible]
116	Jyoti Dhruw	Jyoti
117	Geetanjali Netam	Geetanjali
118	Khushboo Deshmukh	K Deshmukh
119	Nidhi Sahu	N sahu
120	Geetanjali	G sahu
121	Deepa Yadav	दीपा यादव
123	Roshani Sahu	Roshani
124	Prachi Dewangan	Prachi
125	Suchana Netam	S Netam
126	Vikeshwari Netam	Vikesh
127	Vijaylaxmi Mandavi	Vijaylaxmi
128	Uroog Khan	Urooj Khan
129	Pallavi Deshmukh	Pallavi
130	Kamini Sahu	Kamini
131	Damini Sahu	Damini
132	Hina Dewangan	H
133	Rajlaxmi Nisad II[nd] year B.A	Rajlaxmi
134	Swati Umare II[nd] year B.A	Swati
135	Jagriti Chauhan II[nd] year B.A.	Jagriti

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य परीक्षण कैंप

दुर्ग, 25 नवंबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में संचालित मेडिकल सेंटर में ''स्वास्थ्य' जागरूकता एवं परीक्षण अभियान के अंतर्गत कैंप लगाया गया। स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या नागरिया ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं चिकित्सीय परामर्श दिया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत यह चौथा कैंप था, 60 छात्राओं को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। 37 छात्राओं को निम्न रक्तचाप से संबंधित सलाह दी गयी। यूथरेडक्रास के स्वयं सेवकों ने कैंप की व्यवस्था का संचालन किया। मेडिकल सेंटर में चिकित्सीय जांच के अलावा औषधियाँ भी उपलब्ध है। डॉ. रेशमा ने बताया कि शीघ्र ही नेत्र परीक्षण शिविर भी लगाया जावेगा। इस कैंप में दामिनी साहू चिकित्सा सहायक का सक्रिय योगदान रहा।

प्राचार्य ने छात्रों को दिलाई राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ

गर्ल्स कॉलेज में एकता और अखंडता की शपथ लेते स्टूडेंट्स।

भिलाई/गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में सोमवार को कॉलेज प्राचार्य के द्वारा छात्राओं और शिक्षकों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई। जिसमें सभी ने आपस में एकता बनाए रखने की बात कहते हुए शपथ ली। संविधान संविधान दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। आगे कार्यक्रम में एनएसएस इकाई और राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान वाणिज्य विभाग में संविधान की उद्देशिका का पठन भी किया गया।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 08.09.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"स्वाइन फ्लू" की दवा का वितरण

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में यूथ रेडक्रास इकाई के तत्वाधान में डॉ. मोहन अग्रवाल के सौजन्य से छात्राओं को "स्वाइन फ्लू" की दवा खिलाई गयी। डॉ. अग्रवाल की उपस्थिति में छात्राओं को स्वाइन फ्लू से बचाव एवं उसके लक्षणों के विषय में जानकारी दी गयी तथा 1500 छात्राओं को दवा खिलाई गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल, डॉ.के.एल.राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर आदि उपस्थित थे।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

BLOOD DONATION WEEK

17 SEP – 23 SEP

2017

On 22 Sep 17 "Raktdaan Rath" arranged at college and literature related to Blood Donation and ICTC was also distributed by Principal Dr S.C. Tiwari and Red Cross Team of Chhattisgarh Red Cross Society.

PRINCIPAL
Govt Dr. WN. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

12.10.17

मेडिकल सेंटर उद्घाटित

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में छात्राओं को एक सौगात के रूप में मेडिकल सेन्टर की उपलब्धि जुड़ी।

महाविद्यालय में स्थायी रूप से मेडिकल सेंटर प्रारंभ किया गया है जिसमें प्रति सप्ताह चिकित्सक अपनी सेवा एवं परामर्श देगें। सेंटर में स्त्री रोग विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहा करेगी।

सेंटर का उद्घाटन दवा व्यवसायी श्री सुधीर अग्रवाल एवं डॉ. एम.एल. अग्रवाल के करकमलों से आज सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राएँ इस सेंटर का संचालन करेगीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण हो तथा काउंसिलिंग की जावे इसकी व्यवस्था की गई है। समस्त छात्राओं का हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें उनका पूरा स्वास्थ्य विवरण अंकित होगा तथा चिकित्सीय परामर्श मिलता रहेगा।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि दवा व्यवसायीयों एवं चिकित्सकों के सहयोग से हमने यह सेंटर प्रारंभ किया है जिससे हमारी छात्राओं को उचित मार्गदर्शन मिलेगा।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की सेंटर द्वारा विभिन्न विषयों पर चिकित्सकों के व्याख्यान भी आयोजित किए जावेगें तथा शिविर के माध्यम से रक्त एवं सिकल सेल परीक्षण, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण के आयोजन भी होगें।

उन्होनें बताया कि यूथ रेडक्रॉस की टीम की छात्राओं के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे वे अन्य छात्राओं को इसके लिए प्रशिक्षित कर सकेगी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्राएँ उपस्थित थी। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. सुमन कुशवाहा ने आभार व्यक्त किया।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

नवभारत

गर्ल्स कॉलेज में मेडिकल सेंटर की सौगात

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्राओं को मेडिकल सेन्टर की सौगात मिली. यहां स्थायी रूप से स्थापित मेडिकल सेंटर में प्रति सप्ताह चिकित्सक अपनी सेवाएं एवं परामर्श देंगे. सेंटर में स्त्री रोग विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगी. सेंटर का उद्घाटन दवा व्यवसायी सुधीर अग्रवाल एवं डॉ. एम.एल. अग्रवाल द्वारा किया गया. महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राएं इस सेंटर का संचालन करेंगी.

फीता काटकर सेंटर का उदघाटन करते अतिथि

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण हो तथा काउंसिलिंग की जावे इसकी व्यवस्था की गई है. समस्त छात्राओं का हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें उनका पूरा स्वास्थ्य विवरण अंकित होगा तथा चिकित्सीय परामर्श मिलता रहेगा.

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि दवा व्यवसायियों एवं चिकित्सकों के सहयोग से यह सेंटर प्रारंभ किया गया है. मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी कि सेंटर द्वारा विभिन्न विषयों पर चिकित्सकों के व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे तथा शिविर के माध्यम से रक्त एवं सिकल सेल परीक्षण, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण के आयोजन भी होंगे. उन्होंने बताया कि यूथ रेडक्रॉस की टीम की छात्राओं के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे वे अन्य छात्राओं को इसके लिए प्रशिक्षित कर सकेगी. छात्रसंघ अध्यक्ष सुमन कुशवाहा ने आभार व्यक्त किया.

12.10.17

देशबन्धु

गर्ल्स कॉलेज में मेडिकल सेंटर शुरू

दुर्ग, 11 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में छात्राओं को एक सौगात के रूप में मेडिकल सेन्टर की उपलब्धि जुड़ी।

महाविद्यालय में स्थायी रूप से मेडिकल सेंटर प्रारंभ किया गया है जिसमें प्रति सप्ताह चिकित्सक अपनी सेवा एवं परामर्श देगें। सेंटर में स्त्री रोग विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहा करेगी।

सेंटर का उद्घाटन दवा व्यवसायी सुधीर अग्रवाल एवं डॉ. एम.एल. अग्रवाल के करकमलों से आज सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राएँ इस सेंटर का संचालन करेगीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण हो तथा काउंसिलिंग की जावे इसकी व्यवस्था की गई है। समस्त छात्राओं का हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें उनका पूरा स्वास्थ्य विवरण अंकित होगा तथा चिकित्सीय परामर्श मिलता रहेगा।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि दवा व्यवसायीयों एवं चिकित्सकों के सहयोग से हमने यह सेंटर प्रारंभ किया है जिससे हमारी छात्राओं को उचित मार्गदर्शन मिलेगा।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की सेंटर द्वारा विभिन्न विषयों पर चिकित्सकों के व्याख्यान भी आयोजित किए जावेगें तथा शिविर के माध्यम से रक्त एवं सिकल सेल परीक्षण, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण के आयोजन भी होगें। उन्होनें बताया कि यूथ रेडक्रॉस की टीम की छात्राओं के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे वे अन्य छात्राओं को इसके लिए प्रशिक्षित कर सकेगी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्राएँ उपस्थित थी। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. सुमन कुशवाहा ने आभार व्यक्त किया।

12.10.17

दुर्ग हरिभूमि गुरुवार 12 अक्टूबर 2017

गर्ल्स कॉलेज में मेडिकल सेंटर उद्घाटित

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में स्थायी रूप से मेडिकल सेंटर का प्रारंभ किया गया। जिसमें प्रति सप्ताह चिकित्सक अपनी सेवा एवं परामर्श देंगे। सेंटर में स्त्री रोग विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। उद्घाटन दवा व्यवसायी सुधीर अग्रवाल एवं डॉ. एम.एल. अग्रवाल द्वारा किया गया। कालेज की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राएं इस सेंटर का संचालन करेंगी। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण हो तथा काउंसिलिंग की जाए इसकी व्यवस्था की गई है। समस्त छात्राओं का हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें उनका पूरा स्वास्थ्य विवरण अंकित होगा तथा चिकित्सीय परामर्श मिलता रहेगा। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि दवा व्यवसायियों एवं चिकित्सकों के सहयोग से यह सेंटर प्रारंभ किया है जिससे हमारी छात्राओं को उचित मार्गदर्शन मिलेगा। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की सेंटर द्वारा विभिन्न विषयों पर चिकित्सकों के व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे तथा शिविर के माध्यम से रक्त एवं सिकल सेल परीक्षण, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण के आयोजन भी होंगे।

durg patrika भिलाई, गुरुवार 12 अक्टूबर 2017

शुरू हुआ मेडिकल सेंटर

अब कॉलेज में ही छात्राओं का होगा हेल्थ चेकअप

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भिलाई. गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में अब स्थायी रूप से मेडिकल सेंटर शुरू किया गया है। अब कॉलेज में ही छात्राओं को चिकित्सकों की सुविधा मिलेगी। इस सेंटर में प्रति सप्ताह चिकित्सक अपनी सेवा एवं परामर्श देंगे। सेंटर में स्त्री रोग विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। बुधवार को इस सेंटर का उद्घाटन दवा व्यवसायी सुधीर अग्रवाल एवं डॉ. एमएल. अग्रवाल ने किया। प्राचार्य डॉ सुशील तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी की छात्राएं इस सेंटर का संचालन करेंगी। तिवारी ने बताया कि इस सेंटर के जरिए छात्राओं का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण हो सकेगा। साथ ही उनकी काउंसिलिंग की जाएगी। इसके लिए छात्राओं को हेल्थ कार्ड भी दिया जाएगा। जिसमें उनका पूरा स्वास्थ्य विवरण अंकित होगा और चिकित्सकीय परामर्श मिलता रहेगा।

उद्घाटन... मेडिकल सेंटर का उद्घाटन करते अतिथि।

होंगे व्याख्यान और परीक्षण

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल ने बताया कि दवा व्यवसायियों एवं चिकित्सकों के सहयोग से यह सेंटर प्रारंभ किया है जिससे छात्राओं को उचित मार्गदर्शन मिलेगा। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की सेंटर में विभिन्न विषयों पर चिकित्सकों के व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे। एवं शिविर के माध्यम से रक्त एवं सिकल सेल परीक्षण, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण जैसे शिविर भी लगाए जाएंगे।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 24.10.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज

छात्राओं ने आपदा प्रबंध पर लिया प्रशिक्षण

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथ रेडक्रास की 20 छात्राओं ने विगत दिनों आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इण्डियन रेडक्रास सोसायटी एवं जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के तत्वाधान में जिला आपदा एवं राहत बल द्वारा प्रशिक्षण कैम्प लगाया गया।

प्राथमिक उपचार, अग्नि दुर्घटना से बचाव के तरीके, प्राकृतिक आपदाओं में कुशल प्रबंध कैसे करें पर विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास इकाई की 20 स्वयं सेवकों ने इस प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक पूर्ण किया तथा महाविद्यालय में अन्य छात्राओं को भी आपदा प्रबंधन की बारिकियों से परिचित कराया। उल्लेखनीय है कि नए सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी आपदा प्रबंधन को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुशंसा की है। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश के मार्गदर्शन में छात्राओं ने तथा महाविद्यालय के कर्मचारियों विजय चंद्राकर एवं विमल यादव ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

महाविद्यालय के यूथ रेडक्रास सोसायटी एवं मेडिकल सेन्टर के तत्वाधान में 30 अक्टूबर को दन्त चिकित्सा शिविर स्थानीय रूंगटा दन्त चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt Dr W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका PLUS
rtainment

छात्राओं ने समझीं आपदा प्रबंधन की बारीकियां

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● कन्या महाविद्यालय दुर्ग की यूथ रेडक्रॉस की 20 छात्राओं को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। रेडक्रॉस एवं जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के तत्वावधान में जिला आपदा एवं राहत बल ने प्रशिक्षण कैम्प लगाया। प्राथमिक उपचार, अग्नि दुर्घटना से बचाव के तरीके, प्राकृतिक आपदाओं में कुशल प्रबंध कैसे करें विषय पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई की 20 स्वयं सेवकों ने इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया साथ ही सीखीं हुईं बातें अन्य छात्राओं को भी समझाईं। आपदा प्रबंधन की बारिकियों से परिचित कराया। बता दें कि नए सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी आपदा प्रबंधन को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुशंसा की है। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस सोसायटी एवं मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में 30 अक्टूबर को दंत चिकित्सा शिविर स्थानीय रूंगटा दन्त चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोग से लगाया जा रहा है।

25-10-17

PRINCIPAL
Govt Dr. W.W. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

Y.R.C.
Dr. Reshma Lakesh
28/10/17

हरिभूमि

छात्राओं ने आपदा प्रबंध पर लिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथ रेडक्रास की 20 छात्राओं ने विगत दिनों आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण लिया। इण्डियन रेडक्रास सोसायटी एवं जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के द्वारा जिला आपदा एवं राहत बल द्वारा प्रशिक्षण कैम्प लगाया गया।

- 30 को लगाया जाएगा दंत चिकित्सा शिविर

प्राथमिक उपचार, अग्नि दुर्घटना से बचाव के तरीके, प्राकृतिक आपदाओं में कुशल प्रबंध कैसे करें पर विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास इकाई की 20 स्वयं सेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा महाविद्यालय में अन्य छात्राओं को भी आपदा प्रबंधन की बारिकियों से परिचित कराया। उल्लेखनीय है कि नए सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी आपदा प्रबंधन को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुशंसा की है। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश के मार्गदर्शन में छात्राओं ने तथा महाविद्यालय के कर्मचारियों विजय चंद्राकर एवं विमल यादव ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय के यूथ रेडक्रास सोसायटी एवं मेडिकल सेन्टर के तत्वाधान में 30 अक्टूबर को दन्त चिकित्सा शिविर स्थानीय रूंगटा दन्त चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

25.10.17

देशबन्धु

छात्राओं ने आपदा प्रबंध पर लिया प्रशिक्षण

दुर्ग, 24 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथ रेडक्रास की 20 छात्राओं ने विगत दिनों आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इण्डियन रेडक्रास सोसायटी एवं जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के तत्वाधान में जिला आपदा एवं राहत बल द्वारा प्रशिक्षण कैम्प लगाया गया।

प्राथमिक उपचार, अग्नि दुर्घटना से बचाव के तरीके, प्राकृतिक आपदाओं में कुशल प्रबंध कैसे करें पर विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास इकाई की 20 स्वयं सेवकों ने इस प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक पूर्ण किया तथा महाविद्यालय में अन्य छात्राओं को भी आपदा प्रबंधन की बारिकियों से परिचित कराया। उल्लेखनीय है कि नए सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी आपदा →→ शेष पृष्ठ 9 पर →

छात्राओं ने...

प्रबंधत को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुशंसा की है। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश के मार्गदर्शन में छात्राओं ने तथा महाविद्यालय के कर्मचारियों विजय चंद्राकर एवं विमल यादव ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

महाविद्यालय के यूथ रेडक्रास सोसायटी एवं मेडिकल सेन्टर के तत्वाधान में 30 अक्टूबर को दन्त चिकित्सा शिविर स्थानीय रूंगटा दन्त चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

25.10.17

पत्रिका PLUS
Bhilai . Wednesday
25/10/2017
citylive infocus

छात्राओं ने समझीं आपदा प्रबंधन की बारीकियां

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • कन्या महाविद्यालय दुर्ग की यूथ रेडक्रॉस की 20 छात्राओं को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। रेडक्रॉस एवं जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के तत्वावधान में जिला आपदा एवं राहत बल ने प्रशिक्षण कैम्प लगाया। प्राथमिक उपचार, अग्नि दुर्घटना से बचाव के तरीके, प्राकृतिक आपदाओं में कुशल प्रबंध कैसे करें विषय पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई की 20 स्वयं सेवकों ने इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया साथ ही सीखीं हुई बातें अन्य छात्राओं को भी समझाईं। आपदा प्रबंधन की बारिकियों से परिचित कराया। बता दें कि नए सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी आपदा प्रबंधन को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुशंसा की है। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस सोसायटी एवं मेडिकल सेंटर के तत्वाधान में 30 अक्टूबर को दंत चिकित्सा शिविर स्थानीय रूंगटा दन्त चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोग से लगाया जा रहा है।

दुर्ग भास्कर

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, सोमवार 30 अक्टूबर, 2017

कार्यशाला | परमवीर संजय कुमार ने की कारगिल युद्ध की यादें ताजा

सीमा का प्रहरी बनना ही नहीं, ईमानदारी से काम करना भी है देशप्रेमः कुमार

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

सीमा पर तिरंगे को लहराते हम देखते है। तिरंगा हवा के झोकों से नहीं लहराता, वीर सैनिकों की सांसों से लहराता है। अपने आतिथ्य उद्बोधन में संजय कुमार ने कारगिल युद्ध की यादों को जीवंत कर दिया और अपने अनुभवों को विद्यार्थियों को बताते हुए कहा कि कारगिल युद्ध में हमारी लड़ाई दुश्मन से नहीं थी बल्कि वहां के मौसम और पहाड़ी रास्ते से भी थी। जीत हासिल करने के लिए हमारे पास मेहनत, हौसला और साथियों का सहयोग ही मुख्य हथियार था।

घायल अवस्था में सैनिक का मनोबल और बढ़ जाता है। गोली लगने के बाद भी वह लड़ता है। भारतीय सेना और पाकिस्तानी सेना के नैतिक मूल्यों में अंतर बताते हुए कहा कि पाकिस्तानी सेना ने अपने सैनिकों के शव लेने से मना कर दिया था हमारे सैनिकों के शव क्षतविक्षत करके भेजा। यह बातें स्वरूपानंद महाविद्यालय में परमवीर चक्र विजेता संजय कुमार ने कही।

स्वरूपानंद कॉलेज परमवीर ने छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए।

छात्रों को भारत-पाक युद्ध की स्थित के बारे में बताया

संगोष्ठी के दौरान महाविद्यालय के एक छात्र ने पूछा जैसे फिल्मों में दिखाया जाता है। युद्ध के दौरान तिरंगे झंडे को देखकर सैनिक को और उत्साह हो जाता है और वह सभी को मारता जाता है। इसके उत्तर में संजय कुमार ने कहा की युद्ध के समय हमारा सिर्फ एक ही ध्येय होता है की हमें दुश्मनों को मारना है। हम और कुछ नहीं सोचते है। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा की सेना में जाना ही देशभक्ति नहीं है। अपने काम के लिए ईमानदार रहना भी देशभक्ति है।

20 साल की उम्र में भारतीय सेना में हो गए थे शामिल

हिमाचल प्रदेश के विलासपुर में जन्म लिए संजय कुमार के मन में बचपन से ही सेना में जाने का जुनून था। 20 साल की उम्र में वे भारतीय सेना में आए। कारगिल युद्ध के समय राइफल मैन संजय कुमार हमले के लिए आगे बढ़े तो एक जगह से दुश्मन ऑटोमेटिक गन ने जबरदस्त गोलीबारी शुरू की और टुकड़ी का आगे बढ़ना कठिन हो गया। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने तय किया कि उस ठिकाने पर अचानक हमला किया जाए। उन्होंने अचानक हमला किया और तीन दुश्मनों को ढेर किया।

विद्यार्थियों ने नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहाः शुक्ला

प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा विद्यार्थियों में निरंतर नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है जिसके कारण अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है। भौतिकवादी युग में मूल शिक्षा चरित्र निर्माण के लिए आवश्यक है। रचना नायडू ने आज की शिक्षा प्रणाली में मूल शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

देश की सीमा है जवानों के कारण सुरक्षित

कार्यक्रम के अन्य वक्ताओं ने कहा कि सेना के जवानों की वजह से देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। हम देश के भीतर अमन से हैं। सभी के बीच भाईचारा का विकास होना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है देश के भीतर शांति को बनाए रखने के लिए। इसके लिए हमें हर संभव प्रयास करने की जरूरत है। इसके लिए हमें लोगों को जोड़ना होगा।

नवभारत

स्वरूपानंद महाविद्यालय में आधुनिक शिक्षा प्रणाली पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

अपना काम ईमानदारी से करना ही देश भक्ति है

भिलाईनगर. स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, हुडको भिलाई में आई.क्यू.ए.सी. सेल एवं वेटरन्स इंडिया छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान.आधुनिक शिक्षा प्रणाली में मूल्य शिक्षा की आवश्यकता विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी के मुख्य वक्ता परमवीर चक्र संजय कुमार, नायब सूबेदार थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. श्रीमती हंसा शुक्ला ने की. विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती रचना नायेडू, संयोजिका वेटरन्स इंडिया, छ.ग., अंजनी कुमार सिंग जनरल सेकेट्री वेटरन्स इंडिया उपस्थित हुए. कार्यक्रम संयोजक आई.क्यू.ए.सी. सेल प्र. योगेश देशमुख थे.

स्वरुपानंद महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते परमवीर चक्र विजेता संजय कुमार

संगोष्ठी आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुये प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा विद्यार्थियों में निरंतर नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है जिसके कारण अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है. भौतिकवादी युग में मूल्य शिक्षा चरित्र निर्माण के लिए आवश्यक है.

अपने आतिथ्य उद्‌बोधन में संजय कुमार ने कारगिल युद्ध की स्मृतियों को जीवन्त कर दिया व अपने अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ बांटते हुये कहा फौज में जाना ही देशभक्ति नहीं है यदि आप अपना काम ईमानदारी से करते हैं वही देशभक्ति है. कारगिल युद्ध में हमारी लड़ाई दुष्मन से नहीं थी बल्कि वहां के मौसम व पहाड़ी रास्ते से भी थी.रचना नायडू ने आज की शिक्षा प्रणाली में मूल्य शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा आज की शिक्षा प्रणाली अर्न टू लर्न हो गई है. कारण शिक्षा में नैतिक मूल्यों की गिरावट है. वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं फौजी श्री पांडेय ने कहा कि आज के दौर की सच्चाई है कोई हीरो आये तो पैर रखने की जगह नहीं होगी, पर सच्चे नायक हमारे सैनिक हमारे बीच में आते हैं तो हम उन्हें पहचान भी नहीं पाते यह सच्चाई है। आज हम अपने घरों में चैन की नींद सोते हैं क्योंकि सरहदों में हमारे सैनिक जाग रहे होते हैं.

कार्यक्रम में श्वेता निर्मलकर, शैलजा पवार, खुशबू पाठक, टी. बबीता उपस्थित हुए. कार्यक्रम में मंच संचालन श्रीमती नीलम गांधी विभागाध्यक्ष वाणिज्य तथा धन्यवाद ज्ञापन योगेश देशमुख ने किया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, प्राध्यापिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

यूथ रेडक्रास – मेडिकल सेन्टर द्वारा आयोजित

डेंटल कैम्प

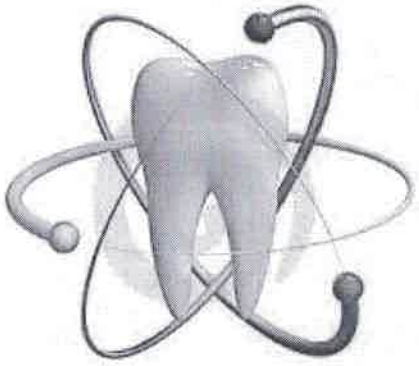

–: दिनांक :–

30 अक्टूबर 2017

–: समय :–

प्रातः 11:00 बजे से

–: स्थान :–

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
दुर्ग (छ.ग.)

सौजन्य

रूंगटा डेंटल कॉलेज भिलाई (छ0ग0)

समस्त छात्राएँ अपना दंत परीक्षण उक्त कैम्प में अवश्य करा लेवें।

डॉ. रेशमा लाकेश
प्रभारी मेडिकल सेन्टर एवं यूथ रेडक्रास

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी
प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 30.10.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

छात्राओं का "दंत परीक्षण शिविर" लगाया गया

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में मेडिकल सेंटर एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में दंत चिकित्सा परीक्षण शिविर लगाया गया। स्थानीय रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के सौजन्य से डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं का दंत परीक्षण किया गया तथा उपचार किया गया। डॉ. राम तिवारी की पूरी टीम लगातार छात्राओं की दंत चिकित्सीय परीक्षण में मुस्तैदी से जुटी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि महाविद्यालय में स्थापित मेडिकल सेंटर को शहर के चिकित्सकों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है हम नियमित रूप से विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएगें साथ ही विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जावेगें जिससे महाविद्यालय की 2600 छात्राओं को इसका लाभ मिल सके।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की शिविर में छात्राओं को दंत परीक्षण के साथ उपचार भी मोबाईल वैन में उपलब्ध उपकरणों के द्वारा किया गया। छात्राओं के लिए शीघ्र रक्त परीक्षण एवं सिकल सेल परीक्षण शिविर भी लगाया जा रहा है। महाविद्यालय की सभी छात्राओं का हेल्थकार्ड भी बनाया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने शिविर व्यवस्था के लिए मार्गदर्शन दिया। यूथ रेडक्रास की स्वयं सेवकों ने रूंगटा कॉलेज के चिकित्सकों डॉ0 रामकृष्ण, डॉ0 हीना साहनी, डॉ0 बाला सुब्रमण्यम, डॉ0 अभिवनव पटेल के साथ लगातार सक्रिय रही। शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी उपचार किया गया।

शिविर में रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के तकनीकी स्टॉफ के साथ व्याख्यातागण भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने छात्राओं का दन्त परीक्षण, उपचार के साथ ही कांऊसिंलिंग भी की। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रायें बड़ी संख्या में दन्त परीक्षण के लिए उपस्थित थी। मेडिकल सेन्टर प्रभारी डॉ0 रेशमा लाकेश ने शिविर की सफलता के लिये चिकित्सकों, स्वयं सेवकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's P.G. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में

छात्राओं का "दंत परीक्षण शिविर" लगाया गया

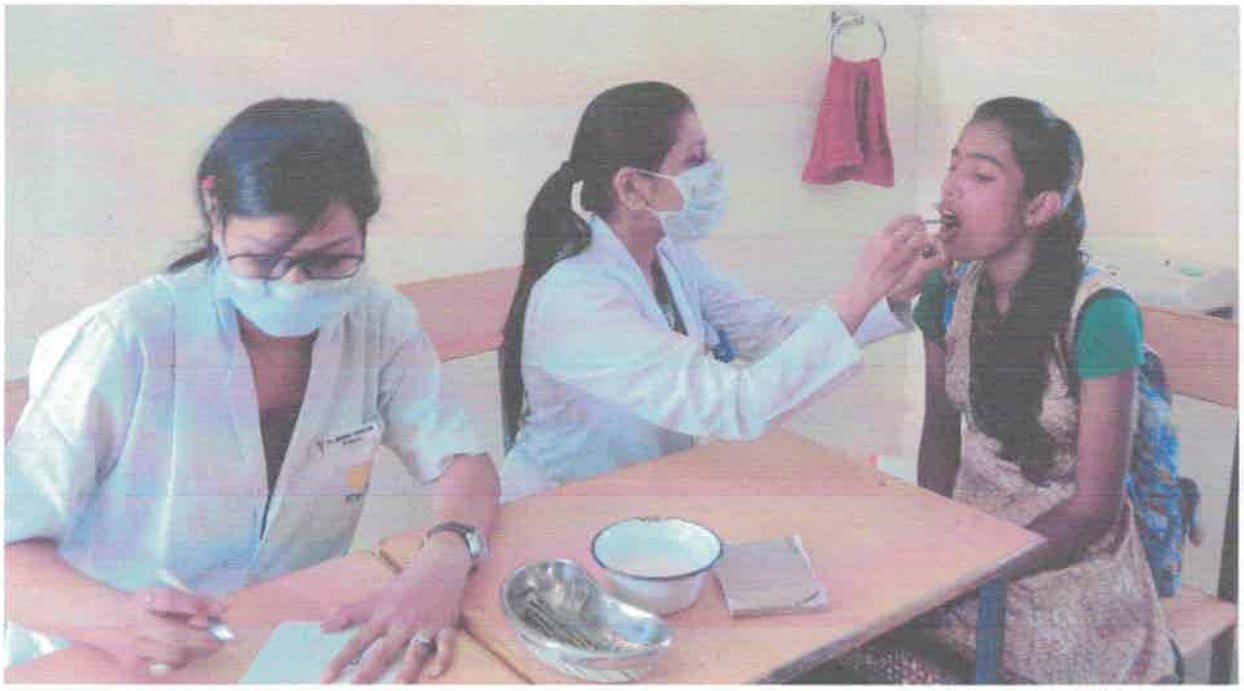

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

पत्रिका PLUS
ertainment
Bhilai . Tuesday
31/10/2017
citylive infocus

कॉलेज की छात्राओं का हुआ डेंटल चेकअप

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेंटर एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में दंत चिकित्सा परीक्षण शिविर लगाया गया। स्थानीय रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के सौजन्य से डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं का दंत परीक्षण किया।

डॉ. राम तिवारी की पूरी टीम लगातार छात्राओं की दंत चिकित्सीय परीक्षण में मुस्तैदी से जुटी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि महाविद्यालय में स्थापित मेडिकल सेंटर को शहर के चिकित्सकों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है हम नियमित रूप से विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएंगे साथ ही विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जिससे महाविद्यालय की 2600 छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की शिविर में छात्राओं को दंत परीक्षण के साथ उपचार भी मोबाईल वैन में उपलब्ध उपकरणों के द्वारा किया गया। छात्राओं के लिए शीघ्र रक्त परीक्षण एवं सिकल सेल परीक्षण शिविर भी लगाया जा रहा है। महाविद्यालय की सभी छात्राओं का हेल्थकार्ड भी बनाया गया है।

प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी हुआ उपचार

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने शिविर व्यवस्था के लिए मार्गदर्शन दिया। यूथ रेडक्रॉस की स्वयं सेवकों ने रूंगटा कॉलेज के चिकित्सकों डा. रामकृष्ण, डॉ. हीना साहनी, डॉ. बाला सुब्रमण्यम, डॉ. अभिनव पटेल के साथ लगातार सक्रिय रही। शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी उपचार किया गया। शिविर में रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के तकनीकी स्टॉफ के साथ व्याख्यातागण भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने छात्राओं का दन्त परीक्षण, उपचार के साथ काउंसलिंग भी की।

पत्रिका PL
patrika.com/entertainment

कॉलेज की छात्राओं का हुआ डेंटल चेकअप

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में मेडिकल सेंटर एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में दंत चिकित्सा परीक्षण शिविर लगाया गया। स्थानीय रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के सौजन्य से डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं का दंत परीक्षण किया।

डॉ. राम तिवारी की पूरी टीम लगातार छात्राओं की दंत चिकित्सीय परीक्षण में मुस्तैदी से जुटी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि महाविद्यालय में स्थापित मेडिकल सेंटर को शहर के चिकित्सकों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है हम नियमित रूप से विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएंगे साथ ही विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जिससे महाविद्यालय की 2600 छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की शिविर में छात्राओं को दंत परीक्षण के साथ उपचार भी मोबाईल वैन में उपलब्ध उपकरणों के द्वारा किया गया। छात्राओं के लिए शीघ्र रक्त परीक्षण एवं सिकल सेल परीक्षण शिविर भी लगाया जा रहा है। महाविद्यालय की सभी छात्राओं का हेल्थकार्ड भी बनाया गया है।

प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी हुआ उपचार

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने शिविर व्यवस्था के लिए मार्गदर्शन दिया। यूथ रेडक्रॉस की स्वयं सेवकों ने रूंगटा कॉलेज के चिकित्सको डा. रामकृष्ण, डॉ. हीना साहनी, डॉ. बाला सुब्रमण्यम, डॉ. अभिनव पटेल के साथ लगातार सक्रिय रही। शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी उपचार किया गया। शिविर में रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के तकनीकी स्टॉफ के साथ व्याख्यातागण भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने छात्राओं का दन्त परीक्षण, उपचार के साथ काउंसलिंग भी की।

31.10.17

गर्ल्स कॉलेज में दंत परीक्षण शिविर

दुर्ग, 30 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में मेडिकल सेंटर एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में

दंत चिकित्सा परीक्षण शिविर लगाया गया। स्थानीय रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के सौजन्य से डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं का दंत परीक्षण किया गया तथा उपचार किया गया। डॉ. राम तिवारी की पूरी टीम लगातार छात्राओं की दंत चिकित्सीय परीक्षण में मुस्तैदी से जुटी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि महाविद्यालय में स्थापित मेडिकल सेंटर को शहर के चिकित्सकों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है हम नियमित रूप से विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएगें साथ ही विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जावेगें जिससे महाविद्यालय की 2600 छात्राओं को इसका लाभ मिल सके।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की शिविर में छात्राओं को दंत परीक्षण के साथ उपचार भी मोबाईल वैन में उपलब्ध उपकरणों के द्वारा किया गया। छात्राओं के लिए शीघ्र रक्त परीक्षण एवं सिकल सेल परीक्षण →→ शेष पृष्ठ 9 पर →

गर्ल्स कालेज...

शिविर भी लगाया जा रहा है। महाविद्यालय की सभी छात्राओं का हेल्थकार्ड भी बनाया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने शिविर व्यवस्था के लिए मार्गदर्शन दिया। यूथ रेडक्रास की स्वयं सेवकों ने रूंगटा कॉलेज के चिकित्सकों डॉ. रामकृष्ण, डॉ. हीना साहनी, डॉ. बाला सुब्रमण्यम, डॉ. अभिवनव पटेल के साथ लगातार सक्रिय रही। शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी उपचार किया गया।

31.10.17

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

दुर्ग (छ.ग.)

विश्व मधुमेह दिवस 14 नवम्बर 2017

॥ कार्यक्रम ॥

(1) पोस्टर प्रदर्शनी

(2) मधुमेह के लिए उपयुक्त आहार प्रदर्शनी

समय : दोपहर 12:00 बजे से

आयोजक

गृहविज्ञान विभाग

एवं

यूथ रेडक्रास सोसायटी

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 14.11.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज में

"विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम"

प्रदर्शनी के माध्यम से बताया बचाव का तरीका

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग एवं यूथरेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में पोस्टर प्रदर्शनी एवं आहार प्रदर्शनी लगाई गयी जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया।

पोस्टर प्रदर्शनी में मधुमेह के विषय में उसके लक्षण, टाईप–1 एवं टाईप–2 मधुमेह के विषय में तथा बचाव के लिए किए जाने वाले प्रयासों का सचित्र प्रदर्शन पोस्टर के माध्यम से किया गया था। यूथ रेडक्रॉस एवं गृहविज्ञान की छात्राओं ने महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को मधुमेह संबंधी जानकारी दी तथा बचाव के तरीके भी बताये।

महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा इस अवसर मधुमेह से बचाव के लिए आवश्यक आहार की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सलाद–सूप, लो कैलेरी आहार प्रदर्शित किए गए। छात्राओं द्वारा डाईट चार्ट के माध्यम से आहार संबंधी जानकारी दी गयी।

गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने पोषण आहार पर सारगर्भित जानकारी दी तथा बतया कि उचित आहार से हम मधुमेह को नियंत्रित कर सकते है।

यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के प्रति जागरूकता ही इसका बचाव है। यूथ रेडक्रॉस की छात्राएँ सिर्फ पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से ही नहीं बल्कि रैली एवं सर्वेक्षण के जरिए भी इस दिशा में कार्य कर रही है। गृहविज्ञान एवं रेडक्रॉस की छात्राओं के साथ ही छात्रसंघ अध्यक्ष कु. सुमन कुशवाहा तथा जेण्डर चैम्पियन कु. रूचि शर्मा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी दी।

छात्राओं के इस उल्लेखनीय प्रयास के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल तथा शिक्षकों ने बधाई दी।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

गर्ल्स कॉलेज में

"विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम"

प्रदर्शनी के माध्यम से बताया बचाव का तरीका

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G

दैनिक भास्कर BHILAI-RAIPUR, WEDNESDAY, 15/11/2017 . 19

दलिया, ढोकला और इडली में रहता है सबसे ज्यादा फाइबर्स

दुर्ग गर्ल्स कॉलेज में लगी प्रदर्शनी में मधुमेह से बचने के उपाय बताय गए।

सिटी रिपोर्टर। भिलाई

ऐसे दलिया , ढोकले और इडली सहित अन्य व्यंजन बनाए जिनमें डायट्री फाइबर की अधिकता थी, जिसे खाने से ब्लड शुगर अचानक नहीं बढ़ता। मधुमेह दिवस पर प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में हुआ। इसमें स्टूडेंट्स ने पोस्टर प्रदर्शनी में मधुमेह के विषय में उसके लक्षण, टाइप-1 और टाइप-2 मधुमेह के लक्षण और बचाव की जानकारी दी। सचित्र प्रदर्शनी लगाया गया।

महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग और यूथ रेडक्रास सोसायटी द्वारा पोस्टर और आहार प्रदर्शनी लगाई गई। उद्घाटन प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने किया। महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग ने भी इस अवसर मधुमेह से बचाव के लिए आवश्यक आहार की प्रदर्शनी लगाई गई।

बैंक कर्मचारियों और लोगों के खून की हुई जांच

लायंस क्लब दुर्ग आस्था ने बैंक परिसर सिविक सेंटर में ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर जांच शिविर लगाया। बैंक के कर्मचारी और राहगीरों ने जांच कराई। क्लब के अध्यक्ष ने बताया कि शिविर सुबह 11 से शाम 4 बजे तक लगा। इसमें पैथोलाजिस्ट होरी लाल देवांगन, देवनाथ साहू, और डॉ.अर्चना शर्मा ने निशुल्क जांच के साथ ब्लड प्रेशर की जांच की। मरीजों को उपचार सलाह भी दी। लायनेस क्लब भिलाई ने भी ब्लड शुगर जांच का कैंप संतोष मिश्रा क्लिनिक भिलाई-3 में लगाया।

रायपुर, गुरुवार 16 नवंबर 2017
haribhoomi.com

प्रदर्शनी के माध्यम से छात्राओं ने बताए मधुमेह से बचाव के तरीके

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय डा. वावा पाटणकर कन्या महा. में हुआ आयोजन

विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग और यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में पोस्टर प्रदर्शनी और आहार प्रदर्शनी लगाई गई। जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुशील चंद्र तिवारी ने किया। इस दौरान छात्राओं ने मधुमेह के प्रकार, लक्षण और बचाव के संबंध में जानकारी पोस्टर और व्यंजन बना कर दी। जिसमें बताया गया कि डायबिटीज हो जाने पर क्या खाना चाहिए और कितना खाना चाहिए। इसके साथ ही मधुमेह व रक्त शर्करा की नियमित जांच करवाने प्रेरित किया।

बताया क्या खाएं डायबिटीज में

बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा लाडली कोसरिया ने ढोकला और इडली के माध्यम से बताया कि इसमें खमीर होने कारण कार्बोहाईड्रेट कम होता है जो मधुमेह रोगी के लिए अच्छा होता है। एमएससी प्रथम वर्ष की रिंकि मेहता ने बताया कि चीला के सेवन से फाईबर मिलता है जो रोगी के लिए फायदे मंद होता है। एमएससी होम साइंस की पूजा यादव ने टाईप टू डायबिटीज के बारे में बताया कि वह व्यस्क लोगों को होता है। 90 प्रतिशत मरीज इसी श्रेणी में आते हैं। पोलोमी करगुप्ता ने बताया कि मसाला ऑट्स गुड कोलेस्ट्रोल को शरीर में बढ़ाता है और बेड कोलेस्ट्रोल को कम करता है। एमएससी प्रथम सेम की पूजा यादव ने मेथी, तबस्सुम ने अंकुरित चना, एमएचएससी की कुसुमलता टंडन ने करेला का जूस और बीएससी की प्रतिक्षा तिवारी ने टमाटर सूप पीने की सलाह दी।

गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अमिता सहगल ने पोषण आहार पर सारगर्भित जानकारी दी और बताया कि उचित आहार से हम मधुमेह को नियंत्रित कर सकते हैं। यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के प्रति जागरूकता ही इसका बचाव है। उन्होंने बताया कि यूथ रेडक्रॉस की छात्राएं सिर्फ पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से ही नहीं बल्कि रैली और सर्वेक्षण के जरिए भी इस दिशा में कार्य कर रही हैं। गृहविज्ञान और रेडक्रॉस की छात्राओं के साथ ही छात्रसंघ अध्यक्ष सुमन कुशवाहा और जेंडर चैम्पियन रूचि शर्मा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी दी। छात्राओं के इस उल्लेखनीय प्रयास के लिए महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डीसी अग्रवाल व अन्य शिक्षकों ने सराहना करते हुए छात्राओं को बधाई दी।

पत्रिका PLUS
Bhilai . Wednesday
15/11/2017
tertainment
citylive infocus

बताया मधुमेह से बचाव का तरीका

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • कन्या महाविद्यालय दुर्ग में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम हुए। महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग एवं युथरेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में पोस्टर प्रदर्शनी एवं आहार प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। पोस्टर प्रदर्शनी में मधुमेह के विषय में उसके लक्षण, टाईप-1 एवं टाईप-2 मधुमेह के विषय में समझा गया साथ ही बचाव के तरीके भी सचित्र प्रदर्शन पोस्टर के माध्यम से किया गया। यूथ रेडक्रॉस एवं गृहविज्ञान की छात्राओं ने महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को मधुमेह संबंधी जानकारी दी। आहार की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सलाद-सूप, लो कैलेरी आहार प्रदर्शित किए गए। छात्राओं द्वारा

डाईट चार्ट के माध्यम से आहार संबंधी जानकारी दी गई। गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने पोषण आहार पर सारगर्भित जानकारी दी व बताया कि उचित आहार से हम मधुमेह को नियंत्रित कर सकते है। यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के प्रति जागरूकता ही इसका बचाव है। छात्राओं ने सिर्फ पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से ही नहीं बल्कि रैली एवं सर्वेक्षण के जरिए भी इस दिशा में कार्य किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल व सभी प्राध्यापक कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 17.11.2017

प्रेस विज्ञप्ति

गर्ल्स कॉलेज की

छात्राएँ बनी 'स्नेह संपदा विद्यालय' की सहयोगी

हमारे अंचल में 28 वर्ष पूर्व मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को स्नेह से सिंचित कर उन्हें स्वस्थ्य पारिवारिक वातावरण देने का प्रयास प्रारंभ किया गया जो निःसंदेह काफी सफल और सुदृढ़ होता गया।

'स्नेह संपदा विद्यालय' के रूप में उन बच्चों को अभिभावक मिला जो उनके विकास का एक माईल स्टोन है।

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की गृहविज्ञान विभाग एवं यूथ रेडक्रॉस की टीम ने विगत दिनों इस विद्यालय का भ्रमण किया। छात्राओं ने बच्चों से, शिक्षकों से भेंट कर जानकारी जुटाई और निर्णय लिया कि वे अब नियमित रूप से इस विद्यालय की सहयोगी बनेगी और दिव्यांग बच्चों को शिक्षण, खेल, संगीत, कला, योगा सिखलाएगी।

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पी.आर. सिरके ने बताया कि यह विशेष विद्यालय है, जिसमें 56 छात्र–छात्राएँ अध्ययनरत् हैं। यह विद्यालय 'डे केयर सेटर, प्री. वोकेशनल सेंटर तथा मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों का 'शिक्षण केन्द्र' है।

इस विद्यालय में शैक्षणिक अभ्यास के साथ आत्म स्वावलंबन, कौशल ज्ञान दिया जाता है। इनकी नियमित दिनचर्या में शिक्षण, खेल, संगीत, कला एवं मनोरंजन है।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सिरके ने शास. कन्या महाविद्यालय दुर्ग के प्राचार्य से नियमित रूप से सहयोग की अपेक्षा की थी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि छात्राओं की टीम स्नेह संपदा विद्यालय के बच्चों को पूरा मार्गदर्शन एवं सहयोग देगी। यह उनके लिए गौरव और प्रेरणास्पद होगा। डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय में दिव्यांग छात्राओं के प्रोत्साहन के लिए हमेशा प्रयास किए जाते है।

विगत दिनों अर्न्तविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव भोपाल में महाविद्यालय की दो मुकबधिर छात्राएँ कु. केसर बानो एवं कु. फरहीन बानो ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। रायपुर स्थित कोपलवाणी महाविद्यालय का यह प्रायोगिक प्रशिक्षण केन्द्र भी रहता है।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य

दैनिक भास्कर

भिलाई-रायपुर, शनिवार 18 नवंबर, 2017|20

कन्या कॉलेज की छात्राएं स्नेह संपदा में दिव्यांग बच्चों को सिखाएंगी योग, संगीत

कन्या महाविद्यालय दुर्ग की छात्राओं ने स्नेह संपदा स्कूल का किया भ्रमण

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

शासकीय डॉ. वीवी पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग और यूथ रेडक्रॉस की टीम ने दिव्यांगों के लिए संचालित स्नेह संपदा स्कूल का भ्रमण किया। छात्राओं ने बच्चों से, शिक्षकों से मिलकर बच्चों की जानकारी लेकर निर्णय लिया कि वे अब नियमित रूप से विद्यालय की सहयोगी बनेंगी और दिव्यांग बच्चों को शिक्षण, खेल, संगीत, कला, योगा सिखाएंगी।

शाला की प्राचार्य पीआर सिरके ने बताया कि विद्यालय में 56 छात्र पढ़ रहे। यह विद्यालय डे केयर सेंटर, प्री. वोकेशनल सेंटर और मानसिक दिव्यांग बच्चों का शिक्षण केंद्र है।

भ्रमण में पहुंची छात्राओं ने वहां के बच्चों के गतिविधियों की जानकारी ली।

कॉलेज के प्राचार्य ने प्रबंधन को सहयोग का दिया भरोसा

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्राचार्य सिरके ने गर्ल्स कॉलेज दुर्ग की प्राचार्य से नियमित रूप से सहयोग की अपेक्षा की थी। इस पर प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्रतिवारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि छात्राओं की टीम स्नेह संपदा विद्यालय के बच्चों को पूरा मार्गदर्शन और सहयोग देगी।

छात्राएँ बनी 'स्नेह संपदा विद्यालय' की सहयोगी

हमारे अंचल में 28 वर्ष पूर्व मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को स्नेह से सिंचित कर उन्हें स्वस्थ्य पारिवारिक वातावरण देने का प्रयास प्रारंभ किया गया जो निःसंदेह काफी सफल और सुदृढ़ होता गया।

'स्नेह संपदा विद्यालय' के रूप में उन बच्चों को अभिभावक मिला जो उनके विकास का एक माईल स्टोन है।

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की गृहविज्ञान विभाग एवं यूथ रेडक्रॉस की टीम ने विगत दिनों इस विद्यालय का भ्रमण किया। छात्राओं ने बच्चों से, शिक्षकों से भेंट कर जानकारी जुटाई और निर्णय लिया कि वे अब नियमित रूप से इस विद्यालय की सहयोगी बनेगी और दिव्यांग बच्चों को शिक्षण, खेल, संगीत, कला, योगा सिखलाएगी।

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पी.आर. सिरके ने बताया कि यह विशेष विद्यालय है, जिसमें 56 छात्र–छात्राएँ अध्ययनरत् हैं। यह विद्यालय 'डे केयर सेटर, प्री. वोकेशनल सेंटर तथा मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों का 'शिक्षण केन्द्र' है।

इस विद्यालय में शैक्षणिक अभ्यास के साथ आत्म स्वावलंबन, कौशल ज्ञान दिया जाता है। इनकी नियमित दिनचर्या में शिक्षण, खेल, संगीत, कला एवं मनोरंजन है।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सिरके ने शास. कन्या महाविद्यालय दुर्ग के प्राचार्य से नियमित रूप से सहयोग की अपेक्षा की थी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि छात्राओं की टीम स्नेह संपदा विद्यालय के बच्चों को पूरा मार्गदर्शन एवं सहयोग देगी। यह उनके लिए गौरव और प्रेरणास्पद होगा। डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय में दिव्यांग छात्राओं के प्रोत्साहन के लिए हमेशा प्रयास किए जाते है।

विगत दिनों अर्न्तविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव भोपाल में महाविद्यालय की दो मुकबधिर छात्राएँ कु. केसर बानो एवं कु. फरहीन बानो ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। रायपुर स्थित कोपलवाणी महाविद्यालय का यह प्रायोगिक प्रशिक्षण केन्द्र भी रहता है।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

नवभारत

कन्या महाविद्यालय की छात्राएं नियमित रूप से स्नेह संपदा विद्यालय के बच्चों को शिक्षण, खेल के गुर सिखाएंगी

छात्राएं बनी स्नेह संपदा विद्यालय की सहयोगी

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की गृहविज्ञान विभाग एवं यूथ रेडक्रॉस की टीम ने विगत दिनों स्नेह संपदा विद्यालय का भ्रमण किया. छात्राओं ने बच्चों से, शिक्षकों से भेंट कर जानकारी जुटाई और निर्णय लिया कि वे अब नियमित रूप से इस विद्यालय की सहयोगी बनेगी और दिव्यांग बच्चों को शिक्षण, खेल, संगीत, कला, योगा सिखलाएगी.

भ्रमण शामिल छात्राएं कालेज व स्कूल स्टाफ

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पी.आर. सिरके ने बताया कि यह विशेष विद्यालय है, जिसमें 56 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं. यह विद्यालय डे [illegible] सेंटर, प्री. वोकेशनल सेंटर तथा मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों का शिक्षण केन्द्र है. इस विद्यालय में शैक्षणिक अभ्यास के साथ आत्म स्वावलंबन, कौशल ज्ञान दिया जाता है. इनकी नियमित दिनचर्या में शिक्षण, खेल, संगीत, कला एवं मनोरंजन है.

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि छात्राओं की टीम स्नेह संपदा विद्यालय के बच्चों को पूरा मार्गदर्शन एवं सहयोग देगी. यह उनके लिए गौरव और प्रेरणास्पद होगा. यूछ रेडक्रास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय में दिव्यांग छात्राओं के प्रोत्साहन के लिए हमेशा प्रयास किए जाते है. विगत दिनों अन्तर्विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव भोपाल में महाविद्यालय की दो मूकबधिर छात्राएं कु. केसर बानो एवं कु. फरहीन बानो ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया.

The Hitavada CityLine
Saturday November 18 2017

Mentally challenged students taught self dependence at Sneh Sampada School

Dr Reshma Lakesh and girl students with Principal Shirke.

Staff Reporter
DURG, Nov 17

28 years before Principal PR Shirke founded Sneh Sampada Vidyalaya for differently abled Children and endeavored to give them a family atmosphere. The Vidyalaya is a Milestone for development of 56 students (boys and girls). Government Dr WW Patankar Girls PG College's students of Home Science Department and Youth Red Cross team visited the Vidyalaya and met the children and teachers. They decided to regularly visit and teach games, music, art and yoga. Shirke told it is Day Care Centre and prevocational training centre for mentally challenged children. Apart from academics they are taught self dependence. Youth Red Cross Incharge Dr Reshma Lakesh said Principal Shirke had requested the Principal for regular cooperation. Dr Sushil Chandra Tiwari had assured that girl students will provide guidance and cooperation to the children.

One injured in road mishap in Utai

Staff Reporter
BHILAI, Nov 17

ONE was seriously injured in the road mishap occurred in Utai, Durg on Friday evening. The accused delivery van driver managed to flee the spot along with his vehicle after the mishap. The police have registered the offence and launched the massive hunt to nab the accused but he was reported to be absconding till the last report came in.

Police sources informed that at about 7:40 pm on Friday, one Lalesh Barle, son of Birsingh Barle, a resident of Dundera village of Utai, Durg was on way home on his motorcycle when a rashly driven delivery van (CG07/BH/4779) dashed him leaving him seriously injured at Gudi Chowk in Dundera village of Utai, Durg. Police have registered the offence against the accused under sections 279 and 337 of IPC and further investigating into the mishap.

भिलाई-दुर्ग भास्कर

शनिवार 18 नवंबर, 2017

कन्या कॉलेज की छात्राएं स्नेह संपदा में दिव्यांग बच्चों को सिखाएंगी योग, संगीत

कन्या महाविद्यालय दुर्ग की छात्राओं ने स्नेह संपदा स्कूल का किया भ्रमण

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

शासकीय डॉ. वीवी पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग और यूथ रेडक्रॉस की टीम ने दिव्यांगों के लिए संचालित स्नेह संपदा स्कूल का भ्रमण किया। छात्राओं ने बच्चों से, शिक्षकों से मिलकर बच्चों की जानकारी लेकर निर्णय लिया कि वे अब नियमित रूप से विद्यालय की सहयोगी बनेंगी और दिव्यांग बच्चों को शिक्षण, खेल, संगीत, कला, योगा सिखाएंगी।

शाला की प्राचार्य पीआर सिरके ने बताया कि विद्यालय में 56 छात्र पढ़ रहे। यह विद्यालय डे केयर सेंटर, प्री. वोकेशनल सेंटर और मानसिक दिव्यांग बच्चों का शिक्षण केंद्र है।

भ्रमण में पहुंची छात्राओं ने वहां के बच्चों के गतिविधियों की जानकारी ली।

कॉलेज के प्राचार्य ने प्रबंधन को सहयोग का दिया भरोसा

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्राचार्य सिरके ने गर्ल्स कॉलेज दुर्ग की प्राचार्य से नियमित रूप से सहयोग की अपेक्षा की थी। इस पर प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्रतिवारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि छात्राओं की टीम स्नेह संपदा विद्यालय के बच्चों को पूरा मार्गदर्शन और सहयोग देगी।

पत्रिका
www.patrika.com

बताया मधुमेह से बचाव का तरीका

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● कन्या महाविद्यालय दुर्ग में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम हुए। महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग एवं युथरेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में पोस्टर प्रदर्शनी एवं आहार प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। पोस्टर प्रदर्शनी में मधुमेह के विषय में उसके लक्षण, टाईप-1 एवं टाईप-2 मधुमेह के विषय में समझा गया साथ ही बचाव के तरीके भी सचित्र प्रदर्शन पोस्टर के माध्यम से किया गया। यूथ रेडक्रॉस एवं गृहविज्ञान की छात्राओं ने महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को मधुमेह संबंधी जानकारी दी। आहार की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सलाद-सूप, लो कैलेरी आहार प्रदर्शित किए गए। छात्राओं द्वारा डाईट चार्ट के माध्यम से आहार संबंधी जानकारी दी गई। गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने पोषण आहार पर सारगर्भित जानकारी दी व बताया कि उचित आहार से हम मधुमेह को नियंत्रित कर सकते है। यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के प्रति जागरूकता ही इसका बचाव है। छात्राओं ने सिर्फ पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से ही नहीं बल्कि रैली एवं सर्वेक्षण के जरिए भी इस दिशा में कार्य किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीसी अग्रवाल व सभी प्राध्यापक कार्यक्रम में मौजूद रहे।

दलिया, ढोकला और इडली में रहता है सबसे ज्यादा फाइबर्स

दुर्ग गर्ल्स कॉलेज में लगी प्रदर्शनी में मधुमेह से बचने के उपाय बताए गए।

सिटी रिपोर्टर। भिलाई

ऐसे दलिया, ढोकले और इडली सहित अन्य व्यंजन बनाए जिनमें डायट्री फाइबर की अधिकता थी, जिसे खाने से ब्लड शुगर अचानक नहीं बढ़ता। मधुमेह दिवस पर प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में हुआ। इसमें स्टूडेंट्स ने पोस्टर प्रदर्शनी में मधुमेह के विषय में उसके लक्षण, टाइप-1 और टाइप-2 मधुमेह के लक्षण और बचाव की जानकारी दी। सचित्र प्रदर्शनी लगाया गया।

महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग और यूथ रेडक्रास सोसायटी द्वारा पोस्टर और आहार प्रदर्शनी लगाई गई। उद्घाटन प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने किया। महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग ने भी इस अवसर मधुमेह से बचाव के लिए आवश्यक आहार की प्रदर्शनी लगाई गई।

दैनिक भास्कर

[illegible] चारियों और लोगों [illegible] हुई जांच

लोरं [illegible] संस्था ने बैंक परिसर शिविर [illegible] शुगर और ब्लड प्रेशर जांच [illegible]। बैंक के कर्मचारी औ [illegible] जांच कराई। क्लब के अध्य [illegible] शिविर सुबह 11 से शाम [illegible]। इसमें पैथोलॉजिस्ट [illegible] देवनाथ साहू, और डॉ. [illegible] निशुल्क जांच के साथ [illegible] जांच की। मरीजों को उपचा [illegible] भी दी। लायनेस क्लब भिलाई [illegible] ब्लड शुगर जांच का कैंप संतोष [illegible] क्लिनिक भिलाई-3 में लगाया।

15.11.17

25 Nov 17

"मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य परीक्षण कैंप

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में संचालित मेडिकल सेंटर में "स्वास्थ्य' जागरूकता एवं परीक्षण अभियान के अंतर्गत कैंप लगाया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या नागरिया ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं चिकित्सीय परामर्श दिया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत यह चौथा कैंप था जिसमें स्त्रीरोग से संबंधित परामर्श एवं जांच के लिए स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या नागरिया उपस्थित थी। 60 छात्राओं को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। 37 छात्राओं को निम्न रक्तचाप से संबंधित सलाह दी गयी।

यूथरेडक्रास के स्वयं सेवकों ने कैंप की व्यवस्था का संचालन किया। मेडिकल सेंटर में चिकित्सीय जांच के अलावा औषधियाँ भी उपलब्ध है। डॉ. रेशमा ने बताया कि शीघ्र ही नेत्र परीक्षण शिविर भी लगाया जावेगा। इस कैंप में श्रीमती दामिनी साहू चिकित्सा सहायक का सक्रिय योगदान रहा।

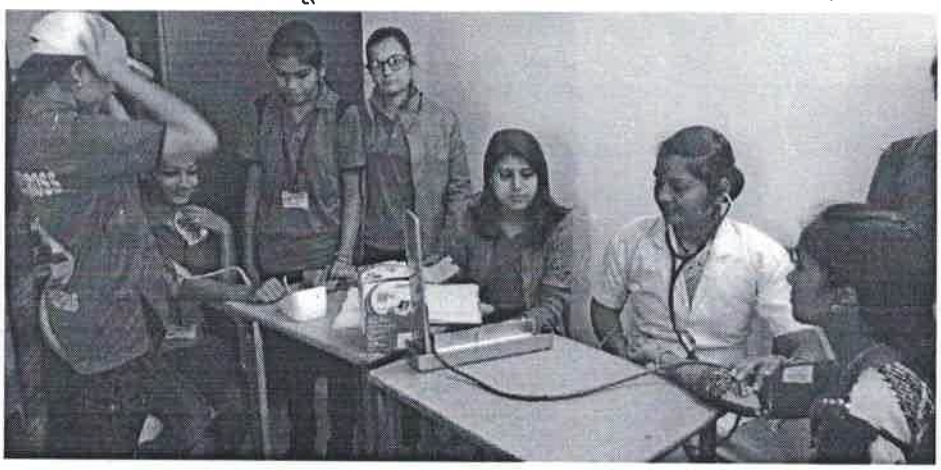

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

Various educational institutions of twin cities observe World AIDS Day

Students of various education institutions organising awareness rallies.

Staff Reporter
DURG, Dec 3

WORLD AIDS Day was observed by various educational institutions of Durg-Bhilai by organising awareness rallies, symposium and post exhibition. Government VYT PG Autonomous College took out AIDS awareness rally under guidance of Principal Dr SK Rajpoot. Volunteers of Indian Youth Red Cross Society, NSS and Integrity Club and cadets of NCC. Youth Red Cross In-charge, Dr. Tarlochan Kaur and NCC Girls Wing In-charge, Dr. Sapna Sharma flagged off the rally. It traversed Durg University, Raipur Naka colony, BIT, Malviya Nagar Chowk and terminated in college by forming a human chain. The rally told about causes, its ill-effects, treatment and how to safeguard against AIDS. After the rally volunteers of Youth Red Cross Society organised drawing and poster exhibition. Sushil Asati and Dinesh Dewangan delivered extempore speeches.

Government Girls College NSS Unit organised a rally. It was flagged off by Principal Dr. Sushil Chandra Tiwari. The rally traversed areas nearby jail road. Girls made slogans and conducted awareness campaigns under guidance of NSS officers, Dr. Seema Agrawal and Dr. Mukta Bakhla. Poster making competition was organised and an exhibition was held. Volunteers gave information about AIDS eg always use disposable syringe for blood test and information about AIDS and safety is the only protection against the disease. Youth Red Cross In-charge, Dr. Reshma Lakesh and NSS In-charge, Dr. Seema Agrawal told a blood test camp will be organised soon. All students have been issued medical health card giving blood group and information related to health.

In Swaroopanand College, Bhilai symposium was organised under joint aegis of IQAC Cell and NSS. IQAC In-charge Assistant Professor, Yogesh Deshmukh told about HIV virus causing AIDS, its spread and prevention. Also, information about frequently caused diseases of typhoid and pneumonia due to weak body immunity.

There are several wrong notions also. Hence proper information about the disease is necessary. Principal Dr. Hansa Shukla said information is the best way of prevention of AIDS. If we make people aware about how to safeguard against AIDS they will do it themselves.

Student Kamal Narayan told AIDS does not spread by contact. This fact should be made to realise by people to dispel unnecessary fear of AIDS.

नवभारत 5

एचआईवी संक्रमित को सौहार्द्र एवं प्रेम की जरूरत

■ नवभारत समाचार | दुर्ग.

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में रेड रिबन क्लब इकाई द्वारा एचआईवी एड्स जागरूकता के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी. प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एचआईवी संक्रमण से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी. जिसमें छात्राओं ने एचआईवी संक्रमण की जैविक क्रियाओं तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट की सविस्तार चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षा ही उसका प्रमुख बचाव का साधन है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी ने एचआईवी एड्स पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर प्राध्यापकगण एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी.

भाषण प्रतियोगिता में रूचि शर्मा, सबा मरियम, काजल यादव एवं मधु सिंह को पुरस्कृत किया गया. पोस्टर प्रतियोगिता में शगुप्ता परवीन, शिवानी वर्मन, रीना प्रसाद को पुरस्कार दिया गया. एचआईवी संक्रमण एवं एड्स जागरूता पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में लकेश्वरी बंजारे, ऐश्वर्या श्रीवास्तव एवं वेदिका देवांगन को पुरस्कार दिया गया.

पत्रिका

अवेयरनेस ही एड्स से बचने का एकमात्र रास्ता

भिलाई ● दुर्ग कन्या महाविद्यालय की रेड रिबन क्लब इकाई ने गुरुवार को एचआईवी एड्स जागरूकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं कराईं। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एचआईवी संक्रमण से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें छात्राओं ने एचआईवी की जैविक प्रक्रिया और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक तथ्य प्रस्तुत किए। चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षा ही इस बीमारी से बचाव का एक मात्र उपाय है। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जो मृत्यु के आंकड़े दिए है वे चिंतनीय है। एचआईवी संक्रमण हमारे शरीर के सुरक्षातंत्र को खत्म कर देता है, जिससे हमारा शरीर छोटी-छोटी बिमारियों से भी नहीं लड़ सकता।

उन्होनें कहा कि एचआईवी संक्रमण कोई छूत की बीमारी नहीं है। इससे संक्रमित व्यक्ति को अच्छे वातावरण एवं प्रेम से हौसला दिया जा सकता है। भाषण प्रतियोगिता में रूचि शर्मा, सबा मरियम, काजल यादव एवं मधु सिंह को पुरस्कृत किया गया। क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में शगुप्ता परवीन, शिवानी वर्मन, और रीना प्रसाद को पुरस्कार दिया गया। निबंध प्रतियोगिता में लकेश्वरी बंजारे, एश्वर्या श्रीवास्तव एवं वेदिका देवांगन को पुरस्कार दिया गया।

18 नईदुनिया
रायपुर, शनिवार 02 दिसंबर 2017

रैली निकालकर किया जागरूक

एड्स दिवस पर हुए कई आयोजन, प्रदर्शनी के माध्यम से दी बचाव की जानकारी

दुर्ग। नईदुनिया न्यूज

पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा रैली का आयोजन किया गया। जिला रेड क्रास सोसाइटी द्वारा भी डीईओ कार्यालय से रैली निकाली गई और एड्स से बचाव बारे में जानकारी दी गई।

रासेयों की रैली को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय परिसर से रवाना किया। एड्स से संबंधित सुरक्षा व बचाव के नारे के साथ रैली ने जेल रोड से समीपस्थ इलाकों का भ्रमण किया।

रासेयो अधिकारी डॉ. सीमा अग्रवाल एवं डॉ. मुक्ता बाखला के निर्देशन पर छात्राओं ने स्लोगन बनाये और जागरुकता अभियान चलाया। यूथ रेडक्रास सोसाइटी के द्वारा पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता रखी गयी जिसकी प्रदर्शनी लगाई गयी। यूथ रेडक्रास के स्वयं सेवकों ने प्रदर्शनी में एड्स से बचाव के विभिन्न सुरक्षात्मक उपायों पर केंद्रित पोस्टर की जानकारी सभी को दी। जागरुकता अभियान के अन्तर्गत यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने जानकारी दी कि रक्त परीक्षण के समय हमेशा डिस्पोजेबल सिरिंज का ही उपयोग किया जावे तथा इस रोग से संबंधित जानकारी रखना तथा सुरक्षा ही बचाव है। यीथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश तथा रासेयो प्रभारी डॉ.सीमा अग्रवाल ने जानकारी दी कि शीघ्र ही महाविद्यालय में रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया जावेगा। मेडिकल हेल्थ कार्ड उपलब्ध दिया गया है।

एड्स दिवस पर जिल

फोटो : न

पत्रिका

CITY events

छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

भिलाई • कन्या महाविद्यालय दुर्ग की छात्राओं ने शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस के मौके पर जागरुकता रैली निकाली। रैली को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय परिसर से रवाना किया। एड्स से संबंधित सुरक्षा व बचाव के नारे के साथ रैली ने जेल रोड से लगे इलाकों का भ्रमण किया। एनएसएस अधिकारी डॉ. सीमा अग्रवाल एवं डॉ. मुक्ता बाखला के निर्देशन पर छात्राओं ने स्लोगन बनाए और जागरूकता अभियान चलाया। यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता रखी गई। छात्राओं की बनाई पेंटिंग की प्रदर्शनी भी लगी। एड्स से बचाव के विभिन्न सुरक्षात्मक उपायों पर केंद्रीत पोस्टर की जानकारी सभी को दी। जागरूकता अभियान के तहत रेडक्रॉस की छात्राओं ने जानकारी दी की रक्त परीक्षण के समय हमेशा डिस्पोजेबल सिरिंज का ही उपयोग किया जाना चाहिए। इस रोग से संबंधित जानकारी रखना ही इससे बचाव का तरीका है।

बैनर व पोस्टर के मा[illegible]म से लोगों को किया आगाह

विश्व एड्स दिवस पर छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

नवभारत 5

दुर्ग.शासकीय विश्वन यादव तामस्कर स्नातकोत्त महाविद्यालय दुर्ग [illegible] एस.के. राजपूत के [illegible] दिसंबर को विश[illegible] पर भारतीय यूथ [illegible] यटी, एनएसएस, [illegible] रग्रिटी क्लब के स्व[illegible] गरूकता रैली निका[illegible] स के प्रभारी डॉ. त[illegible] वं एनसीसी छात्रा [illegible] सपना शर्मा द्वारा हरी [illegible] ा का प्रारंभ किया [illegible] मार्ग महाविद्यालय [illegible] लय होते हुए राजपुर [illegible] बीआईटी कॉलेज, [illegible] गर चौक होते हुए [illegible] य में मानव श्रृंखल [illegible] नाकर समापन हुआ. रैल [illegible] उद्देश्य [illegible] लोगों को एड्स [illegible] घातक [illegible] से कैसे बचाव [illegible] ए. एड्स [illegible] लने के कार[illegible] परिणाम उसका निदान एवं [illegible] जानकारियां उपलब्ध कराना था. रैली के पश्चात यूथ रेडक्रास सोसायटी के स्वयं सेवकों द्वारा चित्रकला एवं पोस्टर का प्रदर्शन किया गया. वरिष्ठ स्वयं सेवक सुशील असाटी एवं दिनेश देवांगन द्वारा तात्कालिक भाषण दिया गया.

जागरुकता रैली निकालते प्रोफेसर व छात्र-छात्राएं

इस कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के स्वयं सेवक शेखर देवांगन, अनिल देवांगन, गणेश खरे, दिनेश देवांगन, सुशील असाटी, रितेश रहांगडाले, कार्तिकेय त्रिपाठी, स्वयं सेविका जयश्री, निशा, यशवनी, मुक्ता, पिंकी, रितु, अंजली, विजय कुमार, नोमिता साहू, पकंज साहू, धरमराज, मेघा, दीपक, राजकिशोर, लक्ष्मी साहू, मंजुषा, समीक्षा, हिलेश्वरी सहित अन्य सभी स्वयं सेवकों का सराहनीय योगदान रहा.

एड्स दिवस पर छात्राओं ने निकाली रैली

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा रैली का आयोजन किया गया. रैली को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय परिसर से रवाना किया. एड्स से संबंधित सुरक्षा व बचाव के नारे के साथ रैली ने जेल रोड से समीपस्थ इलाकों का भ्रमण किया. रासेयो अधिकारी डॉ. सीमा अग्रवाल एवं डॉ. मुक्ता बाखला के निर्देशन पर छात्राओं ने स्लोगन बनाये और जागरूकता अभियान चलाया.

यूथ रेडक्रास सोसायटी द्वारा पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता रखी गयी, जिसकी प्रदर्शनी लगाई गयी. यूथ रेडक्रास के स्वयं सेवकों ने प्रदर्शनी में एड्स से बचाव के विभिन्न सुरक्षात्मक उपायों पर केन्द्रित पोस्टर की जानकारी सभी को दी. जागरूकता अभियान के अन्तर्गत यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने जानकारी दी कि रक्त परीक्षण के समय हमेशा डिस्पोजेबल सिरिंज का ही उपयोग किया जाए तथा इस रोग से संबंधित जानकारी रखना तथा सुरक्षा ही बचाव है. यथू रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश तथा रासेयो प्रभारी डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि शीघ्र ही महाविद्यालय में रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा तथा सभी छात्राओं को मेडिकल हेल्थ कार्ड उपलब्ध करा दिया गया है. जिसमें रक्त समूह के साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गयी है.

[illegible] दिवस पर [illegible] ने लोगों को किया जागरूक

दुर्ग. विश्व एड्स दिवस पर सरकार द्वारा लोगों में जागरुकता लाने के लिये राजेन्द्र पार्क के समीप एड्स दिवस का प्रचार प्रसार किया जा रहा है. एड्स दिवस के अवसर पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश महामंत्री एवं समाज सेवी प्रताप मध्यानी ने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि एड्स कोई जानलेवा बीमारी नहीं है इसकी जांच करवानी चाहिये और लोगों तक जागरुकता फैलाना चाहिए ताकि एड्स का बचाव हो सके.

dainikbhaskar.com **दैनिक भास्कर** भिलाई-रायपुर, शुक्रवार 23 फरवरी, 2018 | 14

दैनिक भास्कर मध्यप्रदेश | छत्तीसगढ़ | राजस्थान | नई दिल्ली | पंजाब | चंडीगढ़ | हरियाणा | हिमाचल प्रदेश | झारखंड | बिहार | दिव्य भास्कर गुजरात | महाराष्ट्र | दिव्य मराठी महाराष्ट्र | DB POST

जागरूकता अभियान | रेड रिबन क्लब की ईकाई के द्वारा किया गया आयोजन

बेबाक होकर बोले स्टूडेंट्स- सिलेबस में हो एचआईवी का चैप्टर, हिचक करनी होगी दूर

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

आम तौर पर एचआईवी और एड्स के बारे में बात करने में लोग हिचकिचाते है। लेकिन इसके विपरीत गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में छात्राओं ने बेबाकी से इस विषय में अपनी बात रखी। छात्रा रुचि शर्मा ने कहा, रिश्ता तय करते समय हम पंडित के पास जाकर कुंडली मिलाते है। इससे ज्यादा जरूरी है कि हम रक्त परीक्षक से जाकर मिले और एक दूसरे की जांच करवाएं। छात्राओं ने एचआईवी की जानकारी पाठ्यक्रम में दी जाने की भी बात कही। छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गुरुवार को गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में रेड रिबन क्लब इकाई द्वारा एचआईवी एड्स जागरूकता के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रभारी प्रोफेसर डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एचआईवी संक्रमण से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

छात्राओं ने एचआईवी संक्रमण की जैविक क्रियाओं और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट पर चर्चा की। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी, शिक्षक और स्टूडेंट्स आदि उपस्थित थे।

पोस्टर बनाकर लगाई प्रदर्शनी

कॉपिटिशन के साथ ही पोस्टर बनाकर इसकी प्रदर्शनी कॉलेज परिसर में लगाई गई। युवा सोच को दर्शाती हुई इस प्रदर्शनी में स्टूडेंट्स ने पोस्टर के माध्यम से दिखाया कि एचआईवी पॉजिटीव को अपराधी न समझा जाए। उस इंसान के अंदर सहानुभूति से हौसला बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही पोस्टर से इसके बचाओ के उपाय और रोकथाम की बातें भी युवतियों ने दर्शाईं।

सभी को दिया गया पुरस्कार

भाषण प्रतियोगिता में किसी भी स्टूडेंट्स को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार नहीं दिए गए। सभी के विचारों को अच्छा मानते हुए उत्कृष्ट पुरस्कार से सभी को नवाजा गया। इस तरह से भाषण प्रतियोगिता में रुचि शर्मा, सबा मरियम, काजल यादव और मधु सिंह को पुरस्कार दिया गया। इसी तरह पोस्टर प्रतियोगिता में भी शगुफ्ता परवीन, शिवानी वर्मन, रीना प्रसाद को उत्कृष्ट पुरस्कार दिया गया।

सारी समस्या का निदान है जागरूकता: सबा

एमए अर्थशास्त्र की सबा मरियम ने कहा कि सारी समस्या का निदान जागरूकता है। बिना हिचक बिना डरे जब हम स्थिति से मुकाबला करते है। तो उससे जीत सुनिश्चित होती है। व्यक्ति चाहे किसी भी रोग से ग्रसित हो उसके आत्मविश्वास को बनाए रखना समाज का दायित्व है। हम स्नेह और प्रेम से उसका मनोबल बढ़ा सकते है। ऐसा करना भी जरूरी है।

पाठ्यक्रम में इसकी जानकारी दें: काजल

एड्स से बचने सुरक्षात्मक उपायों की जागरूकता होनी चाहिए। संक्रमण क्या है इसे लोगों को बताया जाए। एमए हिन्दी की काजल ने ये बातें कही उन्होंने कहा कि ये हमारे सिस्टम को नुकसान पहुंचाकर रोग प्रतिरोधक शक्ति को नष्ट कर कर रही हैं। जानकारी पाठ्यक्रम के माध्यम से भी दी जाए। ताकि युवा पीढ़ी इससे सचेत रहे। साथ ही रक्त लेने देने में भी वे सावधानी रख सकें।

12 Feb 18

रेडरिबन क्लब का आयोजन

"एचआईवी संक्रमित को सौहार्द्र एवं प्रेम की जरूरत

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान में 'रेड रिबन क्लब इकाई द्वारा एच.आई.वी. एड्स जागरूकता, के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि "एच.आई.वी. संक्रमण से बचाव' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें छात्राओं ने एच.आई.वी. संक्रमण की जैविक क्रियाओं तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट की सविस्तार चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षा ही उसका प्रमुख बचाव का साधन है।

शिक्षको, छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जो मृत्यु के आंकड़े दिए है वे चिंतनीय है। एच.आई.वी. संक्रमण हमारे शरीर के सुरक्षातंत्र को खत्म कर देता है जिससे हमारा शरीर छोटी–छोटी बिमारियों से भी नहीं लड़ सकता।

उन्होनें कहा कि एच.आई.वी. संक्रमण कोई छूत की बिमारी नहीं इससे संक्रमित व्यक्ति को अच्छे वातावरण एवं प्रेम की आवश्यकता है।

भाषण प्रतियोगिता में कु. रूचि शर्मा, कु. सबा मरियम, कु. काजल यादव एवं कु. मधु सिंह को पुरस्कृत किया गया। क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में कु. शगुप्ता परवीन, कु. शिवानी वर्मन, कु. रीना प्रसाद को पुरस्कार दिया गया।

एच.आई.वी. संक्रमण एवं एड्स जागरूता पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कु. लकेश्वरी बंजारे, कु. एश्वर्या श्रीवास्तव एवं कु. वेदिका देवांगन को पुरस्कार दिया गया।

महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास इकाई तथा रेड रिबन क्लब के द्वारा वर्ष भर जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में भी आयोजित किए जाते है। रैली, पोस्टर और जनसंपर्क कर छात्राएँ सक्रिय भागीदारी कर रही है। इस अवसर पर प्राध्यापकगण एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

PRINCIPAL
Govt Dr. Ww. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

12 Feb 18

एड्स दिवस पर रैली और प्रदर्शनी आयोजित

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा रैली का आयोजन किया गया। रैली को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय परिसर से रवाना किया।

एड्स से संबंधित सुरक्षा व बचाव के नारे के साथ रैली ने जेल रोड से समीपस्थ इलाकों का भ्रमण किया। रा.से.यो. अधिकारी डॉ. सीमा अग्रवाल एवं डॉ. मुक्ता बाखला के निर्देशन पर छात्राओं ने स्लोगन बनाये और जागरूकता अभियान चलाया।

यूथरेडक्रास सोसायटी के द्वारा पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता रखी गयी जिसकी प्रदर्शनी लगाई गयी।

यूथ रेडक्रास के स्वयं सेवकों ने प्रदर्शनी में एड्स से बचाव के विभिन्न सुरक्षात्मक उपायों पर केन्द्रित पोस्टर की जानकारी सभी को दी।

जागरूकता अभियान के अन्तर्गत यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने जानकारी दी की रक्त परीक्षण के समय हमेशा डिस्पोजेबल सिरिंज का ही उपयोग किया जावे तथा इस रोग से संबंधित जानकारी रखना तथा सुरक्षा ही बचाव है।

यथूरेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश तथा रा.से.यो. प्रभारी डॉ. सीमा अग्रवाल ने जानकारी दी की शीघ्र ही महाविद्यालय में रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया जावेगा तथा सभी छात्राओं को मेडिकल हेल्थ कार्ड उपलब्ध करा दिया गया है। जिसमें रक्त समूह के साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गयी है।

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

20 Dec 17

मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य परीक्षण

शा. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेडिकल सेन्टर में प्रति सप्ताह नगर के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रहे है। इस सप्ताह डॉ. जय तिवारी (एम.डी.) ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा चिकित्सीय परामर्श दिया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि छात्राओं को विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता की जानकारी के साथ ही चिकित्सीय परामर्श भी सेंटर द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसका अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। छात्राओं के हेल्थ कार्ड में उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी वजन, ऊँचाई, रक्तसमूह, रक्तचाप की जानकारी तो होती ही है साथ ही चिकित्सीय परामर्श का भी उल्लेख रहता है।

डॉ. जय तिवारी ने लगभग 50 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा सलाह दी।

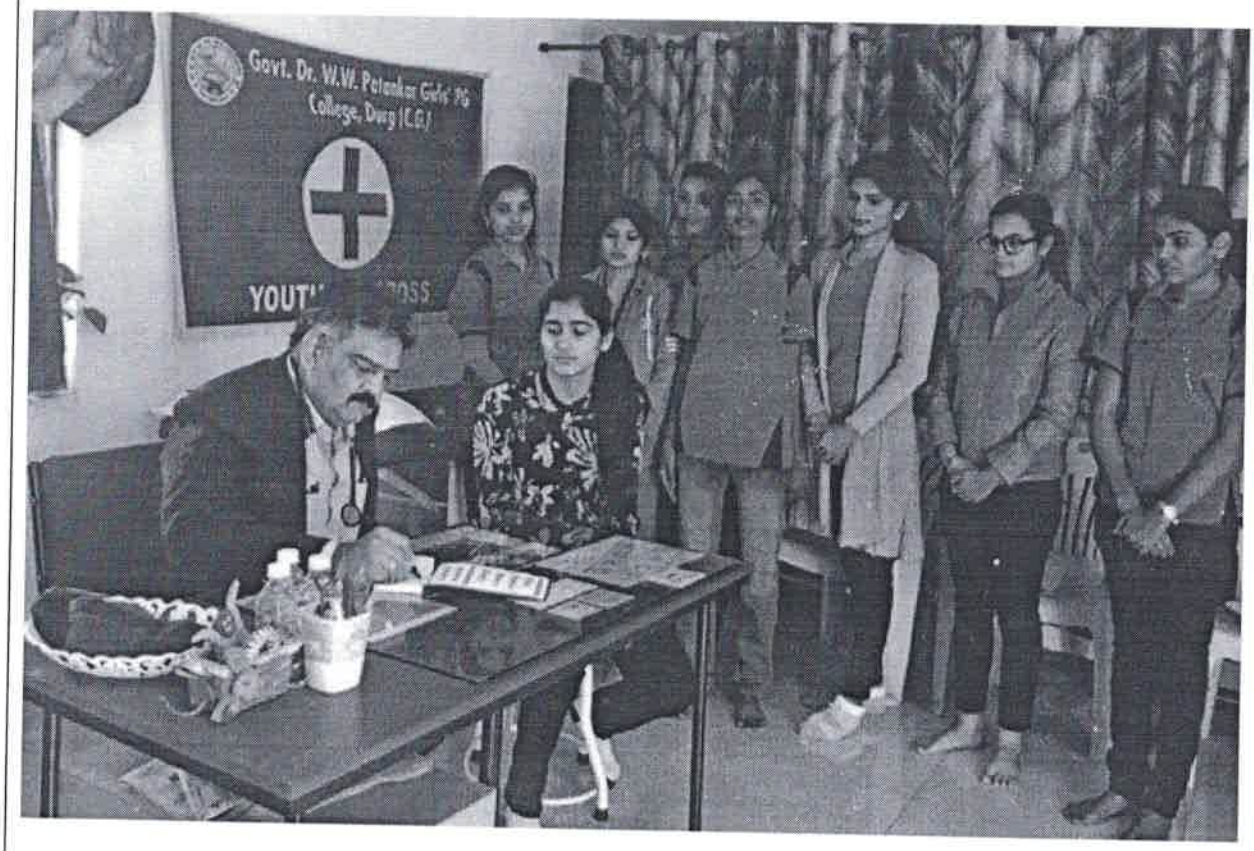

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 07.12.2017

// आवश्यक सूचना //

मेडिकल सेंटर

महाविद्यालय में मेडिकल सेंटर में 08 दिसंबर 2017 को प्रातः 11:00 बजे **डॉ. एम.एल. अग्रवाल (एम.डी.)** उपस्थित रहेगें।

प्राचार्य

Govt Dr. WW. Patan
Girl's PG. College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 08.01.2018

// मेडिकल सेंटर //

महाविद्यालय के मेडिकल सेंटर में दिनांक 09 जनवरी 2018 को प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे डॉ. निशी नागरिया (एम.बी.बी.एस.) उपस्थित रहेगें।

छात्राएँ मेडिकल कार्ड सहित परामर्श हेतु उपस्थित हो सकती है।

प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C.

यूथ रेडक्रास – मेडिकल सेन्टर द्वारा आयोजित

डेंटल कैम्प

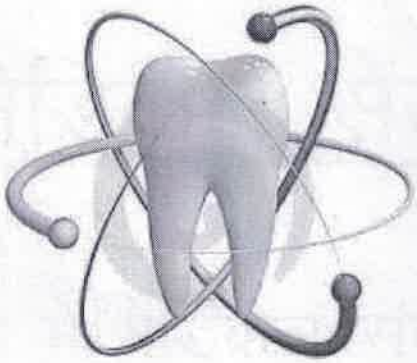

–: दिनांक :–

30 अक्टूबर 2017

–: समय :–

प्रातः 11:00 बजे से

–: स्थान :–

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
दुर्ग (छ.ग.)

सौजन्य

रूंगटा डेंटल कॉलेज भिलाई (छ0ग0)

समस्त छात्राएँ अपना दंत परीक्षण उक्त कैम्प में अवश्य करा लेवें।

डॉ. रेशमा लाकेश
प्रभारी मेडिकल सेन्टर एवं यूथ रेडक्रास

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी
प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 21.11.2017

// आवश्यक सूचना //

मेडिकल सेंटर

महाविद्यालय में मेडिकल सेंटर में 25 नवंबर 2017 प्रातः 11:00 बजे **डॉ. संध्या नगरिया – एम.डी. (स्त्री रोग विशेषज्ञ)** उपस्थित रहेगीं।

प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patanka
Girl's PG. College, Durg (C

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 02.11.2017

// आवश्यक सूचना //

मेडिकल सेंटर

महाविद्यालय में मेडिकल सेंटर में 7 नवंबर 2017 प्रातः 11:00 बजे डॉ. एम.एल. अग्रवाल (एम.डी.) उपस्थित रहेगें।

10 नवंबर 2017 को जिला चिकित्सालय, दुर्ग के द्वारा नेत्र परीक्षण EYE TEST प्रातः 11:00 बजे से होगा। छात्राएँ इसका लाभ उठायें।

प्राचार्या
PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girl's PG. College, Durg (C.G.)

कोकड़ी में लगा गर्ल्स कालेज का रासेयो शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग का 7 दिवसीय विशेष शिविर ग्राम कोकड़ी में संपन्न हुआ। शिविर के शुभारंभ एवं समापन समारोह में सहभागी बने ग्राम कोकड़ी के सरपंच डॉ. रोहन सिंह, उपसरपंच एवं पंचगण, शाला प्रधानपाठक एवं शाला विकास समिति के सदस्यगण।

- शिविर में वितरित की गई स्वाइन फ्लू की दवा

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक नियमित रूप से इस शिविर में बौद्धिक चर्चा एवं जागरूकता अभियान में शिरकत की। शिविर प्रभारी एवं

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी द्वारा डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में सुबह प्रभातफेरी, प्रार्थना, श्रमदान तथा दोपहर बौद्धिक चर्चा एवं विशेष कार्यक्रम अतिथियों द्वारा व्याख्यान और संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन होते थे। कराते की नेशनल रेफरी तथा मार्शल आर्ट की अंर्तराष्ट्रीय खिलाड़ी श्वेता ध्रुव ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने स्वास्थ्य जागरूकता के अन्तर्गत सर्वेक्षण कार्य किया। वहीं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। डॉ. मोहन अग्रवाल ने स्कूल के बच्चों, ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और स्वाइन फ्लू की दवा वितरीत की। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने दीवारों में स्वास्थ्य जागरूकता का नारा लेखन किया। सर्वेक्षण में छात्राओं ने विभिन्न रोगों, नेत्र रोग (मोतियाबिन्द), गर्भवती महिलाओं के पोषण संबंधी तथा शिशु रोगों पर सर्वे किया और जानकारी दी। विशेष अतिथि व्याख्यान के अन्तर्गत महिला विधिक जागरूकता तथा कानून संबंधी जानकरी पर न्यायाधीश संकेत कुमार एवं जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह ग्रामीणों एवं छात्राओं को दी गयी। गायत्री परिवार के डॉ. यशवंत साहू एवं सहयोगियों ने नशा मुक्ति पर फिल्म प्रदर्शन एवं नशे की लत से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी। ग्रामीणों ने इसे सराहा। शिविर में 98 छात्राएं शामिल हुई। जिन्हें 6 समूहों में विभाजित कर दायित्व दिया गया। ग्रुप लीडर एवं जेण्डर चैम्पियन रूचि शर्मा तथा दुर्गा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पत्रिका

पत्रिका . भिलाई, गुरुवार, 24 जनवरी, 2019

युवा पीढ़ी निभाए समाज में अपनी जिम्मेदारी

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का हुआ समापन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का समापन हुआ। ग्राम कोड़िया में हुए इस शिविर में पहुंचे मुख्य अतिथि गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि कि जीवन में सेवा का ही ज्यादा महत्व है। युवा पीढ़ी की समाज के प्रति बड़ी जिम्मेदारी है उन्हें राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से सेवा का अवसर मिलता है। इस अवसर पर रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य जागरुकता अभियान एवं जनस्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है। यूथ रेडक्रॉस इकाई की छात्राओं ने प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश के निर्देशन में जागरुकता अभियान चलाया। शिविर के दौरान संस्था सत्यम शिवम् सुन्दरम् समिति के चिकित्सकों की टीम ने मेडिकल कैंप लगाया। जिसमें हृदयरोग, नेत्ररोग, स्त्रीरोग, शिशुरोग, दंतरोग संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

स्वच्छता के प्रति किया जागरूक : शालेय विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरुक रहना सिखाया। शिविर में फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से स्कूली बच्चों के लिए प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें उपमहाप्रबंधक पंकज त्यागी एवं राजभाषा अधिकारी छगनलाल नागवंशी ने स्कूली बच्चों को पुरस्कार भी बांटा। शिविर में प्राध्यापक डॉ. रितेश अग्रवाल ने पर्यावरणीय समस्याओं पर फिल्म के माध्यम से जानकारी दी।

पत्रिका PLUS
Bhilai . Tuesday
21/11/2017
patrika.com/entertainment
citylive infocus

ANCHOR

एनएसएस कैंप में महिला कमांडो का हुआ सम्मान

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • भिलाई. कन्या महाविद्यालय, दुर्ग का सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर सोमवार को संपन्न हुआ। ग्राम कोकड़ी में लगे इस शिविर के समापन में सरपंच डॉ. रोहन सिंह शामिल हुए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने भी शिविर में 'बौद्धिक चर्चा' एवं जागरूकता अभियान में शिरकत की। शिविर प्रभारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि शिविर में प्रातः प्रभातफेरी, प्रार्थना, श्रमदान और दोपहर में बौद्धिक चर्चा एवं विशेष कार्यक्रम कराए गए। अतिथियों द्वारा व्याख्यान और संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन हुए। कराते की नेशनल रेफरी और मार्शल आर्ट की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी श्वेता ध्रुव ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने स्वास्थ्य जागरूकता के तहत सर्वेक्षण कार्य किया वहीं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मोहन अग्रवाल ने स्कूल के बच्चों, ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और स्वाइन फ्लू की दवा वितरीत की। महाविद्यालय की युथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने दीवारों में स्वास्थ्य जागरूकता का नारा लेखन किया। सर्वेक्षण में छात्राओं ने विभिन्न रोगों, नेत्र रोग (मोतियाबिन्द), गर्भवती महिलाओं के पोषण संबंधी और शिशु रोगों पर सर्वे कर जानकारी जुटाई। स्वच्छता अभियान के तहत प्रतिदिन श्रमदान के जरिए स्कूल परिसर की सफाई, ग्रामपंचायत परिसर, धार्मिक स्थलों, नलकूपों, कुओं के आसपास सफाई की। शौचालय निर्माण एवं स्वच्छता की नियमित आदत डालने घर-घर जागरूकता अभियान चलाया। विशेष अतिथि व्याख्यान के तहत 'महिला विधिक जागरूकता' और कानून की जानकारी न्यायाधीश संकेत कुमार एवं जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह ने ग्रामीणों को दी। गायत्री परिवार के डॉ. यशवंत साहू एवं सहयोगियों ने नशा मुक्ति पर फिल्म प्रदर्शन एवं नशे की लत से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी। ग्रामीणों ने इसे सराहा।

शिविर में प्राध्यापकों ने बौद्धिक चर्चाओं में व्यक्तित्व विकास, स्वास्थ्य, योग, शिशु रोगों पर प्रकाश डाला एवं जानकारी दी। शिविर में 98 छात्राएं शामिल हुई। जिन्हें 6 समूहों में विभाजित कर दायित्व दिया गया। ग्रुप लीडर एवं जेंडर चैम्पियन रूचि शर्मा, दुर्गा ने सक्रिय भूमिका निभाई। भावगीत, सद्भावना गीत और एनएसएस के गीतों की प्रस्तुति प्रतिदिन प्रेरणादायी रही। स्कूल के बच्चों के लिए खेलकूद एवं साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिन्हें पुरस्कृत भी किया गया। ग्राम की महिला कमाण्डों दल को सम्मानित किया गया।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर
यूथ रेडक्रॉस नियमावली

रेडक्रॉस एक ऐच्छिक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो 1863 में हेनरी ड्यूनांट द्वारा युद्धभूमि पर जख्मी और पीडितों की सहायता प्रदान करने के लिये स्थापित किया गया था।

रेडक्रॉस का मूलभूत सिद्धांत निम्नानुसार है :

1.	मानवता	HUMANITY
2.	निष्पक्षता	IMPARTIALITY
3.	तटस्थता	NEUTRALITY
4.	स्वतंत्रता	INDEPENDENCE
5.	स्वयं प्रेरित सेवा	VOLUNTARY SERVICE
6.	एकता	UNITY
7.	सर्वव्यापकता	UNIVERSALITY

इसके पश्चात् संगठन के उद्देश्य अधिक व्यापक बनाए गये जिसमें समस्त रुग्ण और पीडितों को युद्ध के समय या शांतिकाल में सहायता प्रदान करने का संकल्प किया गया। रेडक्रॉस के शांतिकाल के कार्य मुख्यत: निम्नलिखित हैं :

अ. शरीर एवं स्वास्थ्य की उन्नति
ब. रोगों पर प्रतिबंध
स. पीडितों की सहायता

युवक रेडक्रॉस संगठन, मूल संगठन के समान ही युद्ध के परिणाम स्वरूप स्थापित हुआ। सन् 1913 में प्रथम विश्वयुद्ध जब प्रारंभ हुआ तब कनाडा के एक प्रदेश क्यूबेक की शाला के विधार्थियों ने सैनिकों के लिए बैन्डेज तथा ड्रेसिंग्स और अन्य सुविधा के साधन बनाकर रेडक्रॉस के कार्यो में सहयोग दिया। इस कल्पना ने जल्दी ही व्यापक स्वरूप धारण किया। सन् 1915 के आस पास कनाडा तथा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के युवकों ने उनके व्यक्तिगत व्यय में से पैसे बचाना शुरु किए। उन पैसों को एकत्रित कर उन्होनें लडने वाले सैनिकों के लिये ड्रेसिंग्स तथा अन्य सुविधायें खरीदी। सन् 1919 में जब विभिन्न रेडक्रॉस संगठनों का मिलकर एक संघ स्थापित हुआ तब यूथ रेडक्रॉस को विभिन्न देशों में कार्यान्वित करने के लिये यूथ रेडक्रॉस ब्यूरो स्थापित किया गया।

यूथ रेडकॉस का संगठन :

यूथ रेडक्रॉस, इण्डियन रेडक्रॉस की एक शाखा है जिसका संबंध 18 वर्ष से 35 वर्ष तक आयु के विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों के नियमित छात्र, छात्राएं और प्राध्यापक वर्ग से है। प्रत्येक महाविद्यालय में युवक रेडक्रॉस की युनिट की स्थापना करने के लिये प्रत्येक शिक्षार्थी, प्राध्यापक वर्ग का सक्रिय सहयोग आवश्यक है।

यूथ रेडक्रॉस के संगठन का उद्देश्य युद्ध और शांतिकाल में मानवता की सेवा करना है। प्रत्येक युवक को इस अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का सदस्य बनकर प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिये तभी वे ग्रामीणों और नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों की सेवा भली-भांति कर सकते हैं।

जन स्वास्थ्य, गंदी बस्तियों की साफ-सफाई, रोगी कल्याण, आशक्त एवं असहायों की सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रदूषण निवारण, प्राकृतिक आपदा तथा दुर्घटना आदि के कारण निर्मित आपातिक स्थितियों के तात्कालिक सहायता जैसे कार्य करना यूथ रेडक्रॉस के सदस्यों के कर्तव्य हैं। साथ ही मानव मूल्यों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के मानवतावादी उत्तरदायित्वों की निर्वहन करते हुए विश्व मातृत्व की भावना को बढ़ाना भी यूथ रेडक्रॉस का एक महत्वपूर्ण कार्य हैं।

यूथ रेडक्रॉस यूनिट का संगठन :

यूथ रेडक्रॉस युनिट की स्थापना सभी महाविद्यालयों में की जायेगी। कार्यक्रमों के संचालन एवं राज्य शाखा तथा जिला शाखा के साथ समन्वय हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य की अध्यक्षता में एक कार्यसमिति का गठन किया जायेगा। इस समिति के सदस्यों का चयन प्राचार्य द्वारा इस प्रकार किया जायेगा कि इसमें कम-से-कम तीन छात्रा प्रतिनिधि, प्राध्यापक पी. टी. आई. पुस्तकालय प्रभारी सदस्य रहें। समिति में सदस्यों की अधिकतम संख्या 11 होगी। प्राध्यापक वर्ग का कोई सदस्य इसका संगठक होगा।

जिलाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य सेवा अधिकारी के परामर्श एवं मार्गदर्शन में जन स्वास्थ्य तथा सेवा के क्षेत्र में कार्य किए जाएंगे।

यह समिति छात्रों के सर्वांगीण विकास, उनमें स्वप्रेरित सेवा भाव जागृत करने, रोगियों पीडितो, अशक्त तथा असहायों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने, कार्य शालाओं का आयोजन करने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व भ्रातृत्व की भावना जागृत करने हेतु कार्य योजना बनाकर कार्य करेगी।

महाविद्यालय स्तर पर इस समिति के कार्यो की छमाही समीक्षा, चेयरमेन, राज्य शाखा द्वारा की जायेगी।

पंजीयन एवं सदस्यता :

सभी यूथ रेडक्रॉस युनिटों को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा में पंजीयन कराना होगा। पंजीयन के लिए 250/- रु. शुल्क के साथ एक आवेदन-पत्र राज्य शाखा में प्रस्तुत कर पंजीयन प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा।

यूथ रेडक्रॉस का वार्षिक सदस्यता शुल्क रु. 25/- प्रति छात्र होगी।

सदस्यता शुल्क के रुप में प्राप्त राशि का 70% महाविद्यालय द्वारा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में पृथक खाता खोलकर रखा जायेगा तथा कार्यसमिति के अनुमोदन से यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों पर व्यय किया जा सकेगा। आय-व्यय का वार्षिक लेखा भी निर्धारित प्रारुप (परिशिष्ट एक) में राज्य शाखा तथा जिलाशाखा को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के तत्काल पश्चात् प्रस्तुत की जायेगी।

सदस्यता शुल्क की 30% राशि सीधे राज्य शाखा को भेजी जायेगी। राज्य शाखा द्वारा इस प्रकार प्राप्त राशि में से 10% जिला शाखा को यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों के संचालन तथा समन्वय पर व्यय की जायगी। राज्य शाखा के पास शेष जमा सदस्यता शुल्क की राशि मे से 10% अर्थात प्राप्त राशि का 1/2 राष्ट्रीय मुख्यालय को भेजी जायगी।

छत्तीसगढ़ युवक रेडक्रास के मुख्य कार्य :

(1) प्राथमिक उपचार -

1. प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य विज्ञान पर कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
2. प्राथमिक उपचार कीट का प्रबंध करना, जो आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाई जा सके।
3. Disaster Preparedness तथा Response प्रशिक्षण।

(2) रक्तदान :

1. स्वेच्छा से रक्तदान करना और रक्तदान के लिये नागरिकों को प्रेरित करना।

(3) नेत्रदान :

1. अंधत्व की रोकथाम हेतु आयोजन शिविरों में भाग लेना।
2. नेत्रदान बाबत प्रचार-प्रसार कर जन-जागरुकता पैदा करना।

(4) HIV / AIDS की रोकथाम हेतु कार्य करना

(5) पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रदूषण निवारण के लिये कार्य करना।

उपयुर्क्त सभी विशेष कार्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से संपन्न होंगे।इसकी पूर्ण जानकारी समय-समय पर राज्य शाखा./ जिला शाखा द्वारा दी जायगी।

युवक रेडक्रास के अन्य कार्य :

1. तैरना तथा जीवनरक्षा के उपाय सीखने के लिये विद्यार्थियों तथा युवकों को प्रोत्साहित करना।
2. सहकारी पद्धति से स्टेशनरी पुस्तक भंडार चलाना और उसमें जो लाभ हो उससे गरीब विद्यार्थियों को सहायता देना ।
3. मलेरिया, चेचक, हैजा, प्लेग, मोतीझरा आदि रोगों के आक्रमण के बारे में स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओं तथा अधिकारियों को सूचना देना और सेवा कार्य करना।
4. छात्र भोजनालयों तथा केंटीन की व्यवस्था करना।
5. प्राकृतिक विपत्तियों जैसे-बाढ़, अकाल, आग, भूकम्प आदि के निवारण में सहयोग देना।
6. आदर्श ग्राम, आदर्श घर, आदर्श कुओं आदि का महत्व ग्रामिणों को समझाना।
7. कुओं को किटाणु रहित करना।
8. चूहों, मक्खियों, मच्छरों को समाप्त करने में सहयोग देना।
9. अस्पतालों में सेवा कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त करना।
10. अर्न्तमहाविद्यालयीन सम्पर्क स्थापित करना।
11. स्वयं सेवक के रुप में प्रशिक्षण प्राप्त करना ।
12. अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर मानव सेवा संस्थाओं से संपर्क एवं समन्वय।
13. महत्वपूर्ण दिवसों पर कार्यक्रमों का आयोजन, फंडरेजिंग।

छत्तीसगढ़ स्तर पर यूथ रेडक्रॉस संगठन :

यूथ रेडक्रॉस की समस्त गतिविधियों का संचालन तथा मार्गदर्शन राज्य स्तर पर गठित "छत्तीसगढ़ यूथ रेडक्रॉस समिति " द्वारा की जायगी जिसके संरक्षक माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ तथा अध्यक्ष माननीय शिक्षा मंत्री होंगे। इस समिति के अन्य सदस्य निम्नानुसार होंगे, जिनका मनोनयन अध्यक्ष करेंगे।

1.	मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़	– मुख्य संरक्षक
2.	शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़	– अध्यक्ष
3.	चेयरमेन, प्रबंध समिति, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर	– उपाध्यक्ष
4.	महामहिम राज्यपाल द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय के कुलपति	– सदस्य
5.	आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़	– सदस्य
6.	एन. सी. सी. के राज्य स्तरीय अधिकारी	– सदस्य
7.	एक शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रतिनिधि	– सदस्य
8.	एक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रतिनिधि	– सदस्य
9.	एक स्नातक महाविद्यालय के प्राचार्य	– सदस्य
10.	एक स्नातक कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य	– सदस्य
11.	महामहिम द्वारा मनोनीत राज्य के एक प्रख्यात समाज सेवी	– सदस्य
12.	प्रमुख गैर सरकारी स्वयं सेवी संस्था का एक प्रतिनिधि	– सदस्य
13.	सचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा	– सदस्य/सचिव

यूथ रेडक्रॉस की राज्य स्तरीय शीर्ष समिति यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों के निर्धारण तथा संचालन के साथ ही महाविद्यालयीन स्तर पर किए गए कार्यो की समीक्षा कर सकेगी तथा दूसरे आधार पर इन्हे पुरस्कृत किए जाने का निर्णय भी ले सकेगी।

परिशिष्ट - ए

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़

राज्य शाखा, रायपुर

यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के वार्षिक

आय-व्यय पत्रक का प्रारुप

महाविद्यालय का नाम .....

सन् .....

क्र.	आय का विवरण	रु. पै.	क्र.	व्यय का विवरण	रु. पै.
1.	गतसत्र 200..... का बचत		1.	लेखन सामग्री	
2.	यूथ रेडक्रॉस शुल्क राशि		2.	महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस के युनिट कार्यालय के रखरखाव एवं डाक व्यय	
3.	बैंक बचत खाते पर प्राप्त राशि		3.	यूथ रेडक्रॉस साहित्य एवं सामग्री पर व्यय	
4.	अन्य श्रोतों से आय		4.	यूथ रेडक्रॉस पंजीयन/ नवीनीकरण पर व्यय	
5.	(i) महाविद्यालय के अभिभावकों द्वारा अनुदान		5.	प्रशिक्षण कार्य पर व्यय	
			6.	अन्तर्राज्यीय यूथ रेडक्रास प्रशिक्षण/अध्ययन पर व्यय	
	(ii) महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों द्वारा अनुदान		(i)	यूथ एवं काउंसलर्स के प्रशिक्षण एवं सम्मेलनों पर व्यय	
			(ii)	प्रमाण-पत्रों एवं हैन्ड बिल्स की छपाई पर व्यय	
	(iii) यूथ रेडक्रॉस साहित्य सामग्री का विक्रय राशि से आय		(iii)	महाविद्यालयों के समारोहों पर यूथ रेडक्रास से संबंधित पारितोषिक पर व्यय	
			7.	स्वास्थ्य संबंधी योजना :-	
			(i)	स्वास्थ्य परीक्षण	
			(ii)	रक्त परीक्षण / रक्तदान	

क्र.	आय का विवरण	रु. पै.	क्र.	व्यय का विवरण	रु. पै.
			(iii)	स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था	
			(iv)	रोगी छात्र/छात्राओं का अस्पताल में दूध, फल, किताबों, खिलौनों आदि के रुप में सहायता पर व्यय	
			(v)	फर्स्ट ऐड बाक्स, दवाईयां, पट्टियां, वजन तौलने के उपकरणों आदि पर व्यय।	
			(vi)	मक्खी और मच्छरों के विनाश के लिये डी.डी.टी. फिनाइल एवं अन्य कीटाणुनाशक दवाईयों के छिड़काव पर व्यय।	
			(vii)	अकाल, बाढ़, अग्निप्रकोप, भूचाल आदि से पीड़ित छात्रों को मदद।	
			8.	छात्र-कल्याण संबंधी योजनायें :	
			(i)	अपाहिज एवं अपंग छात्र की सहायता।	
			(ii)	निर्धन छात्रों के लिये अध्ययन सामग्री कपड़े आदि की व्यवस्था पर व्यय।	
			9.	समाज सेवा योजनाये :	
			(i)	प्रौढ़ शिक्षा	
			(ii)	महाविद्यालय परिसर में उद्यान बनाना एवं वृक्षारोपण।	
			(iii)	नेत्र शिविर	
			(iv)	मेलों या खेलकूद समारोहों में शिविर लगाना।	

क्र.	आय का विवरण	रु. पै.	क्र.	व्यय का विवरण	रु. पै.
			(v)	दैविक या मानवीय दुर्घटना से पीड़ितों की सेवा।	
			(vi)	पर्यावरण संरक्षण तथा संवर्धन एवं प्रदुषण नियंत्रण करना	
			10.	खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम	
			11.	शैक्षणिक भ्रमण एवं पर्यटन	
			12.	खेलकुद, टुर्नामेंट का आयोजन	
			13.	अलबम एवं पत्र पत्रिकाओं पर व्यय	
			(i)	गणवेश पर व्यय	
			14.	महत्वपूर्ण दिवसों पर समारोहों का आयोजन	
			(i)	रेडक्रॉस दिवस, 8 मई।	
			(ii)	विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल।	
			(iii)	विश्व विकलांग दिवस 15 मार्च।	
			(iv)	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 08 मार्च	
			(v)	जिनेवा कन्वेंशन डे 12 अगस्त को फंड रेजिंग डे के रूप में मनाना।	
			(vi)	विश्व पर्यावरण दिवस, 05 जून आदि।	
			(vii)	स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, 1 अक्टूबर।	
			(vii)	विश्व एड्स दिवस, 1 दिसंबर।	

~ ~ ~

पंजीयन हेतु आवेदन पत्र का प्रारुप :

पंजीयन हेतु भेजे जाने वाले आवेदन–पत्र का प्रारुप नीचे दिया गया है :

प्रति,

सचिव,
भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी
छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर

सेवा में निवेदन है कि हम अपने महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस पंजीयन कराना चाहते है। महाविद्यालय की कुल छात्र संख्या ---------- है तथा हमारे प्राध्यापक परामर्शदाता का नाम ---------- ---------- है।

कृपया हमारे महाविद्यालय का नाम पंजीकृत करने का कष्ट करें जिसके लिए निर्धारित शुल्क रुपये ---------- प्रेषित है।

स्थान :

भवदीय

दिनांक :

प्राचार्य

प्रतिलिपि :

1. सचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा ---------- ---------- है।

प्राचार्य ध

कार्यालय-संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक 3239/संउशि/सम./2003 रायपुर, दिनांक :10/07/2003

प्रति,

समस्त प्राचार्य,
अग्रणी शासकीय महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़।

विषय:- जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी एवं युवक रेडक्रॉस सोसायटी की सदस्यता बाबत्।

सन्दर्भ:- डॉ. एस. सी. मजूमदार, अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा का पत्र दिनांक 07/07/2003.

डॉ. एस. सी. मजूमदार, अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर के पत्र क्रमांक सीजीएस/बी/आई आर सी एस/2003/533 दिनांक 07 जुलाई, 2003 की छायाप्रति संलग्न भेजकर अनुरोध है कि उपर्युक्त पत्र में दिनांक चाहे अनुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु अपने जिले के अधीनस्थ शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों को पत्र भेजें एवं इस कार्यालय को अवगत करावें।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार

हस्त.
अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर (छ.ग.)

पृ. क्रमांक 3240/संउशि/सम./2003 रायपुर, दिनांक :10/07/2003

प्रतिलिपि :-

1. अवर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, मंत्रालय, रायपुर की ओर उनके पत्र क्रमांक 3111/3013/2003/38, दिनांक 08 जुलाई, 2003 के संदर्भ में सूचनार्थ।
2. अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर की ओर उनके पत्र दिनांक 07/07/2003 के संदर्भ में सूचनार्थ।

हस्त.
अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर (छ.ग.)

Dear Dr. Chakravarty,

This is about the enrolment of College students as members of Youth Red Cross. I have talked to you over telephone on this today. I have written a Note Sheet to Hon. Education Minister about 3-4 days ago. A copy is enclosed.

2. I had a talk to the minister to-day over phone. He might have marked this to Secretary, Higher Education who is on tour to Delhi.

3. Admissions in colleges have started now. The Principals of Colleges want a CIRCULAR LETTER to be written to them by Commissioner, Higher Education, One Dr. B. K. Garg, a teacher in Government Post Graduate College, Ambikapur, looks after the works on Junior Red Cross and Youth Red Cross in schools and colleges respectively. This is the most appropriate time to get the new entrants in colleges to get enrolled as members of Youth Red Cross in the State. The matter is bit urgent since Hon. Chief Minister, our Senior Vice President has fixed a target to get the school and college students under the umbrella of Junior and Youth Red Cross respectively. The directions were given on 13th May 2002 by the Chief Minister in the Annual General Meeting held at Raj Bhavan under the Chairmanship of H.E. the Governor, our President

4. I would be obliged if you could look into the matter and get a CIRCULAR LETTER issued by Commissioner Higher Education to the Principals of Colleges in the State.

Encl. : One Note Sheet.

Your's Sincerely,

Sign.

(Dr. S. C. Mazumder)
Chairman
Indian Red Cross Society,
Chhattisgarh State Branch-Raipur

Dr. K. K. Chakravarty,
Additional Chief Secretary,
Government of Chhattisgarh,
Education Dept.
Mantralaya, Raipur (C.G.)